Lalithaa®
Lalithaa Jewellery
Mart Limited

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

Lalithaa Jewellery
Mart Limited
Hyderabad (Somajiguda / Kukatpally / Dilsukhnagar / Chanda Nagar / Suchitra Circle) Secunderabad
Nizamabad • Warangal • Miryalaguda • Khammam
Vijayawada • Vizag • Gopalapatnam • Vizianagaram
Anakapalli • Gajuwaka • Srikakulam • Tuni
Kakinada • Bhimavaram • Amalapuram
Rajamahendravaram • Guntur • Ongole • Narasaraopet
Anantapur • Kurnool • Kadapa • Sullurupeta • Gudur
Nellore • Chittoor • Tirupathi

वर्ष–31 अंक : 150 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ. 2 2083 रविवार, 30 अगस्त–2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

कोई भी कैसा भी ऑफर देने पर
इस बेजोड ऑफर की तुलना नहीं कर सकेंगे!

ललिता का 'आषाढ–श्रावण' का ऑफर

DOUBLE BENEFIT - ONLY AT LALITHAA !

समस्त स्वर्णाभूषणों पर मूल्यह्रास में (V.A.)
1% की छूट

+

पुराने स्वर्णाभूषणों की अदला-बदली/एक्सचेंज पर प्रति ग्राम
रु.150 ज्यादा पाएं

सीमित Offer

आभूषणों के दरों में 2% से ज्यादा बचत!

ललिता ज्वैलरी के 'मार्केट से कम दाम' में से और अधिक...2% से भी ज्यादा बचत कीजिए!
अन्य शोरूमों के ऑफर्स से, उनके द्वारा लागू किए गए ज्यादा मूल्यह्रास की तुलना करने पर, यह बचत कुछेक पैमाने पर 'अधिकतम' रहता है।

हीरे के आभूषण प्रति कैरेट पर
रु.6000 की छूट

90%
चांदी की वस्तुओं पर मूल्यह्रास, बनवाई खर्च नहीं!
0% V.A / M.C

सोने के सिक्के
लक्ष्मी कासु
22 KARAT GOLD COINS & LAKSHMI KASU
After Discount
Only 1% V.A

प्रारंभ किए गए नये डिजाइनों की भरमार!

Lalithaa®
Lalithaa Jewellery Mart Limited
Andhra Pradesh • Telangana • Tamil Nadu • Puducherry • Karnataka
Customer Care: 90 99 999 916 | www.lalithaajewellery.com

जंगलों में छिपे आतंकियों की खैर नहीं

टीओबी से हर हलचल पर एसओजी की पैनी नजर

पहाड़ों में सुरक्षा का नया जाल

जम्मू, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर संभाग के पहाड़ी और घने जंगलों में छिपे आतंकियों की टेंपरेरी ऑपरेशनल बेस (टीओबी) से चौतरफा घेराबंदी की जा रही है। टीओबी पर विशेष अभियान समूह (एसओजी) की विशेष टुकड़ियां तैनात की गई हैं। जंगल और माउंटेन वारफेयर में माहिर ये जवान आतंकियों के खात्मे के लिए हर संदिग्ध गतिविध पर पैनी नजर रख रहे रहे हैं। पहाड़ी और घने जंगलों में छिपे आतंकियों के खिलाफ टीओबी सुरक्षाबलों की रणनीति का अहम हिस्सा बन गए हैं। आतंकियों के पनाहगार माने जाने वाले दुर्गम जंगलों में उनकी गतिविधियों पर नजर रखने और अभियान चलाने के लिए टीओबी को मजबूत किया जा रहा है।

किश्तवाड़ के छात्रू और उधमपुर के डुडू-बसंतगढ़ के घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों में आतंकियों के खिलाफ अभियान में टीओबी कारगर साबित हुए हैं। इसके बाद अब जम्मू संभाग के अन्य जंगली और पहाड़ी इलाकों में भी इन बेस को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। टीओबी में जंगल, पहाड़ और गुरिल्ला युद्ध में पारंगत विशेष टुकड़ियों को तैनात किया गया है। इनकी मौजूदगी आतंकियों के लिए अचानक दबाव बनाने वाले प्रभावी तंत्र के रूप में काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी नलिन प्रभात खुद टीओबी की सुरक्षा तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने पीर पंजाल के अलावा चटरगुल और बांगर में स्थापित टीओबी का दौरा कर जवानों की तैनाती और ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। इन दौरों के दौरान दुर्गम इलाकों में जवानों की क्षमता, हथियारों और जरूरी उपकरणों की उपलब्धता समेत अन्य व्यवस्थाओं को परखा जा रहा है।

आतंकी मददगारों पर भी नजर

टीओबी में तैनात एसओजी के जवानों को जंगल, गुरिल्ला और माउंटेन वारफेयर का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एसओजी में नए जवानों को शामिल कर टीमों को मजबूत किया गया है। जवानों को आधुनिक हथियारों और विशेष उपकरणों से भी लैस किया गया है। अब टीओबी के जरिए आतंकियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ उनके मददगार नेटवर्क और स्थानीय संपर्कों की जानकारी जुटाने पर भी जोर दिया जा रहा है। सुरक्षा बलों की रणनीति का उद्देश्य दुर्गम इलाकों में आतंकियों पर लगातार दबाव बनाए रखना और उन्हें सुरक्षित ठिकाने बनाने से रोकना है।

अब हरकत पर नजर रखना आसान

सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर विजय सागर धीमान का कहना है कि जंगलों में छिपे आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई में ट्रांजिट ऑपरेशनल बेस (टीओबी) अहम भूमिका निभा रहे हैं। जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में रणनीतिक स्थानों पर टीओपी स्थापित होने से जवानों को इलाके की लगातार निगरानी करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलती है। आतंकियों के खिलाफ इस तरह की पहल काफी कारगर है।

इससे जवानों को इलाके की भौगोलिक स्थिति और गतिविधियों की जानकारी लगातार रहती है और किसी भी संदिग्ध हलचल पर तेजी से कार्रवाई करना आसान होता है।

'पहले जाति व्यवस्था खत्म करो फिर आरक्षण' रामदास अठावले का बड़ा बयान

मुंबई, 29 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में जाति के आधार पर भेदभाव पूरी तरह खत्म नहीं होता, तब तक आरक्षण की जरूरत बनी रहेगी। रामदास अठावले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भी देश में जाति के आधार पर भेदभाव की समस्या मौजूद है। उनके मुताबिक, आरक्षण किसी को दी गई खैरात नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार और समाज में उचित प्रतिनिधित्व का जरिया है। अठावले ने कहा कि देश में कई जगहों पर आज भी जाति के आधार पर लोगों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। उन्होंने गांवों में अलग बस्तियों और शहरों में मकान या फ्लैट देने से कथित तौर पर मना किए जाने का जिक्र किया। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिरों और सोशल मीडिया तक कई जगह जाति का असर दिखाई देता है।

उनके अनुसार, कई बार व्यक्ति की योग्यता और उसके इंसान होने से ज्यादा उसकी जाति को महत्व दिया जाता है। रामदास अठावले ने सोशल मीडिया पर मीम्स के जरिए भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के अपमान पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आरक्षित वर्ग के बच्चों के साथ होने वाला जातिगत भेदभाव किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर स्वस्थ बातचीत और चर्चा हो सकती है, लेकिन जाति के आधार पर भेदभाव और डॉ. आंबेडकर के अपमान को सामान्य नहीं माना जा सकता। अठावले ने कहा कि आरक्षण समाज के उन वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का माध्यम है, जिन्हें लंबे समय तक भेदभाव का सामना करना पड़ा है। उन्होंने इसे किसी तरह की आर्थिक मदद या खैरात मानने से इनकार किया।

'राहुल गांधी को रिवर्स की बीमारी तभी लाखों साल पीछे चले गए'

मनुस्मृति वाले बयान पर उमा भारती का तंज

भोपाल, 29 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मनुस्मृति पर बयान देकर फंस गए हैं। उनकी चौतरफा आलोचना हो रही है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बाद अब मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने भी उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

झांसी में उन्होंने कहा कि हमारा देश मनु स्मृति से नहीं बाबा साहब के संविधान से चल रहा रहा है। बीजेपी नेता ने कहा कि देश मनु स्मृति से लाखों साल पहले कभी चला होगा तो चला हो।लेकिन अब देश संविधान से चलता है।राहुल गांधी पर हमलावर उमा भारत ने कहा कि कांग्रेस नेता को कोई बीमारी हो गई है, जिसकी वजह से वह लाखों साल पीछे चले गए हैं। उन्हें ये बात याद ही नहीं है कि देश वर्तमान में संविधान से चल रहा है, यहां अब मनु स्मृति का कोई वजूद नहीं है।

राहुल को कोई बीमारी है, जिसकी वजह से वह रिवर्स में चले गए हैं। बता दें कि राहुल गांधी ने पुणे में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान मनुस्मृति पर कई ऐसी बातें कहीं, जिस पर अब विवाद गहरा गया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा था कि मनुस्मृति में महिला विरोधी बातें लिखी हैं। अपने इसी बयान को लेकर वह विरोधियों के निशाने पर हैं।

धर्म से लेकर राजनीति तक, हर ओर उनकी आलोचना हो रही है।

पिता ने सहयोगी के साथ मिलकर की थी बेटे की हत्या दोनों गिरफ्तार; कालिंदीकुंज ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस ने कालिंदीकुंज में हुए ब्लाइंड मर्डर केस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान 38 वर्षीय गुल हसन के रूप में हुई है, जो मानसिक रूप से बीमार था। आरोपित पिता तालुकदार अंसारी व साथी मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम ने उसे चिकित्सक के पास ले जाने के बहाने कालिंदीकुंज में एक सुनसान कंटेनर में बुलाया था।

वहां मो। वसीम उर्फ़ अकरम ने उसे पत्थर मारा, जिसके बाद तालुकदार अंसारी ने भी उस पर वार किए। इसके बाद कपड़े के टुकड़ों से बनी रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। बाद में शव को लावारिस कंटेनर में छोड़ दिया। कैमरा-टू-कैमरा ट्रेल से पता चला कि मरने वाला उन दो संदिग्धों के साथ क्राइम सीन की तरफ़ गया था, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटा।

'सावधान रहना' का मैसेज भेज गोदावरी में कूदा कपल, पुल पर अकेला रोता मिला 3 साल का मासूम

गोदावरी, 29 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर दिया। छह साल पहले शादी करने वाला एक कपल अब दुनिया में नहीं है। पीछे रह गया है उनका सिर्फ तीन साल का मासूम बेटा। बताया जा रहा है कि आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव से परेशान डोड्डा साई कृष्णा और उनकी पत्नी सिरिशा ने यह कदम उठाया। घटना से पहले साई कृष्णा ने अपने रिश्तेदारों को कथित तौर पर एक मैसेज भेजा था। इसमें सिर्फ इतना कहा गया था, 'सावधान रहना।' इसके बाद चिंचिनाडा पुल पर उनका तीन साल का बेटा अकेला मिला। बच्चे को देखकर आसपास के लोगों के होश उड़ गए। यह मामला येलामंचिली मंडल के चिंचिनाडा इलाके का है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कपल पिछले कुछ समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था।

साई कृष्णा पहले हैदराबाद में ड्राइवर का काम करते थे। करीब दो महीने पहले वह पत्नी और बच्चे के साथ भीमावरम में रिश्तेदारों के यहां रहने आए थे। बताया जा रहा है कि घटना से पहले दोनों ने पड़ोस में रहने वाले लोगों से 500 रुपए उधार लिए थे। उन्होंने कहा था कि वे पलकोल्लू जा रहे हैं। इसके बाद रात में दोनों चिंचिनाडा पुल पहुंचे। पुलिस को मामले की जानकारी तब मिली, जब वहां बच्चा अकेला मिला। स्थानीय लोगों के मुताबिक कपल अपने तीन साल के बेटे को पुल पर छोड़कर नदी की ओर चले गए। कुछ समय बाद बच्चा अकेला रोता मिला। आसपास के लोगों ने उसे संभाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

परिवार वालों से पूछताछ के साथ कपल के मोबाइल फोन और उनके आखिरी संदेशों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। घटना से पहले भेजे गए कथित वॉइस मैसेज ने जांच को एक नया पहलू दिया है। बताया जा रहा है कि साई कृष्णा को एक व्यक्ति ने पैसे लाने के वादे पर सोने की अंगूठी दी थी। आरोप है कि बाद में पैसे की व्यवस्था नहीं हो सकी और अंगूठी लौटाने का दबाव बढ़ता गया। कथित ऑडियो में इसी परेशानी का जिक्र होने की बात सामने आई है।

महिलाओं ने घेरा बनाया बच्चे ने बैग में डाला गल्ला, सीसीटीवी में कैद

लातूर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर शहर से एक बेहद हैरान और विचलित कर देने वाली चोरी की घटना सामने आई है। यहां अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने चोरी जैसे जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिए महज चार साल के एक मासूम बच्चे को अपना हथियार बना लिया। लातूर की एक अंडे की दुकान से दानपेटी (गुल्लक) चुराने के लिए चार महिलाओं ने जिस तरह से इस मासूम का इस्तेमाल किया, उसका सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हर कोई दंग रह गया है। घटना लातूर शहर स्थित एक अंडे की दुकान की है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद तस्वीरों में देखा जा सकता है कि चार महिलाएं ग्राहक बनकर दुकान में दाखिल होती हैं। उनके साथ एक चार साल का मासूम बच्चा भी मौजूद रहता है। दुकानदार को जब दानपेटी गायब होने का अहसास हुआ, तो उसने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में मासूम बच्चे द्वारा दानपेटी चोरी करने और महिलाओं द्वारा उसे शह देने की पूरी वारदात साफ दिखाई दे रही है।

खाद्य विभाग के अधिकारी ने एक्सपायरी बिस्किट पर नहीं लिया एक्शन तो नागरिकों ने उसी के मुंह में ठूसा

छत्रपति संभाजीनगर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में एक्सपायरी खाद्य पदार्थ को लेकर जमकर हंगामा हुआ। वैजापुर में एक्सपायरी खाद्य पदार्थ खाने के बाद दो साल के बच्चे की तबीयत बिगड़ने का दावा किया जा रहा है। शिकायत के बावजूद संबंधित पान की दुकान संचालक पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए गुस्साए नागरिकों ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी का घेराव कर दिया। इतना ही नहीं, नागरिकों ने अधिकारी से जब्त किया गया एक्सपायरी बिस्किट अधिकारी को खिलाने की कोशिश भी की। इस घटना के बाद गंगापुर चौफुली पर कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया।

पूरा मामला दो साल के बच्चे की तबीयत बिगड़ने से जुड़ा हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मिथुन बहिरट और दादासाहेब ठोंबरे ने वैजापुर शहर के लाडगांव रोड स्थित एक पान की दुकान से खट्टा-मीठा चूरा खरीदा था। इसके बाद यह खाद्य पदार्थ दो साल के बच्चे को दिया गया। खाने के कुछ ही समय बाद बच्चे को चक्कर आने लगे और उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद परिजनों ने बच्चे को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बच्चे की तबीयत बिगड़ने के बाद शिकायतकर्ताओं ने छत्रपति संभाजीनगर स्थित खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों को फोन पर इसकी जानकारी दी।

सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी पान की दुकान पर पहुंचे और वहां रखे खाद्य पदार्थों की जांच शुरू की। शिकायत में जिस खाद्य पदार्थ का जिक्र किया गया था, वह जांच के दौरान दुकान पर नहीं मिला। हालांकि, जांच के दौरान कुछ एक्सपायरी बिस्किट जरूर मिले, जिन्हें अधिकारी ने जब्त कर लिया।

बस में पड़ा था लावारिस बैग, अंदर था 22.50 लाख कैश देखते ही पुलिस के भी उड़े होश, ड्राइवर-कंडक्टर अरेस्ट

कोलकाता, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एक यात्री बस से लाखों रुपये बरामद हुए। असम से बंगाल में प्रवेश करते समय बस की तलाशी ली गई। उस दौरान एक बैग बरामद हुआ। बैग खोलने पर पुलिसकर्मी दंग रह गए। यह घटना कूचबिहार जिले में असम-बंगाल सीमा के पास बॉक्सिरहाट स्थित भंगा पाकरी नाका चेक प्वाइंट पर हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुबह बॉक्सिरहाट पुलिस स्टेशन के जोराई चौकी के पुलिसकर्मियों ने यहां की सीमा पर बंगाल में प्रवेश कर रही एक बस की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिसकर्मियों ने बस के अंदर से एक संदिग्ध बैग बरामद किया। बैग खोलने पर उसमें भारी मात्रा में नकदी मिली।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कुल 22 लाख 50 हजार रुपये बरामद किए गए। किसी ने भी बैग पर अपना मालिकाना हक नहीं जताया है। घटना के बाद बस चालक और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान अजीनुर मियां और नसिरुद्दीन शेख के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही सर्किल इंस्पेक्टर संजय कुमार दास और ओसी कपिल देव राय समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। सवाल उठ रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम कौन ले जा रहा था?

यह रकम कहां से आई और कहां ले जाई जा रही थी? पुलिस ने यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि क्या इसमें कोई अवैध लेन-देन शामिल है? इस रकम का असली मालिक कौन है। स्वाभाविक रूप से, असम से पश्चिम बंगाल जाने वाले एक महत्वपूर्ण मार्ग पर इतनी बड़ी रकम की बरामदगी पर सवाल उठना तो लाजमी है। वहीं पुलिस ने अनुमान लगाया है कि ये रकम असम के किसी इलाके से भूटान सीमा से सटे क्षेत्र में पहुंचाने के लिए ले जाई जा रही थी। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

प्रेसिडेंसी जेल में बंद आतंकी आफताब अंसारी से तीन आइफोन बरामद, राउटर और 31 हजार रुपये भी मिले

कोलकाता, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बंगाल की अति-सुरक्षित मानी जाने वाली कोलकाता के अलीपुर स्थित प्रेसिडेंसी सेंट्रल जेल में एक बार फिर गंभीर सुरक्षा चूक का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 2002 में कोलकाता स्थित अमेरिकी सूचना केंद्र पर हुए आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता और आजीवन कारावास की सजा काट रहे कुख्यात आतंकी आफताब अहमद अंसारी के सेल से छापेमारी के दौरान तीन आइफोन, वाई-फाई राउटर, पेन ड्राइव और 31 हजार रुपये बरामद किया गया है।

गुप्त खुफिया सूचना के आधार पर जेल विभाग के अधिकारियों ने जब आफताब के 14 नंबर सेल की गहन तलाशी ली, तो उसकी कपड़ों और बिस्तरों की परतों के बीच से यह हाई-टेक उपकरण बरामद हुए। बरामद सामान में दो राउटर, दो कार्ड रीडर, इयरफोन और 500 रुपये के नोटों में कुल 31,000 रुपये शामिल हैं। इस के बाद हेस्टिंग्स थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। जांच एजेंसियों के प्राथमिक आकलन के अनुसार, आफताब जेल के भीतर से बेधड़क वाट्सएप और टेलीग्राम जैसे एप का इस्तेमाल कर रहा था।

खुफिया एजेंसियां अब इस बात की गहनता से पड़ताल कर रही हैं कि क्या वह पाकिस्तान स्थित अपने पुराने आकाओं या सीमा पार आतंकी नेटवर्क के संपर्क में था। इस घटना ने जेल के भीतर फैले भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। आखिर इतनी कड़ी त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी के बावजूद यह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और नकदी जेल के भीतर कैसे पहुंचे? पुलिस उन जेल कर्मियों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने पैसों के लालच में इस आतंकी की मदद की।

हाई-प्रोफाइल बनकर ज्वेलरी शॉप पहुंचीं देवरानी-जेठानी नकली सोना थमाकर ले गई असली नेकलेस

भुवनेश्वर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में एक ज्वेलरी दुकान को नकली सोना देकर असली आभूषण ले जाने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं खुद को संपन्न और हाई-प्रोफाइल ग्राहक बताकर दुकानदारों को झांसे में लेती थीं। बताया जा रहा है कि वे एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं और आपस में रिश्तेदार (देवरानी-जेठानी) हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों महिलाएं आकर्षक और महंगे परिधानों में ज्वेलरी दुकानों पर पहुंचती थीं तथा महंगे गहने खरीदने की बातचीत करती थीं।

दुकानदारों का विश्वास जीतने के बाद वे कथित तौर पर नकली सोना देकर असली आभूषण लेकर फरार हो जाती थीं। 24 अगस्त को दोनों महिलाओं ने भुवनेश्वर की एक ज्वेलरी दुकान में इसी तरह की ठगी को अंजाम दिया। आरोप है कि उन्होंने करीब 22 ग्राम वजन की नकली सोने की चेन दुकानदार को थमा दी और बदले में 22 कैरेट का असली सोने का नेकलेस लेकर चली गईं।

पूछताछ के दौरान पुलिस को दूसरी आरोपी के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के निकट स्थित एक होटल में छापेमारी कर दूसरी महिला को भी गिरफ्तार कर लिया। खारवेल नगर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया।

फूड पैकेजिंग कंपनी में लगी भीषण आग आसमान में उठा धुएं का गुबार

अहमदाबाद, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अहमदाबाद के नरोदा जीआईडीसी फेज-3 में प्लॉट नंबर 28 पर स्थित एक फूड प्रोडक्ट पैकेजिंग कंपनी में अचानक आग लग गई। फैक्ट्री में काम चल रहा था, अंदर काम कर रहे कर्मचारियों में तुरंत भगदड़ मच गई। फैक्ट्री से निकलता काला धुआं आसमान में दूर-दूर तक देखा जा सकता था। आग लगने की घटना की सूचना तुरंत अहमदाबाद फायर डिपार्टमेंट को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

आग की तीव्रता को देखते हुए शुरू में फायर डिपार्टमेंट की 7 गाड़ियां भेजी गई थीं, लेकिन स्थिति गंभीर लगने के कारण अब 10 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं।

दमकलकर्मी अलग-अलग दिशाओं से पानी की बौछार करके आग पर काबू पाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। फायर डिपार्टमेंट की टीम इस भयानक आग को आस-पास के इलाकों या पास की दूसरी फैक्ट्रियों में फैलने से रोकने के लिए खास सावधानी बरत रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट भी तुरंत मौके पर पहुँचे और बचाव कार्य का जायजा लिया। इस दुखद घटना में एक बड़ी राहत की बात यह है कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

देहदान नहीं, अंगदान करें : पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर विवाद, डॉक्टरों ने जताई आपत्ति

कोलकाता, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री शरद्वत मुखोपाध्याय के देहदान को लेकर दिए बयान पर विवाद खड़ा हो गया है। न्यूटाउन में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि लोगों को पूरा शरीर दान करने के बजाय अंगदान को प्राथमिकता देनी चाहिए। उनके बयान पर राज्य के कई चिकित्सकों और देहदान आंदोलन से जुड़े लोगों ने आपत्ति जताई है। मंत्री ने कहा कि अंगदान से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है और आज इसकी आवश्यकता अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक के दौर में शव विच्छेदन की जरूरत पहले जैसी नहीं रही।

ज्योति बसु के देहदान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि उनके मस्तिष्क की मृत्यु के समय अंगदान होता तो उसका अधिक चिकित्सकीय उपयोग हो सकता था। देहदान आंदोलन से जुड़े लोगों का कहना है कि अंगदान और देहदान की उपयोगिता अलग-अलग है। अंगदान से मरीजों का जीवन बचाया जाता है, जबकि देहदान से मेडिकल विद्यार्थियों को मानव शरीर रचना समझने और चिकित्सकीय प्रशिक्षण में मदद मिलती है। चिकित्सकों के अनुसार, एमबीबीएस की पढ़ाई में शव विच्छेदन अब भी महत्वपूर्ण है। उनका तर्क है कि आभासी तकनीक मानव शरीर के वास्तविक अध्ययन का पूरी तरह विकल्प नहीं बन सकती।

शौच के लिए स्कूल परिसर से बाहर गई छात्रा से दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

भुवनेश्वर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के नबरंगपुर जिले के तेंतुलीखुंटी थाना क्षेत्र से एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल में पढ़ाई के दौरान कक्षा 9 की छात्रा के साथ दुष्कर्म किया गया। मामले में पीड़िता के परिवार और स्कूल की ओर से शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मामले में केस नंबर 202/26 दर्ज किया गया है।

पुलिस अब घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है और कथित आरोपी की पहचान कर उसे पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने छात्रा की गर्दन पर चाकू रखकर उसे धमकाया और छात्रा को धमकी दी गई कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो उसके साथ दोबारा दुष्कर्म किया जाएगा और उसकी हत्या कर दी जाएगी।

महबूबा मुफ्ती ने छात्रा से रेप और हत्या मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपने की मांग की

श्रीनगर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में छात्रा की रेप और हत्या दुख जताते हुए जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (जेकेपीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने दुख जाताया है। इसके साथ उपराज्यपाल से इस मामले को क्राइम ब्रांच को सौंपने की मांग की है। महबूबा मुफ्ती ने एक्स पोस्ट में कहा, किश्तवाड़ के छत्रु में एक स्कूली छात्रा के साथ रेप और उसकी हत्या की घटना महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों का कोई आम मामला नहीं है। यह हमारे समाज की अंतरात्मा पर एक गहरा और नासूर बन चुका घाव है।

दस दिन बीत जाने के बाद भी, इस बर्बर अपराध पर छाई खामोशी पीड़ित परिवार के दुख को और बढ़ा रही है और न्याय व्यवस्था में लोगों का भरोसा कम कर रही है। महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा, अगर अभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं दी गई, तो ऐसे घिनौने अपराध बिना किसी डर के होते रहेंगे। मैं उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से आग्रह करती हूं कि वे इस मामले को तुरंत क्राइम ब्रांच को सौंप दें ताकि इसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और तय समय-सीमा के भीतर जांच हो सके।

वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने इस मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन और संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है। किश्तवाड़ के एसएसपी नरेश सिंह ने बताया कि हाल ही में गिरफ्तार किए गए लोगों में एक सरकारी स्कूल का टीचर शामिल है, जिस पर बार-बार यौन शोषण का आरोप है। साथ ही, उसका भाई और जिला अस्पताल किश्तवाड़ का एक दिहाड़ी मजदूर भी घटना में शामिल हैं। एसएसपी ने बताया कि दो आरोपियों की पहचान मोहम्मद इशाक और रियाज अहमद शेख के तौर पर हुई है, जबकि दिहाड़ी मजदूर सफाई कर्मचारी की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

सूरज निकलने से पहले नशा तस्कर के घर बोला धावा, 268 किलो चूरा पोस्त बरामद

हलवारा, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सुधार पुलिस ने शनिवार तड़के सूरज निकलने से पहले मोही गांव में बड़ी कार्रवाई की। थाना सुधार के प्रभारी कुलविंदर सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने नशा तस्करी में संलिप्त जसविंदर सिंह उर्फ जस्सा के घर को चारों तरफ से घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से गांव में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई की भनक लगने के कारण जसविंदर सिंह जस्सा मौके से फरार होने में कामयाब रहा। हालांकि, तलाशी के दौरान पुलिस को उसके घर से 2 क्विंटल 68 किलो भुक्की चूरा पोस्त बरामद हुई। थाना प्रभारी कुलविंदर सिंह ने बरामदगी की सूचना तत्काल एसएसपी जिला लुधियाना ग्रामीण डॉ अंकुर गुप्ता और एसपी (डी) राजन शर्मा को दी। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में बरामद नशीले पदार्थ का वजन कराया गया, जिसमें इसकी मात्रा 268 किलो पाई गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जसविंदर सिंह जस्सा की पत्नी की मृत्यु हो चुकी है, जबकि उसकी बेटी की शादी हो चुकी है और मां बाप या अन्य बुजुर्ग भी नहीं है । घर में कोई मौजूद न होने के चलते पुलिस ने मकान को सील कर दिया है। पुलिस अब फरार जस्सा की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। थाना प्रभारी कुलविंदर सिंह ने बताया कि जसविंदर सिंह जस्सा पहले से ही पुलिस को वांछित है। उसके खिलाफ शनिवार को एनडीपीएस एक्ट के तहत एक और मामला थाना सुधार में दर्ज किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

पेपर लीक रोकने के लिए परीक्षा सिस्टम बदलने की तैयारी

नीलेकणि टास्क फोर्स ने लोगों से सुझाव मांगे; 13 सितंबर तक दे सकेंगे राय

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की छह सदस्यीय हाई-पावर्ड टास्क फोर्स ने सार्वजनिक परीक्षाओं में व्यापक सुधार के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक संगठनों से भी राय मांगी गई है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली यह टास्क फोर्स खास तौर पर एनटीए की परीक्षाओं के संचालन, सुरक्षा, परीक्षा डिजाइन और व्यवस्था में सुधार पर काम कर रही है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक, टास्क फोर्स का लक्ष्य परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित, पारदर्शी, निष्पक्ष और भविष्य के लिए तैयार बनाना है।

वर्ष-31 अंक : 150 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.2 2083 रविवार, 30 अगस्त-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी उज्बेकिस्तान पहुंचे

दो दिन का दौरा-आज किर्गिस्तान जाएंगे, एससीओ समिट में हिस्सा लेंगे; जिनपिंग-पुतिन से मुलाकात संभव

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी शनिवार शाम उज्बेकिस्तान पहुंचे। ताशकंद एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने मोदी का स्वागत किया। पीएम यहां दो दिन रहेंगे। द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसके बाद रविवार रात किर्गिस्तान रवाना होंगे। पीएम चार साल बाद सेंट्रल एशिया के दौरे पर आए हैं।

वे किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की 26वीं समिट में भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत कई नेताओं के साथ मुलाकात कर सकते हैं।

पीएम की द्विपक्षीय बातचीत, लाल बहादुर स्मारक भी जाएंगे

मोदी 29-30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में रहेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका चौथा उज्बेकिस्तान दौरा होगा। ताशकंद में मोदी और राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के बीच बैठक होगी। इसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। बैठक में भारत के विकसित भारत 2047 और उज्बेकिस्तान-2030 विजन के तहत सहयोग बढ़ाने के नए रास्तों पर भी बात होगी। मोदी ताशकंद में लाल बहादुर शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी सेंटर का भी दौरा कर सकते हैं। उज्बेकिस्तान दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रहेंगे। यहां वे एससीओ की 26वीं समिट में हिस्सा लेंगे। भारत 2017 से एससीओ का पूर्ण सदस्य है। समिट में सुरक्षा, आतंकवाद, व्यापार, कनेक्टिविटी और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। समिट के दौरान मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य देशों के नेताओं से मुलाकात हो सकती है। मोदी बिश्केक में होने वाले 6वें वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे।

ताशकंद जाने से पहले पीएम मोदी ने उज्बेक छात्रों की तारीफ की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान की राजकीय यात्रा के लिए रवाना होने से पहले उज्बेकिस्तान के कुछ युवा छात्रों का एक वीडियो साझा किया, जिसमें छात्रों ने हिंदी में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी ने छात्रों के उत्साह और हिंदी बोलने के अंदाज की सराहना करते हुए कहा कि यह देखकर उन्हें बेहद खुशी हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा कि उज्बेकिस्तान के उनके युवा मित्रों ने जिस उत्साह के साथ उनका स्वागत किया, वह खास है।

बाढ़ के बीच 114 भारतीयों को बचाया गया, नेपाल पर्यटन बोर्ड ने दी जानकारी

काठमांडू, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में लगातार भारी बारिश और बाढ़ के कारण बिगड़े हालात के बीच अब तक 114 भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है। नेपाल सरकार ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि आपदा ग्रस्त इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है। नेपाल पर्यटन बोर्ड की ओर से एक सूची जारी की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई लिस्ट में 15 देशों के कुल 187 लोगों को बचाए जाने की जानकारी दी गई है। भारत के अलावा इसमें बेल्जियम, बुल्गारिया, जर्मनी, चीन, इटली, माल्टा, ओमान, पुर्तगाल, रूस, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्विजरलैंड, तुर्की और अमेरिका के बचाए गए नागरिक हैं। इसमें सबसे ज्यादा भारत के 114, चीन के 27 और दक्षिण कोरिया के कुल 20 पर्यटक शामिल हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ी मुश्किलें

पूर्व सीएम पर हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

कोलकाता, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के छात्र संगठन तृणमूल छात्र परिषद के आयोजकों के खिलाफ हेस्टिंग्स थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला 28 अगस्त को संगठन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर दर्ज किया गया है।

शिकायत के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल समर्थकों ने कथित तौर पर बैरिकेड हटा दिए और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। इसके अलावा कैथेड्रल रोड पर यातायात भी बाधित हुआ। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यक्रम अदालत की ओर से तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी जारी रहा। मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61(2), 223, 125(ए), 132 और 285 के तहत दर्ज किया गया है। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने 28 अगस्त को अपने समर्थकों से राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकने और भाजपा में शामिल नहीं होने की अपील की। उन्होंने अपनी पार्टी की छात्र इकाई तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही सत्ता में वापस आएगी और एक नया राजनीतिक इतिहास लिखेगी। ममता बनर्जी ने कहा, मैं अपने साथियों से कहती हूं कि मजबूत और निडर बने रहें। जरूरत पड़े तो एक महीने तक जेल का खाना खाएं, लेकिन राजनीतिक रूप से आत्मसमर्पण न करें। उन्होंने पार्टी के युवा समर्थकों से कहा कि तृणमूल कांग्रेस ही उनके लिए एकमात्र सहारा है। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं को इस लड़ाई को आगे बढ़ाना चाहिए।

एफएसएसएआई की कार्रवाई : एवरेस्ट की हींग बिक्री पर रोक, चिकन-गरम मसाले में भी गड़बड़ी

मुंबई, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एवरेस्ट और लालजी गोधू ब्रांड के कम्पाउंडेड हींग की बिक्री पर रोक लगा दी है। जांच में दोनों कंपनियों के हींग के सैंपल तय खाद्य मानकों पर खरे नहीं उतरे। शिकायत के बाद शुरू हुई जांच में एवरेस्ट और लालजी गोधू के कम्पाउंडेड हींग में असली हींग की मात्रा निर्धारित सीमा से करीब 30 से 40 प्रतिशत तक कम पाई गई। मामला एक उपभोक्ता की शिकायत के बाद सामने आया। शिकायत में एक ब्रांड की हींग की गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद एफएसएसएआई ने बाजार में उपलब्ध प्रमुख हींग ब्रांड्स की जांच शुरू की। शुरुआती लैब रिपोर्ट में एवरेस्ट और लालजी गोधू के कम्पाउंडेड हींग के सैंपल मानकों से कम गुणवत्ता वाले पाए गए। इसके बाद मुंबई स्थित दोनों कंपनियों की सेंट्रल लाइसेंस वाली यूनिट्स से सैंपल लिए गए और उन्हें जांच के लिए भेजा गया।

राहुल गांधी ने उठाया दलितों के अपमान का मुद्दा

'खरगे के मंच का शुद्धिकरण करने वालों पर एफआईआर का आदेश दें पीएम मोदी'

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दलितों पर हिंसा का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भी हर जगह दलितों का अपमान हो रहा। कांग्रेस नेता ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वो हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इस मुद्दे पर जिस तरह का सलूक हुआ, इस पर एक्शन जरूर होना चाहिए। उन्होंने उत्तराखंड सरकार से मामले में कार्रवाई की मांग उठाई है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी से इस पर कार्रवाई की डिमांड की है।

देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई: राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। एक तरफ भारत का संविधान है- जो बीआर अंबेडकर, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल का संविधान है। दूसरी तरफ बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा है। भारत में अभी जो राजनीति हो रही है, वह इन्हीं दो विचारधाराओं के बीच है। राहुल गांधी ने कहा कि हजारों सालों से इस देश में दलितों पर अत्याचार और हिंसा होती रही है। संविधान ने इसे गैर-कानूनी बना दिया है, फिर भी आज भी स्कूलों में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ करवाए जाते हैं और फर्श पर झाड़ू-पोंछा लगवाया जाता है।

जरा सोचिए कि इसका आने वाली पीढ़ी के दिमाग पर क्या असर पड़ता है। बच्चे अपने कुछ साथियों को झाड़ू लगाते हुए देखते हैं, जबकि झाड़ू लगाने वाले उन साथियों को देखते हैं जिन्हें ऐसा नहीं करना पड़ता। यही भारत की सच्चाई है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि आज भी दलितों को गांव के कुएं से पानी पीने की इजाजत नहीं है। उन्हें अपने लिए निजी कुएं खोदने पड़े क्योंकि उन्हें गांव के आम कुएं का इस्तेमाल करने से रोका गया था। चाय की दुकानों पर आप दो तरह के कप देखते हैं: एक दोबारा इस्तेमाल होने वाला कांच का कप जिसे धोया जा सकता है, और दूसरा पेपर या प्लास्टिक का कप जिसे इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता है।

युवाओं के दम पर भारत बनेगा सुपरपावर : राजनाथ सिंह

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में युवाओं को राष्ट्र निर्माण का वाहक बनने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना होना चाहिए, जो न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों से प्रेरित होकर देश और समाज के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि आज भारत आर्थिक शक्ति के साथ अपनी सभ्यता, संस्कृति और सामर्थ्य पर विश्वास करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। 'मेक इन इंडिया' की सफलता के पीछे 'बिलीव इन इंडिया' की भावना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा देने के केंद्र नहीं होते, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और बेहतर समाज के निर्माण के केंद्र भी होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज मिलने वाली डिग्री उनकी मंजिल नहीं, बल्कि जीवन में नई संभावनाओं के द्वार खोलने का माध्यम है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा आत्म मंथन करे बार काउंसिल

मेंबर का सम्मान न मिलना लीगल प्रोफेशन के लिए सही नहीं

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा है कि अपने रोल और अपने कार्यों को लेकर बार काउंसिल को निश्चित रूप से आत्म मंथन करना चाहिए। जस्टिस नागरत्ना ने यह टिप्पणी हाल ही में हुए बार काउंसिल ऑफ इंडिया और हैदराबाद की नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के मामले में हुए विवाद के बीच की है। शनिवार को दिल्ली स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के 13वें कंवोकेशन में सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने इस बात पर जोर दिया कि संवैधानिक लोकतंत्र में बार की स्वतंत्रता आवश्यक है और वकीलों से आग्रह किया कि इसकी सुरक्षा करें। इस मौके पर उन्होंने केंद्र और राज्यों के बार काउंसिल से कहा कि वे अपनी पेशेवर नैतिकता और काबिलियत बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका और महत्त्व के बारे में आत्म मंथन करें। जस्टिस नागरत्ना ने कहा,'भारत में बार को मुकदमा लड़ने वाली जनता के लिए अपनी उपयोगिता,अपने लोकतंत्र की रक्षा और अदालतों की गरिमा बनाए रखने में अपनी भूमिका और न्याय और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी अनिवार्यता के बारे में फिर से सोचना चाहिए।'

'वकील देश के लोकतंत्र का सेफ्टी वॉल्व'

इतना ही नहीं, उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि बार की खामियां या गलती भारत के राजनीतिक और जन जीवन पर 'गहरा प्रभाव' डाल सकता है। वो बोलीं, 'इस देश के वकील हमारे संविधान के मूल्यों के मशाल वाहक हैं।' उन्होंने वकीलों को लोकतंत्र का 'सेफ्टी वॉल्व' बताया है और 'भरोसा कमाने' को कहा है।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट में नाम शामिल किए जाने का मामला

21 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सोनिया गांधी के मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका पर आदेश टाल दिया है।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। आरोप है कि सोनिया गांधी के भारतीय नागरिक बनने से पहले ही उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया था। शिकायतकर्ता विकास त्रिपाठी ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। उनकी याचिका को मजिस्ट्रेट की अदालत ने खारिज कर दिया था। इसके बाद विकास त्रिपाठी ने मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका लेकर सत्र न्यायालय का रुख किया था।

बीजेपी के तीन सांसदों ने सज्जन कुमार के परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

✻ **नितिन नवीन ने लगा दी कड़ी फटकार**

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली में अपनी ही पार्टी के तीन सांसदों को फटकार लगाई है। पूरा मामला सज्जन कुमार की शोक सभा में शामिल होने से जुड़ा है। बताया जा रहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगा मामलों में दोषी ठहराए गए कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार की मौत के बाद तीनों सांसद उनके परिजनों से मिलने और शोक जताने पहुंचे थे। इसमें बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने वहां सज्जन कुमार के परिजनों से शोक व्यक्त किया। इसी को लेकर सियासी बवाल शुरू हो गया। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी सांसदों के इस कदम पर कड़ी नाराजगी जताई है। बताया जा रहा कि बीजेपी के सांसदों ने वहां जाने की कोई जानकारी पार्टी को नहीं दी थी।

पार्टी नेतृत्व ने सांसदों के इस कदम को बेहद गंभीरता से लिया है। बीजेपी अध्यक्ष ने शनिवार को इन सांसदों को तलब किया और कड़ी फटकार लगाई। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में हुए सिख-विरोधी दंगों के मामले में सज्जन कुमार एक साथ दो उम्रकैद की सजा काट रहे थे। इसी दौरान सज्जन कुमार की मौत 20 अगस्त को हो गई। बीजेपी सांसदों के सज्जन कुमार के परिजनों से मिलने और शोक व्यक्त किए जाने पर वरिष्ठ वकील और एक्टिविस्ट एच.एस. फुल्का कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, मैं तीन बीजेपी सांसदों- कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया, के इस दौरे की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने सज्जन कुमार को मास मर्डरर यानी सामूहिक हत्यारा बताया।

हमें अपने पड़ोसियों के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए : खरगे

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। उन्होंने नेपाल में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी और नेपाल को मानवीय मदद भेजने की मांग की है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में खरगे ने कहा कि वह नेपाल में आई भीषण बाढ़ से बहुत चिंतित हैं, जिसमें बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और करीब दो हजार लोग अभी भी लापता हैं। हजारों लोग भोजन, दवा, आश्रय और अन्य जरूरी मदद के लिए परेशान हैं। खरगे ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि नेपाल सरकार के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित लोगों को पर्याप्त मानवीय और राहत सहायता सुनिश्चित की जाए।

सीएम योगी का सख्त रुख

जनता दर्शन में बोले– भू–माफिया पर कसेंगे नकेल, हर पीड़ित को मिलेगा त्वरित न्याय

गोरखपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव, हर व्यक्ति की समस्या का समाधान कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

रावण ने तो केवल एक बार रूप बदलकर दिया था धोखा

रक्षाबंधन पर आखिर क्या हुआ कि भड़क उठे अखिलेश यादव

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं के लिए घोषित मुफ्त बस यात्रा व्यवस्था को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार का दावा जमीन पर पूरी तरह सफल नहीं दिखा और कई जगह महिलाओं को बसों की कमी, सीट न मिलने तथा बसों के निर्धारित स्थानों पर नहीं रुकने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे बहनों के साथ धोखा करार दिया।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए प्रयागराज समेत प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में सामने आई समस्याओं का जिक्र किया। वीडियो में एक बस डिपो के आसपास कीचड़ और यात्रियों की परेशानियों को दिखाया गया है। सपा प्रमुख का दावा है कि रक्षाबंधन के दिन कई महिलाओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से बसें उपलब्ध न होने, सीटें न मिलने

और यात्रा में दिक्कतों की शिकायत की। उन्होंने सरकार से व्यवस्था पर सवाल उठाए। उत्तर प्रदेश सरकार ने रक्षाबंधन पर महिलाओं की यात्रा को आसान बनाने के उद्देश्य से 27 अगस्त की आधी रात से आधी रात तक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिलाओं और उनके साथ एक सहयात्री को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने की घोषणा की थी। सरकार की ओर से परिवहन विभाग, पुलिस और स्थानीय प्रशासन को यात्रियों की सुविधा तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए थे। विपक्ष ने बाद में इस व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए।

'दशानन से भी बड़े झूठे' कहकर बीजेपी पर साधा निशाना

सपा प्रमुख ने अपने हमले में पौराणिक संदर्भ का इस्तेमाल करते हुए बीजेपी पर बड़ा राजनीतिक वार किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह बीजेपी ने अपनी बहनों को धोखा दिया है, वैसा धोखा रावण ने भी अपनी बहनों को नहीं दिया था। अखिलेश ने बीजेपी और उसके सहयोगियों को 'दशानन से भी बड़ा झूठा' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार बड़े दावे करती है, लेकिन आम लोगों को कई बार उन घोषणाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

'बे-बस बहन' कहकर फिर कसा तंज

एक अन्य पोस्ट में अखिलेश यादव ने 'बस' और 'बे-बस' शब्दों के जरिए सरकार की मुफ्त यात्रा योजना पर तंज कसा। उन्होंने लिखा कि रक्षाबंधन पर मुफ्त बस यात्रा का वादा किया गया, लेकिन कई जगह यात्रियों को बसों की कमी का सामना करना पड़ा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी चाहे जितने दावे करे, जनता अब उसकी बातों को समझ चुकी है। इस मुद्दे को लेकर रक्षाबंधन के बाद प्रदेश की राजनीति में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी तेज हो गई है।

घर में सो रहे युवक को तेंदुआ उठा ले गया जंगल में मिली लाश

मुरादाबाद, 29 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद में तेंदुए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। घर में सो रहे एक युवक को तेंदुआ ने अटैक कर दिया। गर्दन से दबोचकर जंगल में घसीट ले गया। शनिवार सुबह युवक का शव गांव के बाहर जंगल में पड़ा मिला। उसकी गर्दन और सीने पर गंभीर चोट के निशान थे। इसी गांव में 3 दिन पहले भी खेत में निराई कर रही एक महिला पर तेंदुए ने हमला किया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। पिछले 25 दिनों में क्षेत्र में तेंदुए के हमलों में चार लोगों की मौत हो चुकी है। गांव वालों का आरोप है कि लगातार हमलों के बाद भी तेंदुओं को पकड़ने के लिए कार्रवाई नहीं हो रही है। घटना ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र बहापुर बलिया गांव की है वह मिनी मेट्रो चलाकर किसी तरह दोनों बच्चों का इसलिए उसने दोनों बच्चों को अंदर सुलाया और खुद झोंपड़ी के गेट पर सोया था। उसका मकसद यही था कि किसी अनहोनी की स्थिति में बच्चे सुरक्षित रहें। तेंदुआ झोंपड़ी के अंदर पहुंचा। वहां सो रहे जगराज को गर्दन से दबोच लिया।

बिहार सरकार ने बाढ़ प्रभावित नेपाल में फँसे महाराष्ट्र के 100 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला

पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद काठमांडू में फँसे महाराष्ट्र के लगभग 100 तीर्थयात्रियों को बिहार सरकार ने सुरक्षित निकाला और ट्रेन से उनके गृह राज्य वापस भेजा। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि यह बचाव कार्य महाराष्ट्र सरकार के अनुरोध पर किया गया। बयान में कहा गया, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर, सीतामढ़ी ज़िला प्रशासन ने तीर्थयात्रियों को नेपाल सीमा से सुरक्षित सीतामढ़ी पहुँचाया। यह बचाव कार्य मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल की देखरेख में किया गया।सीतामढ़ी ज़िला प्रशासन ने तीर्थयात्रियों के लिए भोजन, पीने के पानी और अन्य ज़रूरी सुविधाओं का इंतज़ाम किया।यह स्पष्ट नहीं था कि महाराष्ट्र के तीर्थयात्री पशुपतिनाथ मंदिर या हिमालयी देश के अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए नेपाल गए थे। बयान में कहा गया, उन्हें शनिवार तड़के लगभग 2:30 बजे पटना लाया गय

। और एक कम्युनिटी हॉल में ठहराया गया, जहाँ उन्हें भोजन, मेडिकल जाँच और अन्य ज़रूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। इसमें कहा गया कि बिहार के मुख्य सचिव और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन के बीच समन्वय के बाद, तीर्थयात्रियों के लिए पटना-पूर्णा एक्सप्रेस में दो अतिरिक्त कोच जोड़े गए। एक अधिकारी ने बताया कि तीर्थयात्री शनिवार सुबह लगभग 7:30 बजे ट्रेन से महाराष्ट्र के लिए रवाना हुए।उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों ने अपनी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई, संवेदनशीलता और समन्वित प्रयासों के लिए बिहार के मुख्यमंत्री और सीतामढ़ी व पटना ज़िला प्रशासन का धन्यवाद किया।उन्होंने कहा कि कुछ तीर्थयात्रियों ने संबंधित रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों को राखियाँ भी बांधीं।

रक्षाबंधन मनाने गईं भाजपा मंडल मंत्री पीछे से चोरों ने घर खंगाला लाखों की चोरी

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भाजपा मंडल मंत्री विमलेश शर्मा के बंद घर में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। विमलेश शर्मा अपनी मां और परिवार के साथ रक्षाबंधन मनाने मौसी के घर गई थीं। इसी दौरान देर रात चोरों ने उनके घर के मेन गेट और कमरे का ताला तोड़ दिया। चोरों ने घर के अंदर रखी अलमारी और बक्से खंगाले और उसमें रखे लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर फरार हो गए।

सुबह पड़ोसी ने घर का ताला टूटा देखा तो विमलेश शर्मा को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वह घर पहुंचीं और पुलिस के साथ भाजपा के स्थानीय नेताओं को भी चोरी की जानकारी दी। घटना की सूचना पर पुलिस, फॉरेंसिक टीम, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉयड मौके पर पहुंचा। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। फिलहाल चोरों की तलाश और मामले की जांच जारी है।

अंकित बालियान हत्याकांड पर अखिलेश का परिवार को भरोसा

बोले- आज नहीं तो कल इंसाफ होगा, 2 नए सीसीटीवी में कैद पूरी वारदात

शामली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के बाद मामला अब सियासी रंग भी लेने लगा है। कैराना से सपा सांसद इकरा हसन और आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान इकरा हसन ने अंकित के पिता सत्यवीर सिंह फौजी की समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से फोन पर बात कराई। अखिलेश यादव ने परिवार को इंसाफ की लड़ाई में साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि लोकप्रिय युवा गायक स्व।

अंकित बालियान के दुखी पिता से बात करके हमने उन्हें ये आश्वासन दिया कि इंसाफ़ की इस लड़ाई में हम हर कदम पर उनके साथ हैं। रक्षाबंधन के ठीक पहले जिन बहनों ने अपना भाई खोया है और माता-पिता ने पुत्र उनका दुख अपार है। बालियान समाज भी अपने उभरते हुए सितारे को खोकर जितना व्यथित है, उसका वर्णन नहीं किया जा सकता है। इस हत्याकांड में उप्र की भाजपा सरकार और उनके ठंडे पड़े सहयोगियों की निष्क्रियता और पक्षपातपूर्ण रवैये से पूरी तरह हताश संपूर्ण बालियान समाज के लोगों को हम विश्वास दिलाते हैं कि उनके साथ अन्याय नहीं होने देंगे। हमारे जन-प्रतिनिधि लगातार शोक-संतप्त परिजनों के संपर्क में रहकर उन्हें हर तरह की मदद करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। आज नहीं तो कल इंसाफ़ होगा, जब बदलाव होगा। इकरा हसन ने परिवार से मुलाकात के दौरान कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर चौथे दिन तक हत्याकांड का खुलासा नहीं हुआ तो पार्टी धरना देगी।

कब्रिस्तान पहुंचे तो शव था कब्र से बाहर और सिर गायब, मचा हड़कंप; जांच में जुटी पुलिस

सीतापुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने सभी को चौंका दिया है। यहां पर दिल दहला देने वाली वारदात एक कब्र को खोदकर शव को बाहर निकाला गया और उसका सिर धड़ से अलग कर ले जाया गया। इस घटना का पता चलने पर परिवार और पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। दरअसल किसी शव के परिवार को इस घटना के बारे में सूचना दी जिसके बाद उसके परिवार वाले ग्रामीणों के साथ कब्रिस्तान पहुंचे तो शव कब्र से बाहर पाया और सिर गायब था।

इस घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर एसडीएम सिधौली व मानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। इस घटना में जिस व्यक्ति का शव कब्र से बाहर निकाला गया उसको लेकर उसके परिवार वालों ने बताया कि मानपुर थाना क्षेत्र के जगजीवनपुर के रहने वाले नम्मा की करीब दो महीने पहले टीबी की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। परिवार वालों ने रीति रिवाज के अनुसार नम्मा का शव कब्रिस्तान में दफनाया था।

यूपी में एच1एन1 इनफ्लुएंजा को लेकर अलर्ट ब्रजेश पाठक ने की समीक्षा बैठक

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एच1एन1 इन्फ्लुएंजा और सीजनल फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। शनिवार सुबह डिप्टी सीएम और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ भवन कार्यालय में अधिकारियों के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर बैठक की और जरूरी दिशा निर्देश जारी किए। इन मामलों को लेकर ब्रजेश पाठक ने अफसरों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने आज सुबह लखनऊ में स्वास्थ्य भवन में बैठक की, जिसमें चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, प्रदेश के सभी जनपदों के सीएमओ, सीएमस एवं मेडिकल कॉलेजों प्रधानाचार्य के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए समीक्षा बैठक की। जिसमें सभी अधिकारियों को एच1एन1 इन्फ्लुएंजा को लेकर अहम दिशा निर्दश दिए गए। ब्रजेश पाठक ने डॉक्टरों से कहा कि विशेष सतर्कता बरती जाए और अगर कही भी कोई केस आए तो उसे सही से ट्रैक किया जाए और जांच कराई जाए।

इसके साथ ही डिप्टी सीएम ने पैथोलॉजी मालिकों को भी सख्त आदेश दिया और कहा कि जाँच के लिए तय शुल्क से ज़्यादा पैसा नहीं वसूला जाएगा। अगर वसूली हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश में एच1एन1 जो एक तरह का वायरल बुखार है उसे लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक लखनऊ के स्वास्थ्य महानिदेशालय में चल रही है। इसमें उत्तर प्रदेश में बुखार के मरीजों में जो अचानक वृद्धि हुई है, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश और लखनऊ में, उन सभी मरीजों की पहचान करने और उनको दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर खास ध्यान दिया जा रहा है।

झांसी में एक–एक मंजिल घर डूबे

प्रयागराज में मंदिर ढहा: चित्रकूट में मंदाकिनी उफनाई, घरों का सामान बहा; 10 शहरों में बारिश, 47 में अलर्ट

वाराणसी/लखनऊ (एजेंसियां)। यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां

उफान पर हैं। 16 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। झांसी के टोडी फतेहपुर में भारी बारिश के बाद पथराई नदी में बाढ़ आ गई। यहां बस स्टैंड जलमग्न हो गया। घरों-दुकानों में 8 फीट तक पानी भर गया। लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। प्रयागराज के जार्जटाउन इलाके में तीन मंजिला स्वामीनारायण मंदिर भरभराकर ढह गया।

चित्रकूट में सती अनुसूइया आश्रम के पास मंदाकिनी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। आश्रम की रेलिंग और आसपास के घरों का सामान बह गया। महोबा में सीहो नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी पर बने पुल डूब गए हैं। हमीरपुर में चंद्रावल नदी का पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है। इधर, शनिवार सुबह 5 बजे से कानपुर, फतेहपुर, कौशांबी समेत 10 शहरों में रिमझिम बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज 47 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है।

कई शहरों में तेज हवाएं भी चल सकती हैं। कहीं-कहीं बिजली गिरने की भी चेतावनी है। इससे पहले कल शुक्रवार को लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी समेत 66 शहरों में बारिश हुई।

झांसी की बेतवा नदी में नहाने गए 21 साल के लड़के को मगरमच्छ गहरे पानी में खींच ले गया। कानपुर में घर का आंगन 25 फीट धंस गया। गड्ढे में लड़की गिर गई, 7 घंटे तक चले रेस्क्यू के बाद उसका शव निकाला गया।

नेपाल से हमारा बेटी-रोटी का संबंध

हर तरह का सहयोग कर रहा भारत: रामकृपाल यादव

पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार में सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने नेपाल त्रासदी, मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा और महिला आरक्षण परिसीमन पर प्रतिक्रिया दी। आईएएनएस से बातचीत करते हुए नेपाल त्रासदी को लेकर रामकृपाल यादव ने कहा, बाढ़ की विभीषिका से नेपाल त्रस्त हो गया है, जान-माल की बहुत क्षति हुई है। शायद इतनी बड़ी क्षति कभी नहीं हुई होगी। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से नेपाल के पीएम से बातचीत की गई है। भारत की ओर से हर तरह से सहयोग के लिए आश्वासन दिया गया है।

नेपाल हमारा मित्र देश है और हमारा उससे बेटी-रोटी का संबंध है। पहले से ही भारत हमेशा नेपाल को सहयोग करता रहा है। कई खेप राहत-सामग्री चली गई है। न्यूयॉर्क में संघ प्रमुख के कार्यक्रम को लेकर रामकृपाल यादव ने कहा, आरएसएस प्रमुख का अमेरिका में होने वाला कार्यक्रम स्वागत योग्य है। बंगाल में दुर्गा पूजा पंडालों के पास मांस की बिक्री पर रोक लगाने की वीएचपी की मांग पर रामकृपाल यादव ने कहा, देखिए, वहां की सरकार ने सद्भाव और सांप्रदायिक भाईचारे का माहौल बनाया है। ममता दीदी के शासनकाल में बंगाल में जो अराजकता थी, उसे अब खत्म कर दिया गया है और मुख्यमंत्री 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ काम कर रही हैं।

इसलिए, दुर्गा पूजा पूरे देश के लिए, खासकर सनातनियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अगर सरकार ने सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए कानून के तहत किसी चीज़ पर रोक लगाई है, तो यह स्वागत योग्य है। महिलाओं के आरक्षण और परिसीमन को लेकर रामकृपाल यादव ने कहा, परिसीमन और महिलाओं का आरक्षण सरकार की प्रतिबद्धताएं हैं। प्रधानमंत्री ने देश की जनता से वादा किया है और उन्हें जनादेश भी मिला है। सरकार अपने वादे के मुताबिक इन दोनों को लागू करना चाहती है।

नेपाल की भीषण त्रासदी में पूर्वी चंपारण के एक ही परिवार के 5 लोग लापता, गांव में पसरा मातम

मोतिहारी, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में भीषण त्रासदी के बाद बिहार के पूर्वी चंपारण में भी मातम छाया है। आदापुर के लाला छपरा गांव के बुधन शाह का परिवार अभी तक लापता है। फिलहाल, परिजन नेपाल में फंसे अपने परिवार के सदस्यों की सलामती की खबर का इंतजार कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, लाला छपरा गांव निवासी बुधन शाह का परिवार पिछले करीब चार वर्षों से नेपाल में रहकर कबाड़ खरीदने और मजदूरी का काम करता था। हादसे के दौरान बुधन शाह और उनके दो बेटे सुरक्षित बताए जा रहे हैं, लेकिन मकान में मौजूद उनकी पत्नी मानती देवी, तीन बेटियां संध्या, आशा और रूपा और दो वर्षीय नातिन आयुषी बाढ़ के तेज बहाव में बहकर लापता हो गईं।

बताया जा रहा है कि संध्या अपनी दो वर्षीय बच्ची आयुषी के साथ अपनी मां से मिलने पहुंची थीं। इसी दौरान नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने तबाही मचा दी और परिवार के पांच सदस्य तेज पानी की चपेट में आकर लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही लाला छपरा गांव में परिजनों और ग्रामीणों के बीच चिंता और मातम का माहौल है। नेपाल के आपदा प्रभावित इलाकों में नेटवर्क और इंटरनेट सेवा बाधित होने के कारण परिजनों का संपर्क भी टूट गया है। इससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है।

22,000 करोड़ बनाम 6.5 करोड़ पर लालू यादव की बेटी का सवाल ?

रोहिणी आचार्य ने पूछा आम आदमी के लिए भी यही नियम है क्या ?

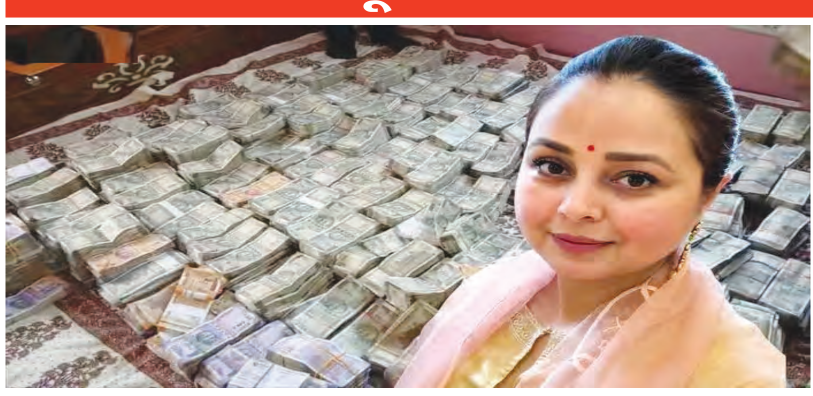

पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सिंगापुर में मौजूद लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य लगातार सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मामलों पर अपनी टिप्पणी करती हैं। रोहिणी आचार्य ने हाल में 22 हजार करोड़ रुपये के लोन माफी पर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि कर्ज़दार बड़ा हो तो राहत बड़ी, आम आदमी हो तो कार्रवाई। यही है मोदी सरकार के 'अच्छे दिनों' की सच्चाई। उन्होंने कहा कि 22,006 करोड़ के कर्ज के दावे के सामने महज़ 6.5 करोड़ के भुगतान का निर्णय, यह समाधान कम मोदी सरकार के दोहरे मापदंड, दोहरी नीति का परिचायक है। रोहिणी ने आगे कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मेरा सीधा सवाल है कि हजारों करोड़ों के कर्ज़ पर इतनी बड़ी राहत का औचित्य- मकसद क्या है? क्या हमारे देश में नियम आम आदमी के लिए अलग और सत्ताधारी खेमे के पूंजीपति मित्रों के लिए अलग हैं? प्रधानमंत्री जी। जनता की छोटी सी देनदारी, चंद हजार रूपयों की देनदारी, पर अनावश्यक सख्ती, मगर बड़े कर्ज़दारों पर जरूरत से ज्यादा नरमी, क्या यही आपके 'अच्छे दिनों' के वादे की हकीकत है? रोहिणी आचार्य ने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री जी। देश आपसे जानना चाहता है कि 22,000 करोड़ बनाम 6.5 करोड़, आंकड़ों एवं कर्ज के इस अंतर का बोझ आखिर किसके हिस्से जाने वाला है? ध्यान रहे कि जी मीडिया ग्रुप की फाउंडर और एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा को पर्सनल इनसॉल्वेंसी के मामले में बड़ी राहत मिली है। बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने उन पर 22,000 करोड़ रुपये से अधिक का दावा किया था लेकिन अब उन्हें केवल 6.5 करोड़ रुपये चुकाने होंगे।

इस मामले पर डॉ। सुभाष चंद्रा की ओर से सफाई भी आई है। इसके अलावा इस पर सोशल मीडिया पर तूफान मचा हुआ है। इसी बीच रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखकर ये सवाल किया है। उन्होंने आम आदमी के कर्ज और उसकी माफी से जुड़ा सवाल उठाया है। रोहिणी आचार्य का पोस्ट वायरल हो रहा है। लोग उस पर तरह- तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यूजर्स ने लिखा है कि विपक्ष कहां है? केवल ट्वीट करने से जिम्मेदारी खत्म हो जाती है क्या? विपक्षी पार्टियां आंदोलन क्यों नहीं कर रही?

कांग्रेस करने जा रही पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन

राहुल गांधी से न मिल पाने की खीज इंदिरा भवन बनेगा अखाड़ा

पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। देश की तमाम बड़ी पार्टियां अगले साल होने वाली विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाने में जुटी है। साल 2027 में दिल्ली का रास्ता कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश में भी चुनाव होने हैं, ऐसे में राजनीतिक दल अभी से ही अपनी रणनीतियों को अमलीजामा पहनाने में जुटे हैं। वहीं, कांग्रेस के अंदरखाने से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जो पार्टी के हित में तो बिल्कुल नहीं है। उत्तर प्रदेश के पड़ोसी राज्य बिहार के कांग्रेस नेताओं ने अपने ही लीडरशिप के खिलाफ धरना देने का ऐलान किया है। बिहार के कांग्रेस नेताओं ने अगले महीने सितंबर में दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन के सामने धरना देने की घोषणा की है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में जबसे कांग्रेस की दुर्गति हुई है, पार्टी यूनिट में असंतोष लगातार बढ़ रहा है। अब हालात इतने विस्फोटक हो चुके हैं कि पार्टी नेता अपने ही टॉप लीडरशिप के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने पर उतारू हैं। बिहार कांग्रेस के नेता प्रदेश प्रभारी महासचिव कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं।

साथ ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात का समय नहीं मिलने को लेकर भी नाराजगी जताई जा रही है। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महज 6 सीटों पर सिमट गई थी। इसके बाद से ही प्रदेश पार्टी नेतृत्व के खिलाफ असंतोष बढ़ने लगा था। बिहार के असंतुष्ट कांग्रेस नेताओं का कहना है कि टॉप लीडरशिप ने उनकी डिमांड पर ध्यान देने की बात कही थी, लेकिन जमीन पर अभी तक कुछ नहीं हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार कांग्रेस में विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद अब पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। प्रदेश कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता 8 सितंबर को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन के बाहर धरना और प्रदर्शन करने की तैयारी में हैं।

सुविचार: मौत सभी को आती है। लेकिन जब इंसान खुद की नज़रों से गिर जाए, तो असल मौत वो होती है।

पुलिस व्यवस्था को चलाने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण की जरूरत : डीजीपी

कानूनी प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने का आह्वान

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना पुलिस को प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा-संचालित पुलिसिंग को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाकर अपराध के बढ़ते स्वरूप से आगे रहना होगा। बंजारा हिल्स स्थित एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए आनंद ने सभी इकाइयों को क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) और इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के प्रभावी कार्यान्वयन और नियमित अद्यतन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने राष्ट्रीय पुलिसिंग पोर्टलों पर तेलंगाना के प्रदर्शन के अलावा, एनसीएल, ई-साक्ष्य, ई-फोरेंसिक्स और आईसीजेएस एकीकरण के कार्यान्वयन की समीक्षा की। अधिकारियों को प्रौद्योगिकी-आधारित अनुप्रयोगों का अधिक उपयोग करने और डिजिटल पुलिसिंग प्रणालियों को लगातार अपडेट करने के लिए कहा गया। डीजीपी ने अदालती मामलों के प्रबंधन पर अधिक ध्यान देने और कानूनी प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जांच, अदालती प्रक्रियाओं और कानूनी पहलुओं में नियमित प्रशिक्षण पुलिस के कामकाज का अभिन्न अंग होना चाहिए। जिला और शहर प्रशिक्षण केंद्रों, पुलिस प्रशिक्षण कॉलेजों, बटालियनों और पुलिस अकादमी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उभरती पुलिसिंग चुनौतियों के लिए प्रासंगिक बने रहें। इस अवसर पर, विभिन्न अपराध मापदंडों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली इकाइयों के कर्मियों को सम्मानित किया गया। क्लस्टर-I में हैदराबाद, क्लस्टर-II में रामागुंडम, क्लस्टर-III में नालगोंडा और क्लस्टर-IV में सूर्यापेट सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में उभरे। संबंधित टीमों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। डीजीपी ने आंतरिक कार्यकुशलता, निगरानी और सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार लाने के उद्देश्य से एआई-आधारित अनुप्रयोगों और अन्य प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचारों को विकसित करने के लिए युवा आईपीएस अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने उनसे इस तरह की और पहल करने का आग्रह किया। 2013 बैच और उससे ऊपर के आईपीएस अधिकारियों के लिए आयोजित नेतृत्व सत्र के दौरान, आनंद ने आगे बढ़कर नेतृत्व करने, ईमानदारी और टीम भावना पर जोर दिया। बैठक में कानून एवं संचालन महानिदेशक महेश भागवत, जेल महानिदेशक सौम्या मिश्रा, आरबीवीआरआर पुलिस अकादमी निदेशक अभिलाषा बिष्ट, साइबर सुरक्षा ब्यूरो निदेशक शिखा गोयल, महिला सुरक्षा विंग महानिदेशक चारू सिन्हा, ईगल निदेशक संदीप शांडिल्य, पुलिस आयुक्त, जिला एसपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मैराथन के कारण यातायात मार्ग परिवर्तन हो सकता है आज

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद रनर्स मैराथन के मद्देनजर, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस रविवार (30 अगस्त) को सुबह 4.30 बजे से 9.30 बजे तक यातायात में बदलाव करेगी। मैराथन नेकलेस रोड पर पीपुल्स प्लाजा से शुरू होगी और टैंक बंड, खैरताबाद, सोमाजीगुडा, पंजागुट्टा, जुबली हिल्स, रोड नंबर 45 और दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज से गुजरते हुए जीएमसी बालयोगी स्टेडियम, गाचीबोवली में समाप्त होगी। मैराथन की आवाजाही के आधार पर, नल्लागुट्टा, वीवी प्रतिमा, केसीपी, तेलंगाना थल्ली फ्लाईओवर, अंबेडकर प्रतिमा, चिल्ड्रन्स पार्क, कवादिगुडा एक्स रोड, ग्रीनलैंड्स जंक्शन, एनएफसीएल जंक्शन, एनटीआर भवन और जर्नलिस्ट कॉलोनी सहित कई प्रमुख जंक्शनों पर यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। साइबराबाद से रोड नंबर 45 और केबल ब्रिज की ओर जाने वाले यातायात पर भी प्रतिबंध रहेगा, वाहनों को जुबली हिल्स में वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ा जाएगा।

सीईओ का अधिकारियों को नोटिस वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश

विशेष गहन संशोधन (एसआईआर)-2026 की समीक्षा

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वासम वेंकटेश्वर रेड्डी और उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी.एस. चारी के साथ शनिवार को जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर)-2026 की समीक्षा की। बैठक के दौरान, सीईओ ने एसआईआर-2026 के तहत दावों और आपत्तियों, नोटिसों की डिलीवरी और सुनवाई के संचालन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और चुनाव अधिकारियों को कई निर्देश जारी किए। सुदर्शन रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक नोटिस बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) द्वारा संबंधित मतदाता को व्यक्तिगत रूप से दिया जाए और इसकी उचित पावती प्राप्त की जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्धारित सात दिन की सूचना अवधि का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। बीएलओ को यह भी निर्देश दिया गया कि वे मतदाताओं को सुनवाई की तारीख, समय और स्थान के बारे में कम से कम दो दिन पहले सूचित करें। सीईओ ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जमा करने के लिए आवश्यक निर्धारित दस्तावेजों के संबंध में व्यापक प्रचार किया जाए। उन्होंने सभी जिलों के डीईओ के साथ नोटिस वितरण की प्रगति, सुनवाई के कार्यक्रम तैयार करने और एईआरओ तथा अतिरिक्त एईआरओ के बीच मामलों के वितरण की भी समीक्षा की।

नर्सरी के छात्र की पिटाई के मामले में टीचर और स्कूल मैनेजमेंट पर केस दर्ज

आदिलाबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ शहर में एक छात्र को शारीरिक दंड देने के आरोप में एक प्राइवेट स्कूल के टीचर और मैनेजमेंट के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि माता-पिता की शिकायत के आधार पर, कुचलापुर गांव के नर्सरी के छात्र को बेरहमी से पीटने के लिए वेदम स्कूल के टीचर और मैनेजमेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गुरुवार को संबंधित टीचर छात्र को डंडे से बेरहमी से पीटते, थप्पड़ मारते और मारते-पीटते हुए आठ मिनट तक दिखाई दीं। उनकी इस बेरहम हरकत को सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड किया गया। उन्होंने बच्चे के कान भी मरोड़े। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घटना का एक वीडियो क्लिप वायरल हो गया, जिसके बाद शिक्षा विभाग ने घटना की जांच शुरू कर दी। बच्चे के माता-पिता ने शारीरिक दंड देने के लिए टीचर के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने स्कूल मैनेजमेंट से बहस भी की। उन्होंने टीचर से माफी की मांग की और चाहते थे कि शिक्षा अधिकारी संस्थान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। वे चाहते थे कि अधिकारी स्कूल की मान्यता रद्द कर दें। अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही घटना की जांच करके डीईओ को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। हालांकि, इस घटना ने माता-पिता के मन में प्राइवेट स्कूल के टीचरों में संवेदनशीलता की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की है।

पड़ोसी के पालतू कुत्ते को मारने के आरोप में रिटायर्ड आर्मी जवान पर केस दर्ज

खम्मम, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के मुडिगोंडा मंडल के मुथाराम गाँव में एक रिटायर्ड आर्मी जवान पर एयर गन से पड़ोसी के पालतू कुत्ते को मारने का आरोप लगा है और उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी जवान राउथु जनैया, जो लगभग 30 साल पहले सेवा से रिटायर हुए थे, ने गुरुवार को अपने घर के सामने खेल रहे पालतू कुत्ते को गोली मार दी। घटना को देखने वाले एक स्थानीय व्यक्ति ने एक लोकल व्हाट्सएप ग्रुप पर इस बारे में मैसेज पोस्ट किया।

कुत्ते के मालिक गुंजा रामू को जब घटना के बारे में पता चला, तो उन्होंने स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत के आधार पर, एएसआई श्रीनिवास राव ने शुक्रवार को केस दर्ज किया और पुलिस इंस्पेक्टर मुरली के निर्देश पर घटना की जांच शुरू की।

स्थानीय लोगों ने रिटायर्ड जवान की इस हरकत पर गुस्सा ज़ाहिर किया कि उन्होंने गुस्से में आकर एक बेज़ुबान जानवर को मार डाला, क्योंकि पालतू कुत्ता भटककर उनके घर में चला गया था। लोगों का आरोप है कि इससे पहले भी दो बंदरों की मौत बिजली के तारों की वजह से हुई थी, जिन्हें जनैया ने अपने घर के बगीचे से बंदरों को दूर रखने के लिए लगाया था।

धावकों ने हैदराबाद मैराथन को समावेशिता के उत्सव में बदला

पहली बार आयोजित समावेशी दौड़ में 300 दिव्यांग प्रतिभागी

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक निजी बैंक द्वारा प्रायोजित 15वें एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन 2026 के तहत शनिवार को एचआईटीएक्स में आयोजित 5 किलोमीटर की दौड़ और पहली बार आयोजित समावेशी दौड़ में 300 दिव्यांग प्रतिभागियों सहित 6,500 से अधिक धावकों ने भाग लिया। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त एम रमेश और साइबराबाद नगर आयुक्त जी श्रीजना ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। व्हीलचेयर पर सवार प्रतिभागियों ने सबसे आगे दौड़ लगाई, उनके पीछे गैर सरकारी संगठनों और चैरिटी समूहों के प्रतिभागी और नियमित 5 किलोमीटर धावक थे। दोनों अधिकारियों ने भी प्रतिभागियों का साथ दिया और रास्ते भर दिव्यांग धावकों का हौसला बढ़ाया। इस समावेशी दौड़ में व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं, दृष्टिबाधित धावकों, दिव्यांगजनों और बौने प्रतिभागियों ने भाग लिया। दल में तेलंगाना और बेंगलुरु की व्हीलचेयर क्रिकेट टीमों के 37 व्हीलचेयर धावक और हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई के प्रतिभागी शामिल थे। प्रतिभागियों में पुणे के दृष्टिबाधित कॉर्पोरेट वक्ता, मनोवैज्ञानिक और विकलांगता अधिकार अधिवक्ता दिव्यांशु गनात्रा भी शामिल थे, जो माउंट किलिमंजारो पर चढ़ने वाले पहले नेत्रहीन भारतीय बने।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर की सुनवाई की समीक्षा की

अधिकारियों को नागरिक-हितैषी प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी.कर्णन ने शनिवार को नारायणगुडा स्थित वेंकटेश्वर कम्युनिटी हॉल में खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र के थाना संख्या 2 और 12 में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नोटिसों की सुनवाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने एसआईआर नोटिसों की सुनवाई के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा की और ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ, पर्यवेक्षकों और इस प्रक्रिया में लगे अन्य चुनाव कर्मचारियों से बातचीत की। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे सुनिश्चित करें कि सभी मामलों को व्यवस्थित और नागरिक हितैषी तरीके से निपटाया जाए। उन्होंने ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और दावों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करें और सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग के निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करें। दस्तावेजों को जमा करने और सत्यापन के संबंध में नागरिकों को स्पष्ट जानकारी प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया कि पात्र मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कर्मचारियों को सुनवाई का उचित रिकॉर्ड रखने, आवेदनों की सावधानीपूर्वक जांच करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। कर्णन ने एसआईआर प्रक्रिया को सुचारू और प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ और पर्यवेक्षकों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर भी बल दिया।

महाप्रबंधक ने वारंगल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सिकंदराबाद-काजीपेट खंड के रात्रिकालीन फुट-प्लेट निरीक्षण के बाद शनिवार को वारंगल रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने 28-29 अगस्त की रात को सिकंदराबाद से काजीपेट तक ट्रेन संख्या 12745 सिकंदराबाद - मनुगुरु एक्सप्रेस के इंजन में यात्रा की।

उन्होंने सिग्नल दृश्यता, ओवरहेड ट्रैक्शन, ट्रैक की स्थिति, सेक्शनल कॉशन ऑर्डर और ट्रेन की गति की समीक्षा की। उन्होंने लोको पायलटों, ट्रेन प्रबंधकों और मार्ग में मौजूद रेलवे कर्मचारियों की सिग्नल आदान-प्रदान और परिचालन सुरक्षा बनाए रखने में सतर्कता का भी आकलन किया। वारंगल में, श्रीवास्तव ने 25.41 करोड़ रुपये की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्निर्मित स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्नत स्टेशन में 12 मीटर का फुटओवर ब्रिज, बेहतर मुखौटा और प्रवेश द्वार, उन्नत प्रतीक्षा कक्ष, प्लेटफार्म कवर, लिफ्ट और एस्केलेटर जैसी सुविधाएं हैं। उन्होंने स्टेशन के आवागमन क्षेत्र, प्लेटफार्मों, प्रतीक्षा कक्षों, स्वच्छता और यात्री सुविधाओं के रखरखाव की समीक्षा की, साथ ही स्टेशन के आगे के विकास योजनाओं का भी जायजा लिया। स्थानीय जन प्रतिनिधियों और हितधारकों ने भी महाप्रबंधक से मुलाकात की और अपनी बात रखी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MIRZA HASINA, LEGALLY WEDDED SPOUSE SUB MIRZA SATAR RAJAK, R/O: SHINDGI (KHURD), SHAVERGAON (THOT), AHMEDPUR, LATUR, MAHARASHTRA – 413515 HAS CHANGED MY NAME FROM MIRZA HASINA TO MIRZA HASINA SATAR and MY Date of Birth is 01-02-1988 VIDE AFFIDAVIT DT. 25-08-2026

I, SUB MIRZA SATAR RAJAK, R/O: SHINDGI (KHURD), SHAVERGAON (THOT), AHMEDPUR, LATUR, MAHARASHTRA – 413515 HAS CHANGED MY SON'S NAME FROM MIRZA SHOHRAB TO MIRZA SHOHRAB SATAR VIDE AFFIDAVIT DT. 25-08-2026

I, SUB MIRZA SATAR RAJAK, R/O: SHINDGI (KHURD), SHAVERGAON (THOT), AHMEDPUR, LATUR, MAHARASHTRA – 413515 HAS CHANGED MY SON'S NAME FROM MIRZA SHOAIB TO MIRZA SHOAIB SATAR VIDE AFFIDAVIT DT. 25-08-2026

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भद्राचलम में फ़ूड सेफ्टी जांच, 30 किलो असुरक्षित सामान ज़ब्त

कोत्तागुडेम, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के भद्राचलम शहर के बाज़ार इलाके में फ़ूड सेफ्टी अधिकारियों ने कई किराना दुकानों, जनरल स्टोर और खाने-पीने की दुकानों पर अचानक जांच की।

ज़िला फ़ूड सेफ्टी अधिकारी ई. शरथ और उनके स्टाफ़ ने लगभग 15 दुकानों की जांच की। खराब क्वालिटी वाले शक के दायरे में आने वाले खाने-पीने के सामान के सैंपल लिए गए और उन्हें लैब टेस्टिंग के लिए भेजा गया। नियमों का पालन न करने वाले और खाने लायक न पाए गए लगभग 30 किलोग्राम खाने-पीने के सामान की पहचान की गई और उसे नष्ट कर दिया गया।

अधिकारियों ने सभी फ़ूड बिज़नेस ऑपरेटरों को सलाह दी कि वे अनिवार्य रूप से एफएसएसएआई फ़ूड लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन लें। शरथ ने कहा कि पूरे ज़िले में फ़ूड सेफ्टी जांच जारी रहेगी और चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। याद दिला दें कि हाल ही में खम्मम ज़िले के मुडिगोंडा मंडल के वेंकटपुरम गांव में फ़ूड सेफ्टी अधिकारियों ने जानवरों की चर्बी और हड्डियों से कथित तौर पर बनाए गए लगभग 150 लीटर तेल को ज़ब्त किया था।

पंचायत सचिव श्रावंती और सरपंच कंडुला बालचंदर की शिकायत के बाद, शरथ और उनके स्टाफ़ ने आरोपी शेख सरवर जानी और उसके भाई अनवर जानी के घर पर छापा मारा। वे गायों को मारकर उनकी चर्बी और हड्डियों से तेल बना रहे थे।

मक्का पैक्ट में बांग्लादेश और ईरान आए तो क्या होगा असर?

इतालवी एक्सपर्ट ने बताए भारत के लिए खतरा

तेल अवीव/रियाद, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच 7 अगस्त को 'मक्का समझौता' किया गया था। अब बांग्लादेश ने खुलकर इस डिफेंस पैक्ट में शामिल होने की इच्छा जताई है जबकि मिस्र और ईरान को इसमें शामिल करने की कोशिशें की जा रही हैं। बांग्लादेश तैयार है जबकि मिस्र का कहना है कि वह इस संभावना पर विचार कर रहा है और ईरान जो शायद सबसे अहम संभावित सदस्य हो सकता है उसे लेखर अभी अलग-अलग तरह की खबरें आ रही हैं।

ईरान की संसद के मीडिया अधिकारी ने कहा कि तेहरान को न्योता मिला था लेकिन बाद में विदेश मंत्रालय ने कहा कि कोई आधिकारिक न्योता नहीं भेजा गया था। इजरायली अखबर जेरुशलम पोस्ट में इतालवी जियो पॉलिटिकल एक्सपर्ट जॉर्जिया वैलेंते ने लिखा है कि यह अनिश्चितता इसलिए अहम है क्योंकि सदस्यों की संख्या बढ़ने से यह तय हो सकता है कि क्या 7 अगस्त का समझौता तीन बड़ी मुस्लिम ताकतों को जोड़ने वाली तीन-पक्षीय सुरक्षा व्यवस्था ही बना रहेगा या फिर यह और बड़ा

मक्का समझौते में ईरान, बांग्लादेश को लाने की तैयारी

रूप ले लेगा जो पूर्वी भूमध्य सागर से लेकर खाड़ी होते हुए हिंद महासागर और दक्षिण एशिया तक फैल जाएगा। तुर्की, सऊदी और पाकिस्तान की सरकारों ने ने बार-बार कहा है कि यह समझौता रक्षात्मक है और किसी खास देश के खिलाफ नहीं है लेकिन हम सब जानते हैं कि ये सिर्फ कूटनीतिक भाषा है। तुर्की और पाकिस्तान के अधिकारियों ने यह भी साफ किया है कि इस ढांचे में दूसरे देश भी शामिल हो सकते हैं। समझौते पर हस्ताक्षर करते समय एर्दोगन ने कहा था कि जो देश क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहते हैं वे इसमें शामिल हो सकते हैं। बाद में तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने इन तीनों मौजूदा सदस्यों को एक ऐसे ढांचे का मुख्य हिस्सा बताया जिसका और विस्तार हो सकता है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के रिसर्च स्कॉलर मोहम्मद अली जफ़र ने कहा है कि इस समझौते का महत्व सिर्फ इस बात तक सीमित नहीं है कि यह आगे चलकर नाटो के सैन्य ढांचे जैसा बनेगा या नहीं।

जफर ने 'द मीडिया लाइन' को बताया 'मक्का समझौते के तहत मुस्लिम देशों के लिए नाटो जैसी व्यवस्था बनाने का विचार उन देशों के बीच तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अपनी सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना चाहते हैं और बाहरी हमले का मिलकर जवाब देने के लिए एक साथ आना चाहते हैं।'

अगर 'मक्का पैक्ट' के तहत ईरान और बांग्लादेश एक साथ आते हैं तो हिंद महासागर से लेकर लाल सागर तक भारत की समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक हितों और व्यापारिक रास्तों पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। लाल सागर का मुहाना यानी 'बाब-अल-मंडेब' जलडमरूमध्य पहले से ही यमन के हूती विद्रोहियों के कारण अशांत रहता है। अगर ईरान इस क्षेत्र में आधिकारिक तौर पर एक मजबूत ब्लॉक का हिस्सा बनता है तो स्वेज नहर के रास्ते होने वाले भारत के 80% यूरोपीय व्यापार पर सीधा खतरा मंडरा सकता है। इसके अलावा बांग्लादेश भारत का एक बेहद महत्वपूर्ण पड़ोसी है जो बंगाल की खाड़ीके मुहाने पर स्थित है। यदि बांग्लादेश भारत विरोधी या चीन-ईरान समर्थित किसी गुट में शामिल होता है तो भारत का पूर्वी समुद्री तट (जिसमें विशाखापट्टनम और अंडमान-निकोबार जैसे रणनीतिक नौसैनिक अड्डे शामिल हैं) सीधे रडार पर आ जाएगा। ऐसे में भारत के लिए सबसे बड़ी सैन्य चुनौती यह होगी कि उसे एक ही समय में दो अलग-अलग मोर्चों पर भारी सुरक्षा तैनात करनी होगी।

नेपाल के अस्पताल लाशों से पटे

शव रखने को बनाने पड़ रहे अस्थायी मुर्दाघर, बहकर भारत तक आई लाशें

काठमांडू, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बुधवार को आई भीषण बाढ़ के बाद नेपाल अब इससे उबरने के लिए जूझ रहा है। एक तरफ मलबे से लाशें निकालना मुश्किल काम बना हुआ है तो वहीं शवों की पहचान कर परिजनों को सौंपना सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। नेपाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लाशें रखने को मुर्दाघरों में जगह नहीं हैं और दूसरी तरफ रोते-बिलखते लोग अपनों की तस्वीरें हाथों में लिए उनको ढूंढ़ रहे हैं। नेपाल से बहकर लाशें भारत तक आ गई हैं, जिससे पता चलता है कि त्रासदी किस स्तर पर हुई है। शुक्रवार शाम 4 बजे तक चितवन में 233 शव मिल चुके थे लेकिन उनमें से सिर्फ 82 के लिए ही तस्वीरें और रिकॉर्ड तैयार किए गए थे। ये दिखाता है कि मध्य नेपाल की नदियों के किनारे खोज और बचाव का काम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है।

वैसे ही अधिकारियों के सामने ये संकट खड़ा हो गया है कि शवों की पहचान कैसे की जाए, उन्हें कहां रखा जाए और आखिरकार उन्हें कैसे सौंपा जाए।

खुद 200 साल कोयला जलाया और अब हमें ज्ञान

लंदन में सीजेआई सूर्यकांत ने पश्चिमी देशों को सुना दिया

लंदन, 29 अगस्त (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्य कांत ने कॉमनवेल्थ देशों से कहा कि यह गलत है कि जिन औद्योगिक देशों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में दो सदियां लगीं वे अब औद्योगीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहे देशों से कुछ ही दशकों में रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) की ओर बढ़ने के लिए कह रहे हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस दौरान पश्चिमी देशों को भारत को ज्ञान देने के लिए सुना दिया।

लंदन में कॉमनवेल्थ सचिवालय में बोलते हुए सीजेआई कांत ने कहा 'जो देश अब औद्योगीकरण की ओर बढ़ रहे हैं उनसे तेजी से रिन्यूएबल एनर्जी की ओर बढ़ने के लिए कहा जा रहा है और जब वे उतनी तेजी से आगे नहीं बढ़ पाते तो अक्सर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ता है। इसके उलट जो देश इस बदलाव के लिए जोर दे रहे हैं उन्होंने खुद को मजबूत बनाने में दो सदियां कोयले और तेल पर निर्भर रहकर बिताई हैं।' सीजेआई सूर्यकांत ने आगे कहा 'क्लाइमेट जस्टिस पर पॉलिसी डायलॉग' के लिए 56 देशों के साझा मंच को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि कॉमनवेल्थ देशों का स्वच्छ ऊर्जा की ओर सामूहिक बदलाव कॉपर,

कोबाल्ट और लिथियम पर निर्भर करता है और इनके खनन के पर्यावरणीय और सामाजिक परिणाम होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे विकासशील देशों को अवास्तविक गति से स्वच्छ ऊर्जा की ओर धकेलने से समाधान के बजाय और अधिक चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

जस्टिस कांत ने कहा 'इसलिए चुनौती यह है कि स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव की तात्कालिकता और निष्पक्षता और साझा जिम्मेदारी के सिद्धांतों के बीच संतुलन बनाया जाए जो इस प्रक्रिया का आधार होने चाहिए।' उन्होंने कहा कि भारत के सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ने पर्यावरण, पारिस्थितिकी और लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने जाम्बिया के हाई कोर्ट का उदाहरण दिया, जिसने पानी को प्रदूषित करने के लिए एक कॉपर माइनिंग कंपनी को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ देश एक-दूसरे के अनुभवों से सीखकर स्वच्छ ऊर्जा की ओर आसान बदलाव की कोशिशों को मजबूत कर सकते हैं ताकि उनकी आबादी को भारी कीमत न चुकानी पड़े।

उन्होंने कहा 'हमें हर उस देश में अलग कानूनी शब्दावली विकसित करने की जरूरत नहीं है जहां जलवायु से जुड़ा कोई मामला कोर्ट में पहुंचता है। इसके बजाय कोर्ट को कॉमनवेल्थ में कहीं और उपयोगी साबित हुए विचारों, तरीकों और समाधानों को अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए साथ ही उन्हें अपने संवैधानिक, सामाजिक और पर्यावरणीय हालात के अनुसार सावधानीपूर्वक ढालना चाहिए।' सीजेआई कांत ने कहा 'कोर्ट को ऐसे समाधान खोजने के लिए तैयार रहना चाहिए जो विकास की जायज जरूरतों को नजरअंदाज किए बिना पर्यावरण की रक्षा करें और यह समझना चाहिए कि इन दोनों को हमेशा ऐसे विकल्पों के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए जिनमें एक को दूसरे पर जीत हासिल करनी हो।'

नेपाल में सैलाब के बीच खड़ा रहा घर

अंदर मौजूद तीनों लोग सुरक्षित, पानी के बहाव और मलबे से आस-पास के मकान टूटे

काठमांडू, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बीच तेज बहाव के बावजूद एक घर खड़ा रहा। आसपास का इलाका डूब गया, इमारतें और मलबा बहते नजर आए। घर की बालकनी में 3 लोग खड़े दिखे, जो तबाही के बीच भी शांत नजर आए।

वीडियो में कीचड़ भरा पानी डरावनी रफ्तार से बहता दिख रहा है। हालांकि, यह वीडियो नेपाल में कहां का है, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ में 633 लोगों की मौत हुई है और करीब 2500 लोग लापता या संपर्क से बाहर हैं। इनमें 320 भारतीय भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, चीन की ओर करीब 400 भारतीय फंसे हैं और सभी सुरक्षित हैं। भारत उन्हें वापस लाने के लिए चीनी अधिकारियों के संपर्क में है। वहीं 153 भारतीय चीन से सुरक्षित नेपाल पहुंच चुके हैं।

गलवान हमले का आदेश देने वाला चीनी जनरल बर्खास्त

जिनपिंग क्या संदेश दे रहे?

बीजिंग, 29 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने जनरल झाओ जोंगकी को देश की शीर्ष राजनीतिक सलाहकार संस्था से हटा दिया है। झाओ ने 2017 के डोकलाम गतिरोध और 2020 में भारत के साथ गलवान घाटी झड़प के दौरान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के वेस्टर्न थिएटर कमांड की कमान संभाली थी। बाद में यह खबर आई थी कि झाओ ने 'भारत को सबक सिखाने' के लिए गलवान ऑपरेशन को मंजूरी दी थी। आपको बता दें कि पीएलए का वेस्टर्न कमांड ही तिब्बत और शिनजियांग में और भारत के साथ चीन की सीमा के बड़े हिस्से पर चीनी सैन्य अभियानों को नियंत्रित करता है। इसके अलावा झाओ की 'चाइनीज पीपल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस' (सीपीपीसीसी) की सदस्यता भी छीन ली गई और उन्हें दो अन्य

पदों से भी हटा दिया गया। हालांकि बीजिंग ने न तो झाओ को हटाने की वजह बताई और न ही उनके खिलाफ किसी जांच का ऐलान किया है। झाओ को हटाए जाने के बाद ऐसी अटकलें तेज हो गई हैं कि वह पीएलए में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे बड़े पैमाने पर सफाए की चपेट में आने वाले सबसे नए सीनियर मिलिट्री अधिकारी हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक झाओ को तब हटाया गया जब शी जिनपिंग के चीन ने अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के शक में जांच के बाद दो अन्य सीनियर जनरलों झांग यूक्सिया और लियू झेनली को स्टेट सेंट्रल मिलिट्री कमीशन से हटा दिया।

शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान जिसे एक्सपर्ट्स विरोधियों का सफाया अभियान भी कहते हैं उसके तहत 2012 से अब तक कई सीनियर अधिकारियों की जांच हुई है उन्हें हटाया गया है या बाहर निकाला गया है। जब 2017 में डोकलाम में चीनी और भारतीय सेनाओं का 72 दिनों तक आमना-सामना हुआ था तब झाओ वेस्टर्न थिएटर की कमान संभाल रहे थे। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में शुरू हुए गतिरोध के समय भी वे ही इंचार्ज थे जो अगले महीने गलवान में हुई जानलेवा झड़प पर जाकर खत्म हुआ। 2020 में अमेरिकी खुफिया जानकारी के आधार पर बताया था कि झाओ ने 'भारत को सबक सिखाने' के लिए गलवान ऑपरेशन को मंजूरी दी थी।

गलवान झड़प में भारत के बीस सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे। चीन ने आधिकारिक तौर पर पीएलए के चार सैनिकों की मौत की बात मानी थी हालांकि बाद की जांच में मामले को छिपाने की बात सामने आई और अनुमान लगाया गया कि कम से कम 38 चीनी सैनिक मारे गए थे।

ट्रक ने 3 युवकों को कुचला, मौत

बिलासपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 3 युवकों को टक्कर मार दी। तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद ट्रक बाइक को 30 फीट तक घसीटता रहा। बाइक बुरी तरह डैमेज हो गई और तीनों के शव सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक समेत मौके से फरार हो गया।

घटना तखतपुर थाना क्षेत्र के जूनापारा पुलिस चौकी के पास की है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। जूनापारा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक बाइक को कुछ दूर तक घसीटता हुआ ले गया। हादसे में तीनों युवकों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर आवाजाही बंद रही। सूचना मिलते ही जूनापारा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने भीड़ हटाकर यातायात व्यवस्था बहाल कराई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया। मृतकों के पास तत्काल पहचान से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले हैं। पुलिस आसपास के गांवों में संपर्क कर मृतकों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

ओरछा में भाजपा की चुनावी तैयारी

संगठन विस्तार, मजबूती और आगामी रणनीति पर होगा मंथन

इंदौर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी चुनावों को लेकर भाजपा कमर कसली है। चुनाव मद्देनजर संगठन का विस्तार, मजबूती ओर चुनाव के लिए पार्टी के कर्णधारों में उत्साह फूंकने पर खास फोकस बना हुआ है। ओरछा में बीजेपी कार्यसमिति की आज से दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। बैठक में पार्टी के दिग्गजों की छाया में संगठन और चुनावी रणनीति पर मंथन होगा। बैठक को लेकर जोरदार तैयारियां की गई है।

राजनीति के हिसाब से आने वाले दो साल मध्यप्रदेश के लिए अहम साबित होने वाले हैं। इन दरम्यान नगर निगम, पंचायत और इसके बाद विधानसभा चुनाव होना है। भाजपा चुनावी मोड में आ गई है। संगठन को मजबूती ओर चुनावी रणनीति गढ़ने के लिए रामराजा की नगरी ओरछा मेंआज रविवार से सोमवार तक दो दिनों तक प्रदेश कार्यसमिति बैठक होने जा रही है। खास बात यह है कि प्रदेश अध्यक्ष पद पर ताजपोशी होने के बाद हेमंत खंडेलवाल की अगुआई में पहली कार्यसमिति की बैठक होने जा रही है। लिहाजा इस बैठक कोसंगठनात्मक लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर मंथन होगा। साथ ही बूथ सशक्तिकरण, संगठन विस्तार, प्रशिक्षण और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय भी तय की जाएगी।

बैठक में प्रदेश पार्टी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, दोनों डिप्टी सीएम, राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवड़ा,प्रदेश सरकार के मंत्री, सभी सांसद-विधायक, जिला अध्यक्ष, संभाग प्रभारी और मोर्चा अध्यक्षों सहित 300 से ज्यादा नेता शरीक होगे।बैठक में कार्यसमिति के नियमित और विशेष आमंत्रित सदस्य भी भागीदारी दर्ज करवाएंगे।

बीजेपी से जुड़े जानकारों के अनुसार इस बार भाजपा का फोकस युवाओं पर भी खास बना हुआ है। बैठक में युवाओं से संवाद के नए तरीकों और कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी।

नेपाल बाढ़ में बैंक का लॉकर बहा, 57 लाख रुपये लूटे

सेफ तोड़कर कैश निकालने के आरोप में 29 हिरासत में

काठमांडू, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में भीषण बाढ़ के दौरान भोटेकोशी इलाके से एक बैंक का लॉकर बहकर कई किलोमीटर दूर पहुंच गया। बाद में धादिंग में मिले इस लॉकर को तोड़कर उसमें रखी नकदी निकालने के आरोप में पुलिस ने 29 लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस के मुताबिक लॉकर बाढ़ में बहने के बाद बेलखुखोला के पास मिला था। पुलिस को सूचना मिली थी कि स्थानीय लोगों ने लॉकर तोड़कर उसके अंदर रखा कैश निकाल लिया है। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

शुरुआती तलाशी में पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों के पास से 92.68 लाख नेपाली रुपए यानी करीब 57 लाख रुपए बरामद किए।

पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए ज्यादातर लोग गलछी-4 के मस्तार के रहने वाले हैं। कुछ गलछी-6 के आदमघाट और सिद्धलेक-7 के आदमतार के रहने वाले हैं।

वहीं कुछ लोग मूल रूप से चितवन और परसा के हैं और फिलहाल धादिंग में रह रहे हैं। सभी की उम्र 19 से 49 साल के बीच है।

पुलिस अब बरामद रकम के स्रोत की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामले में और लोग शामिल हैं या नहीं। इसी दौरान नेपाल में बाढ़ से जुड़ी एक और चोरी का मामला सामने आया। नारायणी नदी में बाढ़ के पानी के साथ बहकर आए एक महिला के शव से सोने की बालियां निकालने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई की। वीडियो में दो लोग बाढ़ में बहकर आए महिला के शव से कथित तौर पर सोने की बालियां निकालते दिखाई दे रहे हैं।

चीनी युवा नहीं पैदा कर रहे बच्चे

फिर गिरी देश की जन्म दर, तेजी से बूढ़ा हो रहा देश, टेंशन में शी जिनपिंग

बीजिंग, 29 अगस्त (एजेंसियां)। चीन में जन्मदर में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। नेशनल हेल्थ कमीशन की ओर से शुक्रवार को साल 2025 का आधिकारिक बुलेटिन जारी किया गया। इसमें सामने आया है कि 2025 में चीन में 79.2 लाख (7.92 मिलियन) बच्चों का जन्म हुआ।

चीन के लिए यह इसलिए बड़ा झटका है क्योंकि एक साल की बढ़ोतरी के बाद जन्म दर में गिरावट देखी गई है। चीन की शी जिनपिंग सरकार लगातार जन्मदर बढ़ाने के लिए कई तरह के प्रोग्राम चला रही है लेकिन इसका जमीन पर असर नहीं दिख रहा है।

चाइना डेली के मुताबिक, साल 2025 के आखिर में देश की आबादी 140.489 करोड़ (1.40489 अरब) थी। जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर 5.63 रही, जबकि 1.131 करोड़ (11.31 मिलियन) मौतें दर्ज की गईं। यह

प्रति 1,000 लोगों पर 8.04 की मृत्यु दर के बराबर है। पिछले साल जनसंख्या वृद्धि की प्राकृतिक दर गिरकर प्रति 1,000 लोगों पर -2.41 हो गई।

जनसंख्या के पुराने आंकड़ों से पता चलता है कि चीन में 2021 से 2024 के बीच सालाना जन्म हर वर्ष 1.062 करोड़, 95.6 लाख, 90.2 लाख और 95.4 लाख दर्ज किए गए थे। 2024 में प्रति 1,000 लोगों पर जन्म दर में 0.38 की सालाना बढ़ोतरी के बाद 2025 में यह दर फिर से गिर गई। पिछले साल जन्म के समय चीन का लिंगानुपात 111.5 था, यानी हर 100 लड़कियों के मुकाबले 111.5 लड़कों का जन्म हुआ।

साल 2025 के आखिर तक चीन में औसत जीवन प्रत्याशा 79.25 साल तक पहुंच गई है। मातृ मृत्यु दर गिरकर प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 13.4 हो गई, और शिशु मृत्यु दर घटकर प्रति 1,000 जन्मों पर 3.8 रह गई। 2025 में चीन का स्वास्थ्य खर्च 9.33 ट्रिलियन युआन (1.39 ट्रिलियन डॉलर) रहा, जो देश की जीडीपी का 6.7 प्रतिशत है।

सिंधु जलसंधि पर ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान

भारत का पलटवार, नहीं मिल रही राहत

इस्लामाबाद/नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने भारत को चेतावनी दी है कि वह सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को आवंटित पानी से उसे वंचित करने की कोई कोशिश न करे। इसके बाद भारत सरकार के एक वरिष्ठ सूत्र कहा है कि 'इस्लामाबाद भारतीय नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाना जारी रखते हुए पूरी तरह से और बिना किसी बदले के डेटा-शेयरिंग की उम्मीद नहीं कर सकता है।' यानि भारत ने साफ कर दिया है कि वो 'खून और पानी साथ नहीं बह सकते'

के स्टैंड पर कायम है।

'जल सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा आपस में जुड़े हुए हैं और पाकिस्तान भारतीय नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाना जारी रखते हुए भारत से पूरी तरह से और बिना किसी बदले की अपेक्षा के पालन और डेटा-शेयरिंग की उम्मीद नहीं कर सकता है।' इससे पहले इशाक डार ने ब्रिटेन में भी सिंधु जल का मुद्दा उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी।

भारतीय पक्ष का यह बयान तब आया जब डार ने दावा किया कि आईडब्ल्यूटी पूरी तरह से वैध, बाध्यकारी और लागू है और उन्होंने संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले को खारिज कर दिया। उन्होंने शुक्रवार को वाशिंगटन में एक सेमिनार में ये बातें कहीं थीं। डार ने कहा कि संधि के तहत पाकिस्तान को मिले पानी से उसे वंचित करने की किसी भी कोशिश के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर नतीजे होंगे। उन्होंने कहा कि 1960 में संधि पर हस्ताक्षर होने के बाद से सिंधु जल संधि को अब अपनी सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इशाक डार ने कहा 'यह संधि इसलिए कायम रही क्योंकि दोनों देशों को यह समझ थी कि जिन जल स्रोतों पर करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है वे इतने अहम हैं कि उन्हें राजनीतिक रिश्तों में उतार-चढ़ाव का शिकार नहीं बनाया जा सकता। लेकिन आज उस सिद्धांत के सामने सबसे बड़ी चुनौती खड़ी है।'

दुनिया में आज 12000 परमाणु बम, पाकिस्तान के न्यूक्लियर हमले का सबसे ज्यादा खतरा

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जब पूरी दुनिया में खुद को शक्तिशाली बनाने की होड़ है, उस दौर में मानवता पर संकट और गहरा हो जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, फिर इजरायल-हमास संघर्ष और इसके बाद अमेरिका-ईरान की लड़ाई, ये ऐसे उदाहरण हैं, जिनमें अनगिनत लोग बेमौत मारे गए। इसके बावजूद परिस्थितियां परमाणु युद्ध के मुहाने पर आकर खड़ी हो गईं, जो पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक थीं। भले परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं हुआ, लेकिन यह खतरा हमेशा के लिए टला नहीं है। परमाणु युद्ध आज भी दुनिया

को डराते हैं। इन चुनौतियों और चिंताओं के बीच हर साल 29 अगस्त को पूरी दुनिया परमाणु परीक्षण विरोधी दिवस मनाती है, ताकि परमाणु हथियारों के परीक्षण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

चीन में जन्मे कनाडा के चर्चित भूराजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ प्रोफेसर जिआंग शूकिन का तो कहना है कि इस समय पाकिस्तान के परमाणु हमला करने का खतरा सबसे ज्यादा है। कई सटीक भवष्यिवाणी करने वाले प्रोफेसर जियान ने एक पॉडकॉस्ट में पिछले दिनों कहा था कि भारत नहीं बल्कि पाकिस्तान पहले परमाणु बम का इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान बहुत कमजोर, असंगठित और भ्रष्ट राष्ट्र है जिसके पास परमाणु हथियार है।

बता दें कि आज के आधुनिक परमाणु हथियार कुछ ही मिनटों में पूरी पृथ्वी और मानव जीवन को पूरी तरह खत्म कर सकते हैं, जिस तरह अमेरिका के दो परमाणु बमों ने हिरोशिमा और नागासाकी शहरों को नष्ट कर दिया और एक झटके में लाखों लोग काल के गाल में समा चुके थे।

क्या कुंवारी लड़की तीज का व्रत रख सकती है?

इस साल कजरी तीज 31 अगस्त को मनाई जाएगी, जो कि भगवान शिव-माता पार्वती को समर्पित है. लेकिन क्या इस व्रत को कुंवारी लड़कियां भी रख सकती हैं? जानते हैं इसे लेकर धार्मिक मान्यताएं.

तीज का पर्व हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है. ये पर्व मुख्य रूप से भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है. धार्मिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या और व्रत किया था. यही वजह है कि तीज के व्रत को सुहाग, सुखी दांपत्य जीवन और मनचाहे जीवनसाथी की कामना से जोड़कर देखा जाता है।

साल में अलग-अलग तीज आती हैं, जिनमें हरियाली तीज, हरतालिका तीज और कजरी तीज प्रमुख हैं. आमतौर पर सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, सुखी वैवाहिक जीवन और अखंड सौभाग्य की कामना से तीज का व्रत रखती हैं. हालांकि, अविवाहित लड़कियों के लिए भी इस व्रत को लेकर धार्मिक मान्यताएं और कुछ अलग नियम बताए गए हैं।

क्या कुंवारी लड़की कजरी तीज का व्रत रख सकती है?

हां, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कुंवारी लड़कियां भी कजरी तीज का व्रत रख सकती हैं. अविवाहित कन्याएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा मनचाहा, योग्य और सुयोग्य जीवनसाथी पाने की कामना से करती हैं. मान्यता है कि कुंवारी लड़कियां सुंदर, शीलवान और योग्य वर की प्राप्ति के लिए ये व्रत रख सकती हैं।

कजरी तीज 2026

कजरी तीज 2026 में 31 अगस्त, सोमवार को मनाई जाएगी. यह पर्व हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है. कजरी तीज का व्रत मुख्य रूप से माता पार्वती और भगवान शिव को समर्पित है।

तृतीया तिथि शुरू: 30 अगस्त 2026 को सुबह 9:36 बजे

तृतीया तिथि समाप्त: 31 अगस्त 2026 को सुबह 8:50 बजे

कजरी तीज शुभ मुहूर्त

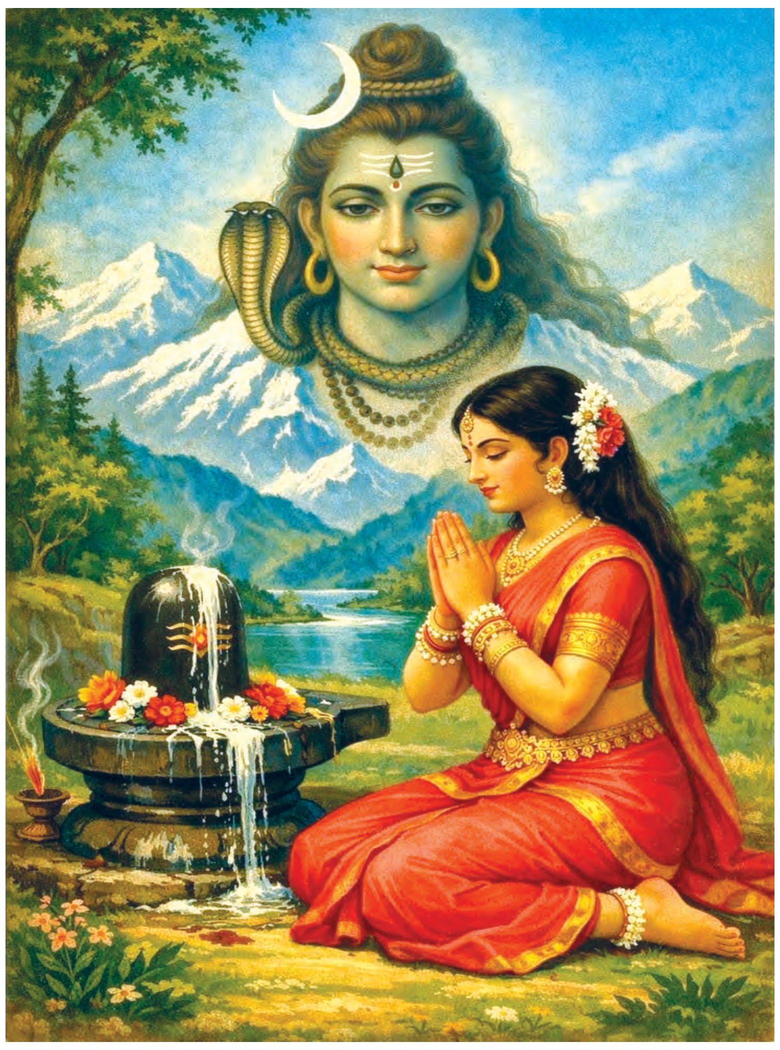

ब्रह्म मुहूर्त: सुबह 4:51 बजे से 5:37 बजे तक

अभिजित मुहूर्त: दोपहर 12:14 बजे से 1:04 बजे तक

संध्या काल मुहूर्त: शाम 6:54 बजे से रात 8:03 बजे तक

कुंवारी लड़कियों के लिए तीज का व्रत

अविवाहित लड़कियां अपनी इच्छा और सामर्थ्य के अनुसार कजरी तीज का व्रत रख सकती हैं. सुहागिन महिलाओं की तरह कुंवारी कन्याओं के लिए निर्जला यानी बिना पानी के व्रत रखना अनिवार्य नहीं माना जाता है. वो अपनी क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार फलाहार कर सकती हैं या अपने घर की परंपरा के मुताबिक व्रत रख सकती हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अविवाहित कन्याएं मनचाहे और योग्य जीवनसाथी की कामना से हरतालिका या हरियाली तीज का व्रत भी रख सकती हैं।

अविवाहितों के लिए कजरी तीज के नियम

सरगीः- व्रत शुरू करने से पहले सूर्योदय से पहले सरगी खाने की परंपरा कई जगहों पर है. हालांकि, कुंवारी लड़कियां अपनी क्षमता और घर की परंपरा के अनुसार इसका पालन कर सकती हैं।

व्रत का संकल्पः- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें. इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती के सामने मनचाहे और योग्य जीवनसाथी की कामना करते हुए व्रत का संकल्प लें।

शिव-पार्वती की पूजाः- माता पार्वती को फूल, फल और सुहाग की सामग्री अर्पित करें. भगवान शिव को जल और बेलपत्र चढ़ाएं।

नीमड़ी माता की पूजाः- शाम के समय भगवान शिव-पार्वती के साथ नीम की टहनी यानी नीमड़ी माता की पूजा करने की परंपरा भी कई जगहों पर है।

व्रत का तरीकाः- कुंवारी लड़कियों के लिए निर्जला व्रत रखना अनिवार्य नहीं माना जाता. वो अपनी क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार फलाहार कर सकती हैं या परिवार में चली आ रही परंपरा के अनुसार व्रत रख सकती हैं।

कथा और मंत्रः- दिनभर शिव-पार्वती की आराधना करें, कजरी तीज की कथा सुनें और 'ॐ गौरी शंकराय नमः' मंत्र का जाप करें.

चंद्रमा को अर्घ्यः- रात में चंद्रमा के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करने की परंपरा है।

सत्तू का महत्वः- कजरी तीज को कई जगहों पर सातूड़ी तीज भी कहा जाता है. इसलिए चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद सत्तू खाकर व्रत खोलने की परंपरा भी प्रचलित है।

वास्तु में क्यों मना है सेकंड हैंड चीजें घर लाना?

वास्तु शास्त्र में घर के सामान को लेकर कई तरह की मान्यताएं बताई गई हैं. सेकंड हैंड यानी पहले से इस्तेमाल की गई चीजें घर लाने को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है.

आज के समय में लोग पैसे बचाने के लिए फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावट का सामान और दूसरी कई चीजें सेकंड हैंड खरीदते हैं. कई बार अच्छी हालत में सामान कम कीमत पर मिल जाता है, इसलिए लोग इसे खरीदने से परहेज नहीं करते. हालांकि, वास्तु शास्त्र में इस्तेमाल की हुई चीजों को घर में लाने को लेकर कुछ सावधानियां बताई गई हैं. वास्तु की मान्यताओं के अनुसार, हर वस्तु अपने आसपास के वातावरण से जुड़ी ऊर्जा को ग्रहण करती है. ऐसे में किसी दूसरे व्यक्ति के घर में लंबे समय तक इस्तेमाल की गई चीज को अपने घर लाने पर उससे जुड़ी पुरानी ऊर्जा भी साथ आने की बात कही जाती है. अगर वह ऊर्जा नकारात्मक हो तो घर के माहौल पर उसका असर पड़ सकता है।

पुराने सामान के साथ आती है पुरानी ऊर्जा?

वास्तु मान्यता में घर को सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र बनाए रखने पर जोर दिया जाता है. इसी वजह से घर में आने वाली वस्तुओं को लेकर भी सावधानी बरतने की बात कही जाती है. मान्यता है कि किसी व्यक्ति के घर में इस्तेमाल की गई वस्तु वहां के वातावरण, परिस्थितियों और लोगों की ऊर्जा को लंबे समय तक ग्रहण कर सकती है. जब वही सामान दूसरे घर में पहुंचता है तो उसके साथ उस जगह की ऊर्जा भी साथ में आ सकती है. इसी वजह से वास्तु में सेकंड हैंड सामान को सीधे घर में रखने के बजाय पहले उसकी अच्छी तरह सफाई और शुद्धि करने की सलाह देते हैं।

सेकंड हैंड सामान घर लाएं तो सबसे पहले क्या करें?

अगर किसी जरूरत या मजबूरी के कारण पुरानी चीज खरीदकर घर ला रहे हैं तो उसे तुरंत घर के मेन हिस्से में रखने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें. खासकर अगर वह फर्नीचर, गद्दा, सोफा या कोई ऐसी चीज हो जो लंबे समय तक इस्तेमाल की जाती हो. वास्तु के अनुसार, सामान की शुद्धि के लिए गंगाजल का छिड़काव किया जा सकता है. कई लोग धूप या कपूर दिखाकर भी सामानों की शुद्धि करते हैं. ऐसा करने के पीछे मान्यता है कि इससे पुरानी नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

पूजा-पाठ के बाद घर में रखें पुरानी चीज

वास्तु और धार्मिक मान्यताओं को मानने वाले लोग सेकंड हैंड सामान घर में लाने के बाद भगवान का याद और पूजा करने की सलाह देते हैं. सामान पर गंगाजल छिड़कने के बाद धूप-दीप दिखाया जा सकता है. अगर वस्तु का इस्तेमाल पूजा स्थल या किसी धार्मिक काम में किया जाना है तो उसकी साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए. बिना साफ किए किसी दूसरे व्यक्ति के घर में इस्तेमाल हुई वस्तु को सीधे पूजा स्थान पर रखना उचित नहीं माना जाता।

किन चीजों को खरीदते समय ज्यादा सावधानी रखें?

सेकंड हैंड फर्नीचर खरीदते समय खास सावधानी बरतनी चाहिए. बेड, गद्दा, सोफा, कुर्सी और अलमारी जैसी चीजें लंबे समय तक किसी व्यक्ति के घर में रहती हैं. वास्तु मान्यता के अनुसार ऐसी वस्तुओं में पुराने वातावरण की ऊर्जा अधिक समय तक बनी रह सकती है. इसलिए सेकंड हैंड सामान खरीदने को लेकर डरने की जरूरत नहीं है. बस उसे घर में रखने से पहले साफ-सफाई और शुद्धि करना बेहतर माना जाता है।

जब हमारे विचार और प्रयास वर्तमान के लिए समर्पित होंगे, तब हमारा भविष्य सुखद बनेगा

वर्तमान में अपनी योजनाओं को साकार करना चाहिए। अपनी पूरी एकाग्रता वर्तमान पर केंद्रित करें। अपनी ऊर्जा, शक्ति, सामर्थ्य और अनुभव का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सटीक और शुभ संकल्प बनाएं। जब आपके विचार और प्रयास वर्तमान के प्रति समर्पित होंगे, तब आपका आज ही सुखद भविष्य की नींव बनेगा। याद रखें, भविष्य की सफलता और विजय वर्तमान में किए गए कर्मों का परिणाम है। इसलिए भविष्य की चिंता करने के बजाय आज को बेहतर बनाने का प्रयास करें। वर्तमान का हर क्षण अनमोल है; इसका सदुपयोग ही जीवन में सफलता, संतोष और समृद्धि का रास्ता बनाना है।

हरतालिका तीज की चौकी पर क्यों लगाया जाता है फुलेरा?

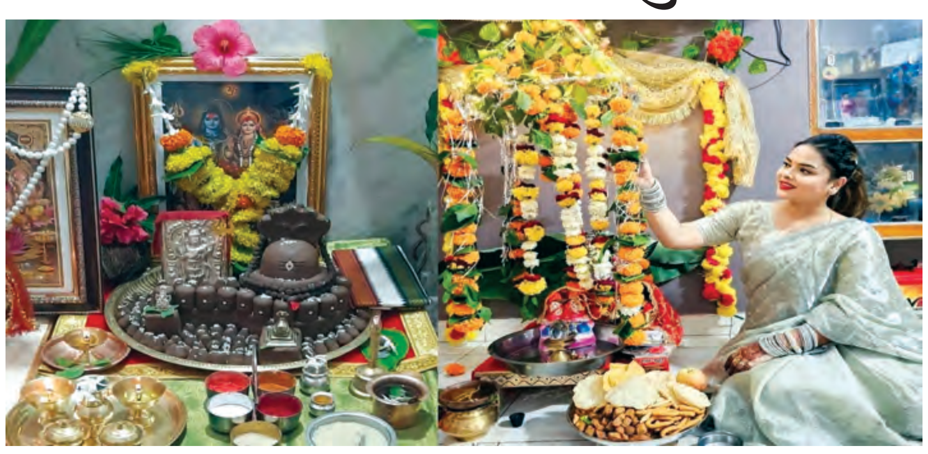

हरतालिका तीज की पूजा में फुलेरा लगाने की परंपरा बेहद खास मानी जाती है। फूलों और पत्तियों से तैयार यह मंडप केवल पूजा स्थल की सजावट नहीं, बल्कि शिव-पार्वती के विवाह और मां पार्वती की कठिन वन तपस्या का प्रतीक माना जाता है। हरतालिका तीज की पूजा में फुलेरा क्यों है इतना खास?

हरतालिका तीज का नाम आते ही भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना, निर्जला व्रत और रातभर होने वाली पूजा की तस्वीर सामने आती है। लेकिन इस पूजा से जुड़ी एक ऐसी परंपरा भी है, जिसके पीछे खास धार्मिक मान्यता बताई जाती है।

यह है पूजा की चौकी के ऊपर लगाया जाने वाला फुलेरा। फूलों, पत्तियों और कई तरह की प्राकृतिक वनस्पतियों से तैयार किया गया यह मंडप देखने में बेहद सुंदर होता है। मान्यता है कि फुलेरा के बिना हरतालिका तीज की पूजा को पूर्ण नहीं माना जाता। आखिर इसे क्यों लगाया जाता है और इसका शिव-पार्वती से क्या संबंध है, आइए जानते हैं।

क्या होता है फुलेरा?

फुलेरा को फूलों और पत्तियों से तैयार किया जाता है। यह एक तरह का प्राकृतिक छत्र या मंडप होता है, जिसे बालू या मिट्टी से बनाए गए पार्थिव शिवलिंग के ठीक ऊपर लगाया जाता है। सनातन धर्म में इसे महादेव और देवी पार्वती के विवाह मंडप और उनकी दिव्य छत्रछाया का प्रतीक माना जाता है।

महादेव की पांच पुत्रियों से जुड़ी मान्यता

फुलेरे से नीचे की तरफ लटकने वाली फूलों की लड़ियों को भगवान शिव की पांच पुत्रियों जया, विषहरा, शामिलबारी, देव और दोतली का प्रतिनिधि माना जाता है। मान्यता है कि फुलेरे के नीचे बैठकर पूजा करने और इसके दर्शन करने से दांपत्य जीवन में चल रहे मतभेद दूर हो सकते हैं। इसके साथ ही विवाहितों को संतान सुख की प्राप्ति की भी धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है।

खास फूलों से बनता है

फुलेरा तैयार करने में सामान्य सजावटी फूलों के बजाय प्रकृति में सहज रूप से मिलने वाली कई विशेष वनस्पतियों का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें चिलबिनिया, नवकंचनी, सागौर, हनुमंत सिंदूरी, धतूरे का फूल, मदार, बिंजोरी, रांग पुष्प और मौसत पुष्प शामिल होते हैं। इसे तैयार करने में करीब 4 से 5 घंटे का समय लग सकता है और इसकी लंबाई लगभग 7 फुट बताई गई है।

पत्तियों का भी महत्व

फुलेरे में नवबेलपत्र, लज्जावती यानी छुईमुई, शिल भिटई, शिवताई, हिमरितुली, चरबेर, झानरपत्ती, त्तिलपत्ती और सात प्रकार की शमी पत्तियों का भी इस्तेमाल किया जाता है। इन प्राकृतिक फूलों और पत्तियों को माता पार्वती की वन साधना से जोड़कर देखा जाता है।

पार्वती की तपस्या की याद

पौराणिक मान्यता के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए वन में कठोर तपस्या की थी। इसी दौरान उन्होंने रेत से शिवलिंग बनाकर प्राकृतिक फूलों और वनस्पतियों से उसकी पूजा की थी। फुलेरा को उसी वन पूजा और सादगीपूर्ण साधना का प्रतीक माना जाता है।

पुराणों में भी मिलता है उल्लेख

हरतालिका व्रत की विधि से जुड़े वर्णनों में प्राकृतिक फूलों और पत्तियों से पूजा स्थल सजाने की परंपरा का उल्लेख मिलता है। भविष्योत्तर पुराण और सदियों पुरानी ग्रामीण परंपराओं में भी मिट्टी के विग्रह के ऊपर प्राकृतिक पत्तों और फूलों से मंडप बनाने की परंपरा बताई गई है।

यही वजह है कि हरतालिका तीज पर फुलेरा को केवल सजावट नहीं, बल्कि शिव-पार्वती की आराधना और माता पार्वती की तपस्या की स्मृति से जुड़ा महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

चातुर्मास में तीर्थ यात्रा क्यों थी वर्जित?

सावन से लेकर कार्तिक तक का समय हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है. यही चार महीने चातुर्मास कहलाते हैं. आज के दौर में लोग सावन, जन्माष्टमी या गणेश उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में तीर्थ यात्रा पर निकलते हैं, लेकिन कुछ दशक पहले तक तस्वीर बिल्कुल अलग थी. साधु-संत हों या आम गृहस्थ, चातुर्मास में लंबी तीर्थ यात्राएं करना लगभग वर्जित माना जाता था. धार्मिक मान्यता यह थी कि इस समय भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं और साधु एक ही स्थान पर निवास करके साधना करते हैं।

वहीं इसके पीछे मौसम, स्वास्थ्य और प्रकृति से जुड़ी व्यावहारिक वजहें भी थीं. आखिर क्यों चार महीनों तक यात्रा रोकने की परंपरा बनी और आज इसका क्या महत्व है? आइए विस्तार से समझते हैं.

चातुर्मास क्या है और इसकी शुरुआत कब होती है?

चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल एकादशी, जिसे देवशयनी एकादशी कहा जाता है, से शुरू होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देवउठनी एकादशी तक चलता है. इन चार महीनों को भगवान विष्णु के विश्राम का काल माना जाता है. धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस अवधि में शुभ मांगलिक कार्य सीमित कर दिए जाते हैं. विवाह, गृह प्रवेश और बड़े उत्सवों की बजाय पूजा-पाठ, जप, तप, व्रत और आत्मचिंतन पर अधिक जोर दिया जाता है।

चातुर्मास में साधु-संत तीर्थ यात्रा क्यों नहीं करते थे?

एक स्थान पर रहकर करते थे साधना

सनातन परंपरा में साधु-संत पूरे वर्ष भ्रमण करते थे और लोगों को धर्म का संदेश देते थे. लेकिन चातुर्मास शुरू होते ही वे किसी आश्रम, मंदिर या गांव में ठहर जाते थे. इसे चातुर्मास व्रत या वर्षावास भी कहा जाता है. मान्यता है कि लगातार यात्रा करने की बजाय इन चार महीनों में मन और इंद्रियों को स्थिर करके साधना करने से आध्यात्मिक उन्नति होती है. इसी दौरान शास्त्रों का अध्ययन, कथा-प्रवचन और ध्यान की विशेष परंपरा निभाई जाती थी।

भगवान विष्णु की योगनिद्रा से जुड़ी मान्यता

पुराणों में बताया गया है कि देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं. इसलिए इस समय बाहरी गतिविधियों की बजाय भक्ति और संयम को अधिक महत्व दिया गया. साधु-संत भी इसे ईश्वर के विश्राम का काल मानकर यात्रा रोक देते थे।

आम लोगों के लिए भी क्यों थी यह परंपरा?

बारिश का मौसम था सबसे बड़ी वजह

पहले के समय न सड़कें थीं, न आधुनिक यातायात. चातुर्मास पूरी तरह मानसून के मौसम में आता है. तेज बारिश, उफनती नदियां, कीचड़ और जंगलों से होकर यात्रा करना बेहद कठिन और जोखिम भरा होता था. ऐसे में तीर्थ यात्रा करने से जान-माल का खतरा बढ़ जाता था. इसलिए धर्म ने भी लोगों को घर या आसपास रहकर पूजा करने की सलाह दी।

छोटे जीवों की रक्षा का संदेश

बारिश के मौसम में धरती पर असंख्य छोटे-छोटे जीव-जंतु और कीड़े-मकोड़े जन्म लेते हैं. पैदल यात्रा के दौरान उनके कुचलने की संभावना रहती थी. अहिंसा की भावना को ध्यान में रखते हुए साधु-संत इस मौसम में भ्रमण से बचते थे. यह परंपरा प्रकृति और जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश भी देती है।

धार्मिक नियम के पीछे छिपा वैज्ञानिक दृष्टिकोण

चातुर्मास की परंपरा केवल आस्था तक सीमित नहीं थी. आयुर्वेद भी कहता है कि वर्षा ऋतु में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है. इस मौसम में संक्रमण और जलजनित बीमारियों का खतरा अधिक रहता है. यात्रा के दौरान भोजन और पानी की शुद्धता बनाए रखना मुश्किल होता था. इसलिए लोगों को संयमित भोजन, व्रत और कम यात्रा की सलाह दी जाती थी. यह स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभकारी माना गया।

क्या आज चातुर्मास में तीर्थ यात्रा करना गलत है?

आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं. सड़क, रेल और हवाई यात्रा की सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसलिए चातुर्मास में कई प्रसिद्ध तीर्थों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंचती है. कांवड़ यात्रा, अमरनाथ यात्रा, उज्जैन महाकाल, वृंदावन और कई धामों में इसी दौरान लाखों भक्त दर्शन करते हैं. धर्माचार्यों का मानना है कि चातुर्मास में तीर्थ यात्रा पूरी तरह निषिद्ध नहीं है, लेकिन इस काल का मुख्य उद्देश्य बाहरी यात्रा से ज्यादा भीतर की यात्रा यानी आत्मसंयम, भक्ति और साधना है. यदि यात्रा करें तो श्रद्धा, नियम और संयम का पालन करना चाहिए।

तांबा पहनने या इस्तेमाल करने से क्या होता है? ज्योतिष में बताया गया है खास महत्व

ज्योतिष शास्त्र में तांबे को सूर्य और मंगल से संबंधित धातु माना जाता है. सूर्य को आत्मविश्वास, मान-सम्मान, नेतृत्व और पिता का कारक माना जाता है, जबकि मंगल को साहस, पराक्रम, ऊर्जा और उत्साह से जोड़ा जाता है. इसी वजह से तांबे का इस्तेमाल इन ग्रहों से जुड़ी सकारात्मक ऊर्जा को मजबूत करने के उपाय के तौर पर बताया जाता है. तांबा हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाली प्रमुख धातुओं में से भी एक है. पुराने समय से ही तांबे के बर्तन, पूजा की वस्तुएं और आभूषण इस्तेमाल किए जाते रहे हैं. आइए जानते हैं, ज्योतिष शास्त्र में तांबे को इतना विशेष महत्व क्यों दिया गया है।

तांबे का सूर्य ग्रह से क्या संबंध है?

ज्योतिष में सूर्य को ग्रहों का राजा कहा जाता है. सूर्य व्यक्ति के आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक प्रभाव का प्रतिनिधित्व करता है. तांबे को सूर्य की धातु माना जाता है. इसी मान्यता के कारण कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए तांबे से जुड़े उपाय बताए जाते हैं. कई लोग सुबह सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करते हैं. धार्मिक मान्यता है कि इससे सूर्य देव प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को आत्मविश्वास व मान-सम्मान का आशीर्वाद मिलता है।

मंगल से भी जुड़ा है तांबा

तांबे का संबंध ज्योतिष में मंगल ग्रह से भी बताया जाता है. मंगल को साहस, शक्ति, पराक्रम और ऊर्जा का कारक माना जाता है. ऐसे में तांबे को मंगल की ऊर्जा से भी जोड़कर देखा जाता है. ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में मंगल कमजोर हो, उनके लिए तांबे से जुड़े कुछ उपाय बताए जाते हैं।

तांबे का कड़ा पहनने की क्यों है परंपरा?

तांबे का कड़ा पहनना कई लोगों के लिए धार्मिक और पारंपरिक आस्था से जुड़ा हुआ है. ज्योतिष में इसे सूर्य और मंगल से संबंधित माना जाता है. इसलिए मान्यता है कि तांबे का कड़ा पहनने से व्यक्ति में आत्मविश्वास, साहस और ऊर्जा बढ़ सकती है. कुछ लोग इसे नकारात्मकता से बचाव और सकारात्मक सोच से भी जोड़ते हैं।

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के दौरान तांबे के कलश, लोटे, दीपक और दूसरी पूजा सामग्री का इस्तेमाल लंबे समय से होता आया है. तांबे

को शुद्ध और पवित्र धातु माना जाता है. भगवान सूर्य को जल अर्पित करने के लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल विशेष रूप से प्रचलित है. इसी तरह कई धार्मिक अनुष्ठानों में तांबे के कलश की स्थापना भी की जाती है. ज्योतिष में ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए अलग-अलग धातुओं, रत्नों और वस्तुओं के इस्तेमाल की परंपरा है. इसी क्रम में तांबे को सूर्य और मंगल से जोड़कर देखा जाता है।

मान्यता है कि तांबे का इस्तेमाल करने से सूर्य और मंगल से संबंधित सकारात्मक गुणों को बढ़ावा मिल सकता है. यही कारण है कि तांबे के बर्तन में जल अर्पित करना, तांबे का कड़ा पहनना और पूजा में तांबे की सामग्री का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता है।

भक्ति के वात्सल्य भगवान श्री कृष्ण

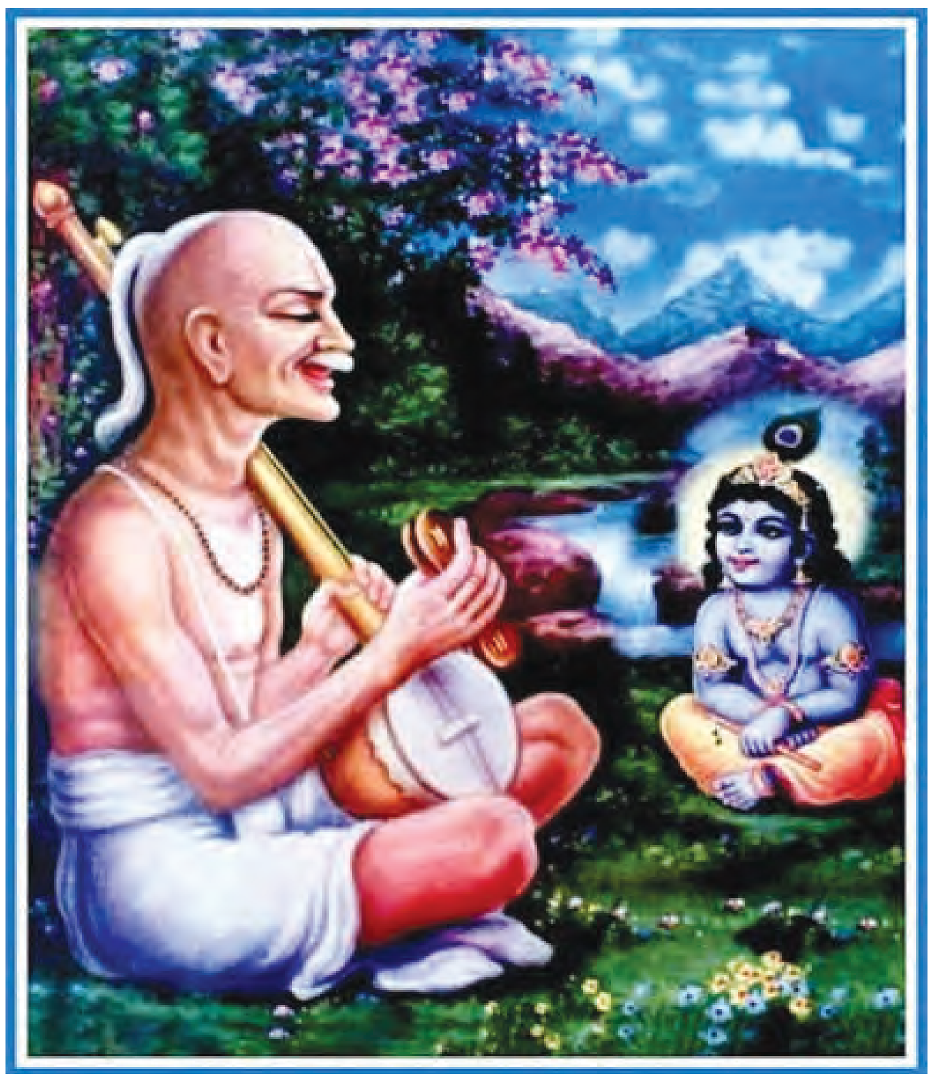

जन्माष्टमी के अवसर पर

भारतीय अध्यात्म में भगवान श्री कृष्ण की महिमा अनंत और अलौकिक है ,जो हर युग में मनुष्य को सही रास्ता और दिशा दिखलाती है .उनको भगवान विष्णु का पूर्णावतार माना गया . अध्यात्म में केवल दो के लिये जगद्गुरु शब्द का प्रयोग हुआ . एक भगवान शिव के लिये और दूसरे श्री कृष्ण के लिये कृष्ण को परम गुरु भी कहा गया क्यो कि वह उन सभी की रक्षा करते हैं जो पूरी श्रद्धा और भक्ति से उनकी स्तुति करते हैं . उनका जन्म आधी रात को हुआ जब वह प्रकट हुए तब उनके पिता वसुदेव ने उनको देख बडे आश्चर्य से कहा " आप स्वयं परमेश्वर हैं . सबके स्वामी हैं और इस संसार की रक्षा के लिये हमारे घर में अवतरित हुए हैं " श्री कृष्ण ने अपने माता पिता को कंस के कारागार से मुक्त किया यह इस बात का प्रमाण है कि जो भी उनकी शरण में आता है वह स्वयं उसकी रक्षा करते हैं .निसंदेह वह लोकप्रिय देवता हैं . गोपाल हैं - गायों के रक्षक - ,मुरली मनोहर हैं - जो अपने मधुर बांसुरी वादन से दिलों को जीत लेते हैं .वह मदन मोहन हैं - जो अपनी सुंदरता से मोहित करते हैं . भक्त कवि सूरदास ने भगवान श्री कृष्ण की महिमा का वर्णन करते हुए लिखा कि " प्रभु पूरन पावन सखा , प्राणहू को नाथ / परम दयालु कृपालु प्रभु ,जीवन जाके हाथ // अर्थात भगवान श्रीकृष्ण हमारे

पूर्ण ,पवित्र सखा और प्राणों के स्वामी हैं .वे परम दयालु और क्रुपालु हैं तथा हमारा जीवन उन्हीं के हाथों में समर्पित है .

उनके जन्म दिन को जन्माष्टमी पर्व के रूप में मनाया जाता है .अत्याचारियों से रक्षा करने वाले श्री कृष्ण योगी ,दार्शनिक ,कूटनीतिज्ञ और नेतृत्व कर्ता है . उनमें वह सारी नीतियां और दूर दृष्टि समायी है जो एक सफल लीडर में होनी चाहिये .वह लीडरशिप के ग़ुणों का भंडार हैं कृष्ण ने बिना शक्ति का दुरुपयोग किये सभी को अपनी शक्ति और धर्म का अहसास करवाया वह चाहते तो महाभारत के युद्ध को रोक और खत्म करवा सकते थे पर उन्होंने धर्म स्थापना के लिये सबको उनके कर्मों का अवसर दिया .भगवद गीता के चौथे अध्याय के आठवें श्लोक में कहा भी " यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिरभवती भारत / धर्मस्य तदात्मानं सृज्याम्यहम / परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम /धर्मस्थापनार्थाय संभवामि युगे युगे //

अर्थात जब – जब इस धरती पर धर्म कम होता है ,पाप बड जाते हैं ईश्वर सज्जनों की रक्षा करने के लिये ,बुरे और दुष्ट लोगों का नाश करने के लिये और धर्म की स्थापना के लिये हर युग मे मैं जन्म लेता हूं. दर असल कृष्ण का जीवन मानव कल्याण ,प्रेम और धर्म की स्थापना का संदेश देता है . उनके हर प्रसंग में मानव हित की गहरी सीख छिपी है .इंद्र के घमंड को तोडने और ब्रजवासियों की रक्षा के लिये अपने हाथ की छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाया जो संकट के समय समाज और प्रकृति की रक्षा करने का सबसे बडा कर्तव्य है. इसके माध्यम से उन्होंने अहंकार का त्याग ,सामूहिक एकता और पर्यावरण का आदर करना सिखाया गीता का ज्ञान दे कर कर्म का मार्ग दिखाया जो पूरी इंसानी बिरादरी की मानसिक शांति ,निष्काम कर्म और जीवन जीने की कला का सबसे बडा ग्रंथ है .गीता में कहते हैं हे! अर्जुन हम जो कुछ भी पुण्य करते हैं वो कभी इस या अगले जन्म में अवश्य काम में आयेगा .याद रखो ! शरीर से सेवा करो ,संसार का काम करो लेकिन मन से चिंतन सिर्फ मेरा ही करो मन भगवान में लगेगा और तन संसार की सेवा करेगा इससे व्यवस्था नहीं बिगडेगी और पतन नहीं होगा . शरीर किसी भी अवस्था में रहे अपने अंतः करण में हमेशा भगवान का चिंतन करो .दया धर्म का मूल है और मोह पतन की वजह है . यह मेरापन का भाव मनुष्य को गिराता है .यह शरीर भी मेरा नहीं किसी भी वस्तु का बंधन बुरा है कोई आया गया यह तो नारायण की इच्छा है .

भगवद गीता में कहा भी मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करना है उसके फलों पर नहीं .फल की इच्छा छोड किया गया कर्म जीवन को सार्थक बनाता है . इंसान का सबसे बडा दुश्मन उसका अस्थिर मन है जो उसको भ्रमित करता है . नियंत्रण में रखा गया मन ही सबसे बडा दोस्त होता है . सुख ,दुख ,लाभ ,हानि और जीत हार जैसी हर परिस्थिति में मन को समान रखना ही सच्चा योग है जिसमें भावनात्मक स्थिरता होती है . आज दुनिया लोभ के बुखार से परेशान है तब कृष्ण के वचन औषधि स्वरूप हैं .

मुरली (बांसुरी) एक साधारण वाद्य, सामान्य बांस ही उसका आधार है उस साधारण बांस से बनी मुरली से भगवान के अधर –पल्लव जब भी स्पर्श होते तो पूरे वातावरण में संगीत की मधुरता फैल जाती जिसके माधुर्य की कल्पना संसार के किसी भी मधुर स्वर या वाद्य से नहीं की जा सकती प्रसंगानुसार एक बार एक गोपी ने पूछा कि इस बांसुरी ने ऐसा कौन सा पुण्य किया जो हमारे ह्रदय वल्लभ के होंठों को निरंतर स्पर्श करती है ? इसका उत्तर उसे यह मिला कि इसने अपने ह्रदय को अहंकार शून्य कर दिया है इसलिये इसमें भगवान ने अपना दिव्य संगीत फूंका जिसका स्वर माधुर्य पूरे भू –मंडल में गूंज उठा

.प्रसंगानुसार एक बार सखाओं ने उनकी मां से चुगली कर दी कृष्ण ने मिट्टी खायी है . मां के असीम प्रेम और डांट से सहम गये .सहमे हुए और सुंदर लगे मां ने पूछा मिट्टी खायी है ? उत्तर दिया नहीं . मां ने उनके मुख को भांपते हुए कहा झूठ बोल रहे हो ! तब मां कि आशंका का समाधान करने के लिये कन्हैया ने मुख खोल दिया . तब मां ने प्रभु के मुखारविंद में सूर्य ,चंद्र ,पृथ्वी का विश्व रूप देखा .मां डर गयी और नेत्रों को मूंद लिया माता ने कन्हैया को गले लगाया और अंदर ले गयी .भगवान संकेत करना चाहते हैं कि ब्रह्मांड सहित पूरा संसार पहले से ही मेरे भीतर है . जो कुछ है प्रभु के भीतर है जिसने ऐसा जाना वही ईश्वर भक्त है वेद शब्दात्मक हैं लेकिन भगवान श्री कृष्ण की भक्ति अपरिमित और शब्दातीत हैं . इसलिये कहा भी गया " कृष्णं वंदे जगतगुरु "

काव्य कुंज

अल्हड़पन

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

अल्हड़पन में टूट गया दिल,
टूटा दिल का तार।
अल्हड़पन में छुपा न सके हम
अपना व्यवहार।।
किसी के झांसे में आना ,
अपना अल्हड़पन था,
किसी को दिया वक्त प्याला, अपना बड़प्पन था,
समझ में आया दिल अपना,पर प्रीत पराई की है
बिन समझे जो दिल लगाया जग हंसाई की है,
समझ सके न उसका मुझसे कितना सरोकार।
अल्हड़पन में टूट गया दिल, टूटा दिल का तार।।
मेरे अर्थ को बेअर्थ कर, मुझ पर लगा इल्जाम,
जज्बात मेरे काम न आए होने लगा बदनाम,
अपने गैर की पहचान का अब चख लिया जाम,
प्रेम परीक्षा में असफलता का मिला परिणाम,
समझ की अपनी न रही कभी तेज जरा तलवार।
अल्हड़पन में टूट गया दिल, टूटा दिल का तार।।

तू चल डगर पर...

गायकवाड़ संभाजी
कामारेड्डी,

तू चल डगर पर...
तू चल डगर पर...
तेरा कर्तव्य है,
तुझे देश को संभालना है।
तुझे दुनिया को दिखाना है,
भारत की मिट्टी में
क्या ताकत है, बताना है।
संप्रभुता की शान लिए, एकता का मान लिए,
अखंड रहे ये भारत अपना, दिल में हिंदुस्तान लिए।
ना डरना तू मुश्किलों से, ना झुकना तू तूफानों से,
माँ भारती की आन के खातिर, लड़ना अपने अरमानों से।
तुझे दुनिया को दिखाना है, संप्रभुता,
एकता, अखंडता की ताकत, हर दिल में जगाना है।
पहचान मुखौटे को, सच का साथ निभाना है,
नफरत की हर दीवार गिराकर, भाईचारा बढ़ाना है।
भाषा अलग हो, धर्म अलग हो,
फिर भी हम एक कहानी हैं,
अनेक रंग हैं इस भारत में, फिर भी एक निशानी हैं।
भारत को फिर सजाना है,
अपनी इस मिश्रित संस्कृति को हर हाल में बचाना है।
नदियाँ, जंगल, पर्वत अपने, इनकी रक्षा करनी है,
धरती माँ की गोद बचाकर, नई सुबह फिर भरनी है।
अंधविश्वास की रात मिटाकर, ज्ञान का दीप जलाना है,
विज्ञान, मानवता और तर्क से, भारत को आगे लाना है।
नई सोच को अपनाना है,
ज्ञान की रोशनी से भारत का हर अंधेरा मिटाना है।
सार्वजनिक संपत्ति अपनी, इसका मान बढ़ाना है,
हिंसा छोड़कर शांति की राह पर, भारत को आगे लाना है।
हर क्षेत्र में श्रेष्ठ बनेंगे, देश का नाम बढ़ाएँगे,
छोटे-छोटे हाथों में हम, शिक्षा के दीप जलाएँगे।
हर कर्तव्य निभाना है, अपने कर्मों से भारत को
विश्व में ऊँचा उठाना है।
रुकना नहीं... झुकना नहीं... मुश्किलों से डरना नहीं!
भारत माँ की शान के खातिर, हर पल आगे बढ़ना है!
तुझे इतिहास बनाना है! तेरा कर्तव्य है...
तुझे देश को संभालना है! तू चल डगर पर...

राखी एक अटूट बंधन

के एल गुप्ता
हैदराबाद

राखी त्योहार है धागों का,
राखी प्रतीक है भाई बहन के अटूट प्यार का
राखी स्पंदन है...राखी भावना है...
राखी एहसास है अपनत्व का
राखी सेतु है प्रेम के दो किनारों का
राखी उदगार है प्रेम के बंधन का
राखी उपहार है जीवन का
राखी आधार है.. सार है रिश्तों का
राखी संसार है भावनाओं का
राखी आशीर्वाद है ईश्वर का
राखी परिवार है अपनों का
राखी अतुल्य है...चिरस्मरणीय है
प्रेम एवं आनंद से संतृप्त है
राखी अनंत है...अशेष है...अपार है
राखी की महिमा अपरंपार है
राखी सौंदर्य है...शौर्य है
राखी शीतलता है...कोमलता है
राखी मर्यादा है..मान है..सम्मान है
राखी विनम्रता की पहचान है
राखी गीत है..पुनीत है..मन का संगीत है
राखी आचार है..विचार है..सद्व्यवहार है...
राखी गंगा है..यमुना है..सरस्वती है
मन की सुंदरता है राखी..
राखी मनमीत है प्रीत है, जीत है राखी
राखी चंद्रमा की स्निग्ध चांदनी है...
राखी सूर्य की जीवन दायनी तपिश है..
राखी...राखी है ।।

एक विरोधाभास

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

कितने विचित्र हैं हम,
जिसका कोई अस्तित्व नहीं
उसे स्वीकारते हैं
उसे कोई न कोई
नाम भी देते हैं ।।
यह जानते हुए भी कि
जमीं आसमां कहीं नहीं मिलते
उनके मिलन का भ्रम पालते हैं
फिर मिलन की उस
अदृश्य रेखा को
क्षितिज का नाम देते हैं ।।
कितने विचित्र हैं हम
कुछ चीजें जो स्वयं सिद्ध हैं
हम,नकार देते हैं उसे
मानव मनु की संतान हैं
हमारे रगों के रक्त एक हैं
फिर भी इस सत्य से मुंह मोड़ते हैं ।।
मानव की इस एकता को
कभी धर्म के नाम पर
कभी भाषा के नाम पर
कभी देश के नाम पर
निर्दयता से बाँटते हैं ।।

झूला

गजानन पाण्डेय

बच्चा सो रहा पालने में
खिलौने देख , वह खुश होता
मां की लोरियां सुन
शांत हो वह सो जाता ।
ममता की छांव है
सुरक्षा का भाव है
झूले से जुड़ रहा
मां - बेटे का समभाव है।
पेड़ों पर पड़ गये झूले
धानी चूनर पहन
सुहागनें भी आ गईं
सब सखियां मिल प्रेम गीत गा रहीं ।

संस्कार है या विकार

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

संस्कार,
सात्विक होते हैं,
विकार विचित्र दिखते है,
भारत त्यौहारों का है देश,
यहाँ अलग अलग भाषा वेश,
फिर भी अपना देश है नेक विशेष।
माना कि व्यक्तिगत स्वेच्छा होती हो,
विपरीत मानसिकता लज्जित ना हो,
त्यौहार चाहे कौन से भी किन के भी हो,
व्यवहार वहाँ विशेष आकर्षक होता हो,
सदाचार सुसंस्कार भी कुछ होते हैं,
परिधान मर्यादा मान्यता पूर्ण होते हैं,
त्यौहारों पर खास सजना धजना,
अपने आप को प्रदर्शित करना,
तो यह आम बात होती है भाई,
अंगप्रदर्शन विकारयुत न भई ,
विलायती विलासी विकृत,
चेष्टा भारत में अस्वीकृत,
संस्कार और विकार में,
संस्कार श्रेष्ठ होते है,
विकार नहीं भाते हैं,
विकार को करो धिक्कार, छितकार।

अभिनंदन श्री कृष्ण अभिनंदन

कुमुद बाला,
हैदराबाद

जंजीरों में बंधी माता की कोख
धन्य जिसने श्री कृष्ण को दिव्य जीवन दिया
देवकी नंदन श्री कृष्ण अभिनंदन
जंजीरों में जकड़े पिता का पुण्य धन्य
जिसने श्री कृष्ण को नवजीवन दिया
वासुदेव नंदन श्री कृष्ण अभिनंदन
माता यशोदा का मातृत्व धन्य जिसने श्री कृष्ण को पुत्रवत नेह - स्नेह दिया
यशोदा नंदन कृष्ण अभिनंदन
मित्र नंदबाबा की मित्रता धन्य जिसने श्री कृष्ण को प्यार - दुलार - संचार दिया
नंद के नंदन कृष्ण अभिनंदन
योगमाया का अपनत्व धन्य
जिसने सुभद्रा बन श्री कृष्ण को भगिनी प्रेम दिया
सुभद्रा के भ्राता कृष्ण अभिनंदन
दाऊ का विश्वास धन्य
जिसने श्री कृष्ण को भ्रातृ धर्म का उपहार दिया
दाऊ के भ्राता कृष्ण अभिनंदन
वे कुंज और गलियां धन्य
जहां श्री कृष्ण ने माखन खा कर उनको प्रेम दिया
कुंज बिहारी कृष्ण अभिनंदन
वह कदंब का वृक्ष धन्य
जिसपे श्री कृष्ण ने झूला झूल उसे पवित्र बना दिया
कदंब बनवारी कृष्ण अभिनंदन
उस कदंब का दिव्य फूल धन्य
जिसने मोर मुकुट संग श्री कृष्ण का सम्मान पाया
कदंब पटवारी कृष्ण अभिनंदन
ब्रज के रज की महिमा प्यारी
जिसने श्री कृष्ण को धूल धूसरित राग दिया
ब्रज रेणु धारी कृष्ण अभिनंदन
गोपियों की ब्रज मटकी धन्य
जिसने श्री कृष्ण को दधि माखन का स्वाद चटाया
मटकी फोड़नहारी कृष्ण अभिनंदन
उलाहने के बाद वह मां की डांट धन्य
जिसे श्री कृष्ण ने ब्रम्हांड दिखाया
भोले मुरारी कृष्ण अभिनंदन
गायों - बछड़ों का वह झुंड धन्य
जिसने श्री कृष्ण को समर्पण निःस्वार्थ दिया
धेनु पुजारी कृष्ण अभिनंदन
ग्वाल सखा संग नादानियां धन्य
जिसे श्री कृष्ण ने मित्रता का पाठ पढ़ाया
ग्वाल सखा कृष्ण अभिनंदन।।

एहसास

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

बागों में बहारों में।
दुनिया की कतारों में।
ढूंढे न मिला कोई भी,
सच्चा साथी हजारों में।
जीवन जीते हैं कान्हा।
पर जिन्दगी तुमसे है।
साँसे तो चलती है राधे, पर बन्दगी तुमसे है।
चल चमन में चलते है। फ़िर से हम मचलते हैं।
जो गुजरी गुज़र ही गई, अब क्यों बिलखते हैं।
रंग रंगीले फ़ूल खिले है। हजारों जोड़े मिले है।
ये सावन का महीना, भक्ति प्रकृति से मिले है।
राखी संग गया सावन भी।
अभिषेक चलेगा,छूटी कांवड़ भी।
शिव शक्ति युगों तक रहेंगे।
आएगी बरसात मंनभावन भी।
अब कान्हा जी आयेंगे। संग गणेश को लायेंगे।
यूँ ही चलेगी सृष्टि हमारी, हम भी आयेंगे जायेंगे।

यूपीआई : जेब से दुनिया तक

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

न जेब में सिक्कों की खनक,
न नोटों की कोई कतार,
मोबाइल उठाया, पिन लगाया,
पल में हुआ कारोबार।
दस वर्ष पहले जो सपना था,
आज वही पहचान बना,
छोटे चायवाले तक पहुँचा,
डिजिटल हिंदुस्तान बना।
न बैंक की लंबी लाइन रही, न ही छुट्टे का झंझट भारी,
एक क्लिक में भुगतान हुआ, आसाँ हुई दुनिया सारी।
कभी पैसे भेजना मुश्किल था,अब पल में पहुँच जाता,
दूर खड़ा अपना इंसान भी मोबाइल से पास हो जाता।
बाजारों से लेकर गलियों तक, इसकी गूँज सुनाई देती,
भारत की डिजिटल ताकत, दुनिया को राह दिखाती।
तकनीक तब ही महान है, जब जन-जन के काम आए,
यूपीआई की यह छोटी-सी धारा देश को आगे ले जाए।
नोट से डिजिटल सफर तक, बदला भुगतान का संसार,
दस साल की यात्रा ने बढ़ाया भारत का ₹गौरव₹ अपार।
कल जो थी कल्पना कभी, आज हकीकत बनकर आई,
मोबाइल की लघु स्क्रीन ने भारत की तस्वीर बदलवाई।

राखी का त्योहार

मोनिका डागा,
चेन्नई

भाई को कुंकुम तिलक लगा,
करें बहन मनुहार,
प्रेम डोर से सजी कलाई,
राखी का त्योहार ।
संजोए प्यारी सी स्मृतियाँ,
बूँदों की बौछार,
बचपन की ये प्रीत निराली,
खुशियों की झंकार ।
रिश्तों का रंगीला सावन, त्यौहारों की धूम,
राखी लाई ढेरों खुशियाँ, झूला झूलें झूम ।
भाई और बहन का रिश्ता, बंधन है मासूम,
बहन प्यार से भाई का झट, लेती माथा चूम ।
भाई धीरे से फिर देता, सुंदर सा उपहार,
बहना तू है मेरे दिल का, चमकीला सा हार ।
तू जो करती चिंता मेरी, बढ़-चढ़कर हरबार,
कितना चाहें तुझे सताऊँ, करता तुझसे प्यार ।
रहें सदा खुश मेरी बहना, रखना है ये ध्यान,
बड़े प्रेम से अमिय भाव का , भाई रखता मान ।
बहना भी कर जोड़ ईश से, माँगें ये वरदान,
खुशहाल रहें भाई मेरा, गाऊँ मंगलगान ।
एक दूसरे का मन से दें, पूरा-पूरा साथ,
भाई और बहन थामें है, बचपन से ये हाथ ।
उपजे आनंद अनंत सदा, परम्परा की रीत,
परिवार में हँसी-खुशी बसें, सजें सुनहली प्रीत ।

तू काहे ढोलहि प्राणिया...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

तू काहे ढोलहि प्राणिया
तुध राखेगा सिरजनहार
जिधर से गुजरो
सामने तनी शमशीर है
हाथ जोड़ माफ़ी मांगे
सूझता नहीं प्रतीर है
लगाता तो है तदबीर
परिणाम शून्य ,.. अंधियार
तू काहे ढोलहि प्राणिया..
समझता या समझाता है
हूं दीन ए इलाही
आर्गुमेंट करने की सख़्त मनाही
रास्ता बदलने कोविवश करता
भविष्य रेज़गार तू काहे ढोलहि प्राणिया..
छोटी लकीर सामने
बड़ी खींच दी जाती है बेवज़ह राहें
सोगवार कर दी जाती है दीवारें तोड़नी चाहे
उपवन तीरों ओ तार तू काहे ढोलहि प्राणिया..

"सत्यता"

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

कटी हुई टहनियाँ छाँव नहीं देती,
टूटी हुई कड़िया ज़ंजीर नहीं बनाती
जान कर चुप रहना
कमजोरी नहीं होती,
सारी इच्छाएं आवश्कताये
जीवन में पूरी नहीं होती
जिंदगी किसी को
दोबारा नहीं मिलती,
कर्म, पाप और अपराध
की बाहरी व्यवस्था नहीं होती
जैसा हम सोचते हैं, दुनिया वैसी नहीं होती,
जैसा हम देखते हैं, दुनिया वैसी नहीं दिखती
ये वास्तविकता हैं,
कहने की आवश्यकता नहीं होती,
ये वास्तविकता हैं,
कहने की आवश्यकता नहीं होती।

बचपन की वो बातें

संजीव ठाकुर,
रायपुर

बहुत याद आती बचपन
की वो बातें,
दादी की गोद में छुपी हुई रातें।
नानी के घर जाने का बहाना,
वापस ना लौटने के लिए रोना गाना।
माँ की लोरी की स्वर लहरी
बातें।
पिताजी के ताने भी कितने निराले ,
उनमें चिंता की लकीरें होतीं ।
पिताजी की डांट खाते-खाते
मां के पल्लू में छुप-छुप जाते।
माँ हँसकर सिर सहलाती
डाँट का दर्द जैसे वहीं रख आतीं ।
दादी कहानी सुनाते-सुनाते सो जातीं,
कहानी हमारे सपनों में चलती रहती।
नानी के हाथ की रोटी में
गांव के घी का सौंधा स्वाद होता
आज है सब कुछ पर वह बचपन नहीं,
दादी नानी का प्यार और गांव की खुशबू नहीं।

अंधा मोह: खोता चरित्र...

ओमकार सर्दिवाल,
हैदराबाद

शिक्षक तो समझा रहा,
छात्र मस्त निज ध्यान।
नीति-पाठ पर अभिभावक,
मढ़ते दोष महान॥
सुत-अवगुण पर पर्दा डालें,
मात-पिता आ जाएँ।
दोष मढ़ें प्रताड़ना का,
बालक महान बताएँ॥
आज बचा लें पुत्र को, कल का देखा कौन?
शिक्षक पर सब दोष मढ़, आप रहे क्यों मौन॥
रटें सुरक्षा सूत की, मढ़ें गुरु पर दोष।
आज बचा लें पुत्र को, कल होगा अफ़सोस॥
गलती दर्शाये गुरु जब, साधे सब ही मौन।
अभिभावक की बात ही, सुनें यहाँ पर कौन॥
नियम तोड़ उलटा बहस करे, दागे प्रश्न नादान।
ताली बजाए सब उसकी भूल पर, कैसा यह अज्ञान॥
धकेले मित्र को कूप में, खोया छात्र चरित्र।
अध्यापक की कौन सुने, अड़े स्वजन विचित्र॥

कुदरत का हिसाब

सत्यवान सौरभ

नदियों के जो पथ दबा,
करते रहे विकास।
बाढ़ बनी जब काल फिर,
किसका बचा निवास।।
काटा पेड़ों को सदा,
पर्वत किए हलाल।
अब पानी ने खोल दी, मानव की हर चाल।।
नदियों पर कब्जे किए, जंगल दिए उजाड़।
तुम्हें सैलाब पूछता, मानव, बड़ा पहाड़।।
धरती सीना चीरकर, धन का किया हिसाब।
आज उसी ने दे दिया, पानी रूप जवाब।।
वन-पर्वत को लूटकर, फिर बोले सरकार।
बाढ़ अचानक आ गई, दोष किसे इस बार।।
नदियाँ-नाले रोककर, करते रहे विकास।
इक बरसाती धार ने, खोल दिया इतिहास।।
प्रकृति बेचकर खा गए, फिर करते उपचार।
तब समझे, जब घर डूबे, जल का असली भार।।
सत्ता सोई चैन से, जनता झेले मार।
कुदरत सदा हिसाब ले, बचे नहीं दरबार।।
पहले जंगल काटकर, फिर देते उपदेश।
बाढ़ बता देती सभी, कैसा है परिवेश।।
धरती माँ को नोचकर, करते अपना मान।
आज सैलाब पूछता, बतलाओ पहचान।।
कुदरत की चेतावनी, समझो अंतिम वार।
अभी नहीं संभले अगर, करना नहीं पुकार।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

तबाही के बीच जिंदगी बचाने की जंग

नेपाल में बाढ़-भूस्खलन ने दिखाया संकट का भयावह चेहरा

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन ने पहाड़ों की खूबसूरती के पीछे छिपी उनकी नाजुकता को उजागर कर दिया है। अचानक आई बाढ़ ने कई इलाकों में ऐसी तबाही मचाई कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते उफनते पानी ने घरों, सड़कों और रास्तों को अपनी चपेट में ले लिया। कहीं लोग जान बचाकर जंगलों की ओर भागे तो कई परिवार अपने घरों की छतों और ऊंचे स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हुए। इस आपदा ने बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित किया है और अब नेपाल के सामने सबसे बड़ी चुनौती मलबे के बीच जिंदगी तलाशने, लापता लोगों को खोजने और विस्थापित परिवारों को संभालने की है।

आपदा की भयावहता का अंदाजा उन लोगों की आपबीती से लगाया जा सकता है, जिन्होंने अपनी आंखों के सामने साक्षात मौत देखी। तिमुरे क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि वह आराम कर रहा था और अचानक पहाड़ी जोर से हिलने लगी। उसे लगा कि शायद भूकंप आया है। वह तुरंत बाहर निकला, लेकिन बाहर का दृश्य और अधिक भयावह था। पहाड़ी से पानी तेजी से नीचे आ रहा था और देखते ही देखते बाढ़ का रूप ले चुका था। जान बचाने के लिए उसे वहां से भागना पड़ा। इस तरह कई लोगों ने कुछ ही क्षणों में अपने सुरक्षित समझे जाने वाले घरों और इलाकों को छोड़ दिया।

कुछ लोगों की रात जंगल में बीती। उनके पास न पर्याप्त भोजन था और न ही सुरक्षित आश्रय। चारों ओर अंधेरा, तेज पानी और भूस्खलन का खतरा था। ऐसे में नेपाली सेना के हेलिकॉप्टरों ने राहत पहुंचाने का महत्वपूर्ण काम किया। प्रभावित लोगों के लिए हेलिकॉप्टर से नूडल्स जैसे खाद्य पदार्थ गिराए गए, जिन्हें खाकर उन्होंने किसी तरह रात गुजारी। यह घटना बताती है कि आपदा की स्थिति में सामान्य जीवन की छोटी-सी जरूरत भी कितनी बड़ी राहत बन जाती है। जिन लोगों के पास न घर बचा था और न भोजन, उनके लिए राहत सामग्री जिंदगी की उम्मीद बनकर पहुंची।

राजू बुधाथोकी की कहानी भी इस आपदा की गंभीरता बताती है। वह रसुवा जिले में सीमा शुल्क एजेंट के रूप में काम करते थे। उनका दिन सामान्य रूप से शुरू हुआ था, लेकिन अचानक हालात बदल गए। जमीन कांपने लगी और कुछ ही समय में बाढ़ का पानी आसपास के घरों और इलाकों को अपनी चपेट में लेने लगा। जो लोग कुछ समय पहले तक रोजमर्रा के काम में व्यस्त थे, उन्हें अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थान तलाशना पड़ा। यह आपदा कितनी तेजी से जीवन को उलट देती है, इसका अंदाजा ऐसी घटनाओं से लगाया जा सकता है।

बाढ़ और भूस्खलन के बाद सबसे कठिन काम मलबे में जिंदगी तलाशना है। नेपाल की सेना, पुलिस और अन्य बचाव एजेंसियां लगातार अभियान चला रही हैं। कई जगहों पर सड़कें टूट चुकी हैं और मलबा जमा है। ऐसे क्षेत्रों में राहतकर्मियों को पैदल पहुंचना पड़ रहा है। कहीं रस्सियों और दूसरे साधनों की मदद ली जा रही है तो कहीं हेलिकॉप्टर ही एकमात्र विकल्प बने हुए हैं। बचाव दलों के सामने चुनौती दोहरी है—एक ओर मलबे में फंसे लोगों को निकालना और दूसरी ओर खुद को लगातार बने खतरे से बचाना।

दुर्भाग्य से इस आपदा ने बड़ी संख्या में लोगों की जान भी ली है। कई स्थानों से शव बरामद किए गए हैं और उनकी पहचान कर परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। हालात इतने कठिन हैं कि कुछ स्थानों पर शव रखने के लिए मुर्दाघरों में जगह कम पड़ गई। इसके कारण प्रशासन को अस्थायी इंतजाम करने पड़े। किसी भी आपदा का यह सबसे पीड़ादायक पक्ष होता है कि राहत शिविरों और अस्पतालों के बीच अपने परिजनों को तलाशते लोगों को कभी जीवित मिलने की उम्मीद रहती है तो कभी उन्हें अपने प्रियजन की पहचान करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चितवन, तनहुँ, नवलपरासी, गोरखा और अन्य प्रभावित इलाकों में भी बाढ़ और भूस्खलन से भारी परेशानी सामने आई। कई परिवारों के घर उजड़ गए और लोग सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हुए। जिन लोगों के परिजन लापता हैं, उनके लिए हर गुजरता घंटा चिंता बढ़ाने वाला है। संचार व्यवस्था प्रभावित होने के कारण संपर्क टूटना इस चिंता को और गहरा कर देता है। ऐसे में प्रशासन के लिए लापता लोगों की सूची तैयार करना, उनकी तलाश करना और परिवारों तक सही सूचना पहुंचाना बेहद जरूरी है।

इस आपदा का असर नेपाल आने वाले पर्यटकों पर भी पड़ा है। बड़ी संख्या में पर्यटक और यात्री विभिन्न मार्गों में फंस गए। कुछ लोग बचाव दलों की मदद से सुरक्षित निकाले गए, जबकि कुछ को रास्ते खुलने का इंतजार करना पड़ा। नेपाल में पर्यटन केवल अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार नहीं है, बल्कि लाखों स्थानीय लोगों की आजीविका भी इससे जुड़ी है। इसलिए ऐसी प्राकृतिक आपदा से पर्यटकों की सुरक्षा के साथ-साथ नेपाल के पर्यटन क्षेत्र के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी होती है।

इस संकट की एक मानवीय तस्वीर भारत के मुंबई-गोवा क्षेत्र में भी दिखाई दी, जहां नेपाल से जुड़े कुछ लोग अपने घर लौटने का रास्ता तलाशते नजर आए। फोन के जरिए घरवालों से संपर्क बनाए रखने की कोशिश और नेपाल की स्थिति जानने की बेचैनी ने यह दिखाया कि प्राकृतिक आपदा की सीमा भले ही किसी देश तक सीमित हो, लेकिन उसकी चिंता सीमाओं के पार तक पहुंचती है। सचिन जोशी, राजेश ओक और रश्मि ओक जैसे लोगों के नेपाल में फंसे होने और परिजनों से संपर्क को लेकर चिंता ने इस संकट के मानवीय पक्ष को और सामने रखा।

भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी, व्यापार, पर्यटन और सामाजिक संबंधों की मजबूत कड़ी है। इसलिए नेपाल में आई आपदा का असर भारत के सीमावर्ती इलाकों पर भी पड़ना स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में सोनौली सीमा के पास नेपाल जाने वाले ट्रकों की करीब 16 किलोमीटर लंबी कतार इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। सड़कें क्षतिग्रस्त होने और आवाजाही बाधित होने से मालवाहक वाहनों को आगे बढ़ने में परेशानी हुई। सीमा पर ट्रकों की लंबी कतार का मतलब केवल परिवहन में देरी नहीं है, बल्कि इसका असर व्यापारियों, ड्राइवरों, स्थानीय कारोबार और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी पड़ सकता है।

नेपाल से लौटने वाले और नेपाल जाने वाले यात्रियों के लिए भी रास्तों की स्थिति चिंता का विषय बनी। सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए रोजमर्रा की आवाजाही और व्यापार महत्वपूर्ण है। इसलिए राहत और बचाव के साथ-साथ प्रमुख मार्गों को सुरक्षित तरीके से बहाल करना भी जरूरी है। हालांकि जल्दबाजी में सड़क खोलना भी जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि पहाड़ी इलाकों में एक बार भूस्खलन होने के बाद दोबारा मलबा गिरने और बाढ़ आने का खतरा बना रहता है।

इस पूरी त्रासदी ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि हिमालयी क्षेत्रों में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कितना जरूरी है। पहाड़ों में सड़कें, पुल, जलविद्युत परियोजनाएं और पर्यटन सुविधाएं आवश्यक हैं, लेकिन इनके निर्माण में स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और प्राकृतिक जोखिमों की अनदेखी भारी पड़ सकती है। जलवायु परिवर्तन के दौर में अचानक होने वाली अत्यधिक बारिश और तेज बाढ़ की घटनाओं का जोखिम भी बढ़ रहा है। इसलिए केवल आपदा आने के बाद राहत पहुंचाना पर्याप्त नहीं है; उससे पहले मजबूत चेतावनी तंत्र और वैज्ञानिक योजना जरूरी है।

नेपाल के लिए अब असली चुनौती राहत अभियान खत्म होने के बाद शुरू होगी। जिन लोगों ने घर खोए हैं, उनके लिए अस्थायी शिविर पर्याप्त नहीं होंगे। उन्हें स्थायी आवास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की जरूरत होगी। टूटे पुलों और सड़कों को दोबारा बनाना होगा, बिजली और संचार व्यवस्था बहाल करनी होगी तथा प्रभावित कारोबार और पर्यटन को फिर से खड़ा करना होगा। जिन परिवारों ने अपने सदस्य खोए हैं, उनके लिए आर्थिक सहायता के साथ मानवीय और सामाजिक सहयोग भी जरूरी होगा।

इस आपदा में नेपाली सेना, पुलिस, स्थानीय नागरिकों और राहतकर्मियों का साहस उम्मीद जगाता है। मलबे के बीच किसी जिंदगी को बचाने की कोशिश हो या जंगल में रात गुजार रहे लोगों तक भोजन पहुंचाना—हर प्रयास मानव जिजीविषा का प्रमाण है। लेकिन ऐसी त्रासदियां यह भी याद दिलाती हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोकना भले संभव न हो, उनके नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है। इसके लिए नेपाल को अपने पहाड़ी क्षेत्रों में अत्याधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणाली, सुरक्षित निर्माण, मजबूत सड़क और पुल नेटवर्क, स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित आपदा-प्रतिक्रिया दल तथा बेहतर आपात संचार व्यवस्था विकसित करनी होगी। भारत जैसे पड़ोसी देशों के साथ भी आपदा प्रबंधन और सीमा-पार राहत समन्वय को मजबूत करना समय की मांग है। नेपाल की धरती पर इस समय जिंदगी और तबाही के बीच संघर्ष जारी है। कहीं मलबे में उम्मीद की तलाश है, कहीं अपने बिछड़े परिजन की खबर का इंतजार, कहीं राहत सामग्री की जरूरत है और कहीं घर लौटने का रास्ता बंद है। लेकिन इस संकट के बीच सबसे बड़ी सीख यही है कि आपदा के बाद सिर्फ मलबा हटाना पर्याप्त नहीं होता; असली चुनौती उस मलबे के बीच से जिंदगी, भरोसा और भविष्य को फिर खड़ा करना होती है।

मेरिट का मान, मेहनत का सम्मान

डॉ. शैलेश शुक्ला

इस देश का हर नागरिक चाहता है कि जब वह अस्पताल जाए तो उसे सबसे अच्छा डॉक्टर मिले, जब उसका बच्चा स्कूल जाए तो उसे सबसे योग्य शिक्षक पढ़ाए, जब वह अदालत में न्याय मांगने जाए तो सबसे अनुभवी जज उसकी बात सुने और जब देश की सीमा पर खतरा हो तो देश की रक्षा सबसे सक्षम सैनिक के हाथों में हो। यह मांग किसी जाति, धर्म या वर्ग की नहीं है, यह हर भारतीय की स्वाभाविक मांग है।

इसी मांग के कारण भारत सरकार ने कुछ संस्थानों को आरक्षण से मुक्त रखा है। सेना में आरक्षण नहीं है, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति में आरक्षण नहीं है, इसरो और डीआरडीओ जैसे वैज्ञानिक संस्थानों में आरक्षण नहीं है और आईएएस, आईपीएस की वरिष्ठ पदोन्नति में भी आरक्षण नहीं है। सवाल यह है कि इन संस्थानों को ही क्यों अलग रखा गया?

सरकार का तर्क बिल्कुल साफ है। सरकार कहती है कि रक्षा का मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है। वहां शारीरिक फिटनेस, मानसिक मजबूती और नेतृत्व क्षमता चाहिए। वहां अगर योग्यता से समझौता किया गया तो कीमत पूरे देश को चुकानी पड़ेगी। न्यायपालिका के बारे में तर्क है कि जज का एक फैसला मिसाल बनता है, वह लाखों लोगों का भविष्य तय करता है। वहां अनुभव और कानून की गहरी समझ चाहिए, वहां आरक्षण से न्याय की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। इसरो और डीआरडीओ के बारे में कहा जाता है कि वे रॉकेट बनाते हैं, मिसाइल बनाते हैं। वहां एक छोटी सी गलती करोड़ों रुपये और देश की सुरक्षा दोनों को खतरे में डाल सकती है। इसलिए वहां भी योग्यता को ही सबसे ऊपर रखा गया है।

अब एक सीधा सा सवाल मन में उठता है। अगर देश की सुरक्षा के लिए योग्यता जरूरी है, तो देश की शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन और विकास के लिए योग्यता जरूरी क्यों नहीं है? क्या एक गरीब आदमी के जीवन में डॉक्टर की भूमिका सैनिक से कम है? क्या एक बच्चे के भविष्य में शिक्षक की भूमिका वैज्ञानिक से कम है? क्या एक जिले के कलेक्टर की भूमिका किसी जज से कम महत्वपूर्ण है? नहीं, बिल्कुल नहीं। जब हम मान लेते हैं कि कुछ जगहों पर मेरिट से समझौता देश के लिए खतरनाक है, तो हमें यह भी मानना होगा कि हर जगह पर मेरिट से समझौता देश के लिए खतरनाक है। जनता को योग्य जन-सेवक चाहिए, सिर्फ जन-सेवक नहीं। आज हमारे देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है? चुनौती यह है कि सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता पर आम आदमी का भरोसा कम हो रहा है। लोग सरकारी स्कूल की जगह प्राइवेट स्कूल में जाना चाहते हैं, सरकारी अस्पताल की जगह प्राइवेट अस्पताल में जाना चाहते हैं। क्यों? क्योंकि वहां उन्हें योग्यता दिखती है। अगर सरकारी विभागों में भी शत-प्रतिशत योग्यता के आधार पर नियुक्ति होगी, तो यह भरोसा वापस आएगा।

मेरिट के पक्ष में सबसे बड़ा तर्क समानता का है। हमारे संविधान की प्रस्तावना में लिखा है - हम भारत के लोग, समता का अधिकार। समता का मतलब है सबको समान अवसर मिलना। आरक्षण समान अवसर नहीं देता, वह परिणाम को पहले से तय कर देता है। मेरिट समान अवसर देता है। मेरिट में दौड़ सबके लिए खुली है। अमीर हो या गरीब, अगड़ा हो या पिछड़ा, सब एक ही रेखा पर खड़े होते हैं और जो सबसे तेज दौड़ता है, वह जीतता है। यह सच्ची समानता है। इसमें किसी के साथ भेदभाव नहीं होता।

दूसरा तर्क है देश की प्रगति का। 21वीं सदी प्रतिस्पर्धा की सदी है। दुनिया में वही देश आगे बढ़ रहा है जो अपने सबसे योग्य लोगों को आगे ला रहा है। अमेरिका, जापान, जर्मनी, इजरायल जैसे देशों ने विज्ञान और तकनीक में जो तरक्की की है, उसका एक ही राज है - उन्होंने हर पद पर सबसे योग्य व्यक्ति को बैठाया। अगर भारत को विश्वगुरु बनना है, विकसित भारत बनना है, तो हमें भी अपने हर विभाग में इसरो और डीआरडीओ वाला मॉडल अपनाना होगा। जहां योग्यता ही एकमात्र पैमाना हो।

तीसरा तर्क है सामाजिक समरसता का। आरक्षण व्यवस्था ने अनजाने में ही समाज को बांट दिया है। आज नौकरी के फॉर्म में सबसे पहले जाति पूछी जाती है, योग्यता बाद में। इससे युवाओं के मन में एक-दूसरे के प्रति कटुता पैदा होती है। जो युवा दिन-रात मेहनत करके 90 प्रतिशत अंक लाता है और फिर भी चयन से वंचित रह जाता है, उसके मन में निराशा आती है। और जो युवा आरक्षण के सहारे चयनित होता है, उसे भी जीवन भर यह सुनना पड़ता है कि वह योग्य नहीं है। दोनों ही स्थितियों में नुकसान समाज का ही है। अगर चयन सिर्फ मेरिट से होगा, तो न कोई खुद को कमजोर समझेगा, न कोई दूसरे को कम आंकेगा। सबको लगेगा कि जो मिला है, वह अपनी मेहनत से मिला है।

चौथा तर्क है गरीबी को सही मायने में खत्म करने का। अक्सर कहा जाता है कि आरक्षण गरीबों के लिए है। लेकिन सच्चाई यह है कि जाति के आधार पर दिया गया आरक्षण गरीबी को खत्म नहीं करता, वह गरीबी को जाति से जोड़ देता है।

आज जरूरत है आर्थिक आधार पर मदद की। अगर किसी भी वर्ग का बच्चा गरीब है, उसे किताबें नहीं मिल रही, कोचिंग नहीं मिल रही, तो सरकार उसे पढ़ने के लिए पैसा दे, छात्रवृत्ति दे, हॉस्टल दे। उसे दौड़ने के लिए जूते दो, लेकिन दौड़ में उसे पहले ही विजेता घोषित मत करो।

सिंधु नदी पर भारत के 36 बांध से लद्दाख का कायाकल्प

अशोक भाटिया

दक्षिण एशिया की भूराजनीति में पानी हमेशा से केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अचूक हथियार रहा है। हाल ही में भारत सरकार और लद्दाख प्रशासन द्वारा सिंधु नदी और उसकी सहायक उप-नदियों पर एक साथ 36 नए रॉक डैम बनाने के मेगा प्रपोजल ने इस क्षेत्र की जल-भूराजनीति में एक नया भूचाल ला दिया है। मुख्यधारा के मीडिया और रक्षा गलियारों में 'भारत का बड़ा धमाका' कहे जा रहे इस कदम ने सीमा पार पाकिस्तान में भारी हड़कंप मचा दिया है। पाकिस्तान, जो पहले से ही गहरे आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और खराब जल प्रबंधन से जूझ रहा है, के लिए सिंधु नदी के ऊपरी जलप्रवाह क्षेत्र में भारत की यह सक्रियता एक गंभीर अस्तित्वगत संकट की तरह देखी जा रही है। यह परियोजना केवल लद्दाख के ठंडे मरुस्थल को हरा-भरा करने का एक स्थानीय प्रयास मात्र नहीं है, बल्कि यह नई दिल्ली द्वारा इस्लामाबाद को दिया गया एक बेहद कड़ा और स्पष्ट रणनीतिक संदेश है। यह कदम दिखाता है कि भारत अब सिंधु जल संधि की तकनीकी कमियों और अपनी भौगोलिक स्थिति का उपयोग अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और सुरक्षा हितों को सुरक्षित करने के लिए पूरी आक्रामकता से करने के लिए तैयार है।

इस पूरी परियोजना के मूल में लद्दाख की अनूठी और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां हैं। लद्दाख को एक 'शीत मरुस्थल' कहा जाता है, जहां वार्षिक वर्षा नगण्य होती है और कृषि पूरी तरह से ग्लेशियरों के पिघलने से आने वाले पानी पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहे हैं, जिससे सर्दियों और गर्मियों के शुरुआती महीनों में पानी का भारी संकट पैदा हो जाता है। ऐसे में लद्दाख प्रशासन ने एक बेहद व्यावहारिक, पर्यावरण-अनुकूल और किफायती समाधान खोजा है—रॉक डैम तकनीक। पारंपरिक रूप से बनने वाले कंक्रीट के विशालकाय बांधों के विपरीत, ये रॉक डैम स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों, कंकड़-पत्थरों और मिट्टी से निर्मित किए जाते हैं। इस मेगा प्रोजेक्ट की सबसे हैरान करने वाली बात इसकी लागत है; मात्र 56 करोड़ के अनुमानित बजट में सभी 36 बांधों को तैयार करने का प्रस्ताव है। यह दुनिया का सबसे सस्ता और अत्यधिक प्रभावी इरीगेशन मॉडल साबित होने जा रहा है। इसका एक सफल पायलट प्रोजेक्ट पहले ही लेह में देखा जा चुका है, जहां महज 7 दिनों के भीतर और केवल 10 लाख रुपये की लागत से एक रॉक डैम खड़ा कर दिया गया था। जब ये 36 बांध पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएंगे, तो इनसे लद्दाख की लगभग 18,600 एकड़ सूखी और बंजर भूमि को नियमित रूप से सिंचाई का पानी मिल सकेगा। यह तकनीक स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बिना कोई नुकसान पहुंचाए सर्दियों के दौरान बह जाने वाले अतिरिक्त पानी को रोककर भूजल स्तर को रीचार्ज करेगी और गर्मियों के लिए पानी का संचय करेगी, जिससे स्थानीय जनजातीय आबादी की आर्थिक और खाद्य सुरक्षा को एक नई ताकत मिलेगी।

भारत के इस कदम से पाकिस्तान के भीतर जो खलबली मची है, उसके पीछे गहरे ऐतिहासिक और भौगोलिक कारण हैं। सिंधु नदी तंत्र को पाकिस्तान की 'लाइफलाइन' या जीवनरेखा कहा जाता है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि सीधे तौर पर सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के बेसिन पर निर्भर है। पाकिस्तान की पूरी खाद्य सुरक्षा, कपड़ा उद्योग (जो उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है), और जलविद्युत उत्पादन इसी नदी तंत्र के पानी से संचालित होते हैं। ऐसे में जब भारत सिंधु नदी के मुख्य प्रवाह क्षेत्र में 36 नई संरचनाएं बनाने की घोषणा करता है, तो पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियां और जल नीति विशेषज्ञ इसे एक बड़े खतरे के रूप में देखते हैं। तकनीकी रूप से भले ही ये रॉक डैम पानी को पूरी तरह से रोकने या मोड़ने वाले विशाल जलाशय न हों, लेकिन पाकिस्तान को डर है कि ऊपरी प्रवाह पर इतनी बड़ी संख्या में नियंत्रण बिंदु स्थापित करके भारत ने भविष्य के लिए एक बहुत बड़ा रणनीतिक लाभ हासिल कर लिया है। पाकिस्तान को यह आशंका सता रही है कि सूखे के दिनों में भारत इन बांधों के माध्यम से पानी के प्रवाह को धीमा कर सकता है या अपनी जरूरत के हिसाब से पानी को संचित कर सकता है, जिससे पाकिस्तान के निचले मैदानी इलाकों में कृषि पूरी तरह ठप हो सकती है। पानी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह डर केवल काल्पनिक नहीं है, बल्कि उसके अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बन गया है। इस पूरे घटनाक्रम को 1960 में हुई ऐतिहासिक सिंधु जल संधि के चश्मे से देखना बेहद जरूरी है। विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई इस संधि के तहत छह नदियों के पानी को दोनों देशों के बीच विभाजित किया गया था, जिसमें तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास, सतलुज) पर भारत को पूर्ण अधिकार दिया गया और तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) का अधिकांश पानी पाकिस्तान को आवंटित किया गया। हालांकि, इस संधि में भारत को पश्चिमी नदियों पर 'रन-ऑफ-द-रिवर' परियोजनाओं के तहत घरेलू उपयोग, सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिए सीमित उपयोग की अनुमति दी गई है। भारत का यह नया रॉक डैम प्रोजेक्ट पूरी तरह से संधि के इसी दायरे के भीतर आता है क्योंकि ये बांध पानी के प्राकृतिक मार्ग को स्थायी रूप से अवरुद्ध नहीं करते, बल्कि केवल उसके वेग को नियंत्रित कर जल संचयन करते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में भारत का रुख इस संधि को लेकर बेहद कड़ा हुआ है। सीमा पार से लगातार जारी आतंकवाद और विशेष रूप से हाल के वर्षों में पुंछ और पहलगाम जैसे क्षेत्रों में हुए आतंकी हमलों के बाद भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि ₹रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते।₹ भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा और उसमें संशोधन के लिए पाकिस्तान को औपचारिक नोटिस भी जारी किए हैं। वर्तमान भूराजनीतिक परिदृश्य में लद्दाख में इन 36 बांधों के निर्माण को भारत की इसी नई और आक्रामक जल-नीति के क्रियान्वयन के रूप में देखा जा रहा है, जहां भारत अब बिना किसी हिचकिचाहट के अपने कानूनी अधिकारों का पूर्ण उपयोग जमीन पर कर रहा है।

लद्दाख में 36 रॉक बांधों का निर्माण केवल स्थानीय विकास की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक चतुर और दूरदर्शी 'वॉटर डेटरेंस' का हिस्सा है। पिछले कई दशकों से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ छद्म युद्ध और आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बना रखा था, और भारत इस पर राजनयिक और सैन्य स्तर पर प्रतिक्रिया देता था। लेकिन अब भारत ने जल संसाधनों को एक रणनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

जंतर-मंतर : रीलों की क्रांति

विवेक रंजन श्रीवास्तव

दिल्ली का जंतर-मंतर कभी लोकतंत्र की धड़कन है। अब कभी-कभी लगता है, यह विरोध का मंच कम और कंटेंट क्रिएशन स्टूडियो ज़्यादा हो गया है। यहाँ आंदोलन शुरू होने से पहले कैमरे ऑन होते हैं और समाप्त होने से पहले रील अपलोड हो जाती है।

आज की क्रांति का पहला सवाल यह नहीं होता कि मुद्दा क्या है? बल्कि यह कि ब्रो, रील वायरल हुई कि नहीं? व्यूज कितने हैं?

लोकतंत्र में असहमति ऑक्सीजन है। सत्ता से सवाल पूछना नागरिक का अधिकार ही नहीं, उसका कर्तव्य भी है। लेकिन सवाल और शोर में, प्रतिरोध और प्रदर्शन में, आंदोलन और इवेंट मैनेजमेंट में एक महीन-सी रेखा होती है। अफ़सोस, आज वह रेखा अक्सर कैमरे के फ़िल्टर में गायब होती जा रही है।

इतिहास गवाह है कि जिन आंदोलनों ने समाज बदला, उनके हाथों में केवल तख्तियाँ नहीं थीं, उनके मस्तिष्क में अध्ययन, हृदय में संवेदना और दृष्टि में समाधान था। उन्होंने व्यवस्था को केवल गरियाया नहीं, उसके बेहतर विकल्प भी गढ़े।

आज कई बार लगता है कि कुछ युवाओं ने संविधान से पहले महज कैप्शन पढ़ रखा है और विचारधारा से पहले एल्गोरिदम समझ लिया है। नारे कंठस्थ हैं, लेकिन विषय का अध्ययन स्किप ऐड कर दिया गया है। दृश्य लगभग तय रहता है... एक हाथ में पोस्टर, दूसरे में स्मार्टफ़ोन। माइक सामने, कैमरा ऑन... और भाषा सीधे सड़क से फिसलकर बाजू की नाली में। आजकल कुछ लोगों ने शालीनता को क्रिंज घोषित कर दिया है। गाली देना बोल्डनेस है, बदतमीज़ी सैवेज एनर्जी है और अशिष्टता अनफ़िल्टर्ड पर्सनैलिटी ।

और यह बीमारी अब लड़का-लड़की नहीं देखती। जेन जी को कंधे से कंधे मिलाकर बढ़ती देख खुशी होती, पर जेन जी समझ लें कि कपड़ों या भाषाई स्तर की गिरावट से आंदोलन की वैचारिक सफलता संभव नहीं होती। कुछ युवा लड़कियाँ भी यह मान बैठी हैं कि पुरुषों जैसी गालियाँ देना ही बराबरी का सबसे बड़ा चरित्र प्रमाणपत्र है। मानो नारी सशक्तिकरण का अंतिम अध्याय शब्दों की मर्यादा तोड़ने के बाद ही पूरा होता हो। जिन होंठों से समाज बेहतर संवाद की उम्मीद करता है, वहाँ यदि केवल अपशब्दों की आतिशबाज़ी हो, तो वह समानता नहीं, भाषा की सामूहिक पराजय है। समान अधिकारों का अर्थ अभद्रता कभी नहीं हो सकता।

हर तीसरी रील का कैप्शन है , रिस्पेक्ट एवरीवन और वीडियो शुरू होते ही सम्मान सबसे पहले धज्जी धज्जी कर दिया जाता है। लगता है जैसे संस्कार अब अनइंस्टॉल हो चुके हैं और सभ्यता का नया वर्ज़न अभी डाउनलोड होना बाकी है।

आंदोलन की ऊँचाई डेसीबल से नहीं, विचार से मापी जाती है। भीड़ जुटा लेना मात्र नेतृत्व नहीं होता और ट्रेंड कर जाना इतिहास नहीं बनाता। एल्गोरिदम आपको वायरल बना सकता है, पर विचार ही आपको कालजयी बना सकता है। व्यवस्था की कमियाँ गिनाना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है यह बताना कि उन्हें सुधारा कैसे जाए। केवल समस्या बताना सक्रियता है। समाधान प्रस्तुत करना बौद्धिक उत्तरदायित्व है। जेन जी खूब पढ़ी लिखी दुनिया अपने इंस्टा में समेट रही पीढ़ी है।

यह सकारात्मक समाधान के साथ सामने आ सकती तो जेन एक्स को और भी खुशी होती। लोकतंत्र को हठ नहीं, विमर्श चाहिए।

बदला लेने से अच्छा हैं माफ करना : मौनी रॉय

आज के दौर में जब सोशल मीडिया पर बदले और रिश्तों में मिले धोखे को लेकर तमाम तरह की बातें देखने को मिलती हैं, मौनी रॉय का नजरिया इससे काफी अलग है। चोट, धोखे और निराशा से निपटने के बारे में मौनी का मानना है कि किसी के किए हुए दर्द को अपने भीतर लंबे समय तक ढोने से सबसे ज्यादा नुकसान खुद को ही होता है । उसके अनुसार, जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए माफ करना और चीजों को जाने देना बेहद जरूरी है।

मौनी ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ उसके सोचने का तरीका भी बदला है। उसने कहा कि जब वह कम उम्र की थी, तब वह आसानी से माफ तो कर देती थी, लेकिन किसी घटना को भूल नहीं पाती थी ।

समय के साथ उसकी निजी और आध्यात्मिक यात्रा ने उसे यह समझने में मदद की कि कुछ चीजों को छोड़ देना ही बेहतर है। उसका विश्वास है कि ईश्वर धीरे-धीरे उन चीजों को भुलाने की शक्ति देता है, जो कभी बहुत गहरी चोट पहुंचाती हैं ।

'अगर नहीं छोड़ेंगे तो सबसे ज्यादा तकलीफ आपको होगी '

मौनी ने बताया कि वह दिल में कड़वाहट या शिकवा - शिकायत रखना पसंद नहीं करती । उसने बदले की भावना को समझाने के लिए एक बेहद सरल उदाहरण दिया । उसका कहना है कि किसी के प्रति गुस्सा या नाराजगी को पकड़े रखना ऐसा है, जैसे कोई व्यक्ति अपने हाथ में गर्म कोयला पकड़े रहे। जाहिर है, जलन उसी के हाथ को होगी जो उसे पकड़े हुए है।

उसके अनुसार, अगर हम किसी व्यक्ति द्वारा दिए गए दर्द को अपने मन में पकड़े रहते हैं और उसे भूलने के लिए तैयार नहीं होते, तो अंततः तकलीफ हमें ही होती है। कई बार ऐसा भी होता है कि जिस व्यक्ति ने हमें चोट पहुंचाई, वह खुद उस घटना के बारे में सोच भी नहीं रहा होता। ऐसे में उसके किए की कर देना सजा खुद को देते रहना किसी भी तरह सही नहीं है।मौनी के लिए इस सोच तक पहुंचना उसकी आध्यात्मिक यात्रा का भी हिस्सा रहा है । वह ध्यान, मंत्र - जप और दूसरी आध्यात्मिक गतिविधियों को अपने जीवन में महत्व देती है । उसका मानना है कि इन चीजों ने उसे मानसिक शांति पाने और बीती हुई बातों को स्वीकार करके आगे बढ़ने में मदद की है।

हर किसी को माफ करना आसान नहीं

हालांकि मौनी यह भी मानती है कि हर व्यक्ति को आसानी से माफ कर देना हमेशा संभव नहीं होता । दुनिया में ऐसे लोग भी होते हैं जो जानबूझकर दूसरों को दुख पहुंचाते हैं और अपने व्यवहार से नकारात्मकता फैलाते हैं। मौनी ने स्पष्ट किया कि वह किसी व्यक्ति को ' बुरा नहीं कह रही है, बल्कि उसके भीतर मौजूद बुरी प्रवृत्तियों और गुणों की बात कर रही है।

यही वजह है कि उसका संदेश केवल यह नहीं है कि हर गलत व्यवहार को नजरअंदाज कर दिया जाए। बल्कि वह इस बात पर जोर देती है कि किसी दूसरे के नकारात्मक व्यवहार को अपने मन पर हमेशा के लिए हावी न होने दिया जाए।

बदले की जगह कर्म पर भरोसा

मौनी का नजरिया उन लोगों के लिए एक अलग संदेश देता है, जो चोट लगने के बाद बदला लेने के बारे में सोचते रहते हैं। उसके अनुसार, हर हिसाब खुद चुकाने की जरूरत नहीं होती । कुछ चीजें वक्त और कर्म पर छोड़ देना ही बेहतर है ।उसकी सोच में बदला लेने से ज्यादा महत्वपूर्ण है खुद उस दर्द से बाहर निकालना । आखिरकार, किसी दूसरे व्यक्ति की गलती के कारण अपनी मानसिक शांति खोते रहना उस व्यक्ति को अपने जीवन में जरूरत से ज्यादा जगह देने जैसा है।

4 साल में खत्म हुई शादी

गौरतलब है कि मौनी का हाल ही में तलाक हुआ है। उसने सूरज नांबियार के साथ लंबे रोमांस के बाद 2022 में शादी की थी लेकिन शादी के 4 साल बाद वे अलग हो गए और दोनों ही अब अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं।

'बिग बॉस 20' को लेकर भी चर्चा में मौनी

इस बीच सलमान खान के लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' को लेकर भी मौनी का नाम चर्चा में है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शो के निर्माताओं ने उससे संपर्क किया है और शो का हिस्सा बनने के लिए उसे मोटी रकम की पेशकश की गई है। मौनी और शो के निर्माताओं के बीच बातचीत चल रही है।

खुद किया था शादी के लिए प्रपोज : कनिका कपूर

'बेबी डॉल' जैसे गीतों से देशभर में पहचान बनाने वाली कनिका कपूर ने अपनी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। बचपन से संगीत का शौक रखने वाली कनिका ने कम उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था, लेकिन शादी के बाद लंदन जाना, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां संभालना और फिर तलाक के बाद अपने दम पर करियर खड़ा करना - उसकी जिंदगी का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा । उसने संगीत की पढ़ाई की 'और संगीत के शौकको करियर में बदलने का सपना देखा । हालांकि, जिंदगी ने उसके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। 18 साल की उम्र में कनिका की शादी राज चंडोक से हो गई और वह लंदन चली गई ।

शादी के बाद वह 3 बच्चों की मां बनी । जिम्मेदारियों के बीच उसका संगीत करियर पीछे छूट गया, लेकिन संगीत के प्रति लगाव कभी खत्म नहीं हुआ । कनिका ने बताया कि शादी की 10वीं सालगिरह पर उसने पति से किसी महंगे तोहफे की जगह अपना म्यूजिक एल्बम रिकॉर्ड करने की इच्छा जताई थी । उसने अपने गैराज को ही स्टूडियो बदल लिया था। यह किस्सा बताता है कि पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच भी संगीत उसके जीवन से कभी पूरी तरह दूर नहीं हुआ । हालांकि, उसकी शादीशुदा जिंदगी ज्यादा समय तक नहीं चल सकी और 2012 में उसका तलाक हो गया। तलाक के बाद कनिका ने अपने बच्चों के लिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का फैसला किया। उसके अनुसार आर्थिक आजादी ने उसे आत्म सम्मान दिया और कनिका कपूर अपने फैसले खुद लेने का हौसला भी । तलाक के बाद कनिका ने संगीत की दुनिया में वापसी की।

2012 में उसके गाने ' जुगनी जी' को लोकप्रियता मिली, लेकिन 2014 में रिलीज हुआ 'रागिनी एम. एम. एस. 2' का गाना 'बेबी डॉल' उसके करियर का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ और कुछ ही समय में वह बॉलीवुड की जानी-पहचानी पार्श्व गायिकाओं में शामिल हो गई ।

कनिका की निजी जिंदगी का एक दिलचस्प पहलू उसकी दूसरी शादी भी है । उसने अपने दोस्त और कारोबारी गौतम हाथीरमानी को खुद शादी के लिए प्रपोज किया था दिलचस्प बात है कि जब कनिका ने पहली बार उससे यह बात कही, तो गौतम को लगा कि वह मजाक कर रही है।

कनिका ने हालांकि हार नहीं मानी और करीब 6 साल बाद एक बार फिर उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। इस बार गौतम समझ गया कि वहपूरी तरह गंभीर है।

मलायका' का इश्क वाला फार्मूला 'प्यार' का 'उम्र' से नहीं कोई लेना-देना

बॉलीवुड की ग्लैमरस अदाकारा मलायका अरोड़ा की लव लाइफ एक बार फिर गॉसिप गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। अरबाज खान से तलाक के बाद अर्जुन कपूर. के साथ लंबे रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरीं।

फिटनैस शो में नजर आई। इस दौरान दोनों ने जिम में खूब एक्सरसाइज की और फिटनैस के महत्व पर बातचीत की।

मलायका ने कहा कि अपनी बॉडी की जरूरतों को समझना और प्रैक्टिकल होकर फिटनेस पर ध्यान देना जरूरी है। वह कहती है, "बस इसे एक 'बैज' की तरह पहनें । ग्रेसफुली उम्र बढ़ने दें। उम्र सिर्फ एक नम्बर है। चाहे आप 20 के हों या 60 के, आप कमाल के हैं ।

उसने लोगों को बहानों से बचने की सलाह दी और कहा, कई लोग बहाने बनाते हैं- आज वर्कआऊट नहीं करना है, जिम फ्री नहीं है... बहाने

अब डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता के साथ उसके कथित रिश्ते की खबरों ने चर्चाओं को और हवा दे दी है। रिपोर्ट्स में हर्ष को मलायका से करीब 19 साल छोटा बताया जा रहा है। यही वजह है कि सवाल उठने लगा है। मत कि क्या मलायका को खुद से कम उम्र के लड़के ही पसंद आते हैं ?

एक पॉडकास्ट में एक सीनियर एंटरटेनमैंट जर्नलिस्ट ने इस पर दिलचस्प राय रखी। उसका कहना था कि आत्मनिर्भर और सफल महिला के लिए उम्र कोई बड़ी बाधा नहीं होनी चाहिए । किसी महिला का अपने से कम उम्र के पुरुष को डेट करना बिल्कुल सामान्य बात है।

उसने यह भी सवाल किया कि

जब पुरुष खुद से काफी कम उम्र की महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में होते हैं तो उनकी उम्र के अंतर को लेकर उनी चर्चा या सवाल क्यों नहीं किए जाते? हालांकि, हर्ष मेहता के साथ रिश्ते की मलायका ने कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। ऐसे में फिलहाल ये चर्चाएं सिर्फ रिपोर्ट्स और अफवाहों तक सीमित हैं।

मलायका का 'फिटनेस' मंत्र मलायका 52 साल की उम्र में भी फिटनेस को लेकर बेहद गंभीर है और इसके लिए लगातार मेहनत करती है। हाल ही में वह सोफी चौधरी के बनाइए, बस जिम जाइए। वह यह भी कहती है कि डाइट पर भी सबको ध्यान देना चाहिए। 'दूसरों को खुश करने की जरूरत नहीं' मलायका ने सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और आलोचनाओं को लेकर भी खुलकर अपनी बात रखी है। उसने कहा कि अब उसने अपनी अंदरूनी खुशी और मानसिक शांति को संभालना सीख लिया है।

एक इंटरव्यू में उसने बताया कि इंटरनैट पर बहुत शोर होता है, लेकिन हर राय जरूरी या समझदारी भरी नहीं होती । उसने कहा कि अगर कोई अपनी खुशी को दूसरों की सोच पर छोड़ दे, तो वह कभी सच्ची खुशी महसूस नहीं कर सकता ।

दुनिया अब पहले से ज्यादा डरावनी है : 'सोहा अली खान '

सोहा अली खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती है। हालांकि, बीते कुछ दिनों में उसने अपनी बेटी से जुड़ी पोस्ट साझा करना कम कर दिया है।कार्यक्रम में उसने इसके पीछे का कारण बताया । सोहा ने कहा कि वह अपनी बेटी की डिजिटल सुरक्षा के लिए ऐसा कर रही है। सोहा ने कहा, "जब इनाया छोटी थी, तब हमने उसकी तस्वीरें कई पोस्ट में साझा की थीं। तब से लेकर अब तक दुनिया बदल गई है और पहले से ज्यादा डरावनी हो गई है। मुझसे बहुत से लोग सवाल करते हैं कि अब आप उसकी तस्वीर क्यों नहीं पोस्ट करते ? वे कहते हैं कि हम जानते हैं कि आपकी बेटी कैसी दिखती है । आपने पहले भी उसकी तस्वीरें पोस्ट की हैं, तो अब क्यों नहीं ? मैं कहना चाहती हूं कि मैंने पहले कुछ किया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अब जो कर रही हूं उसे बदल नहीं सकती । '

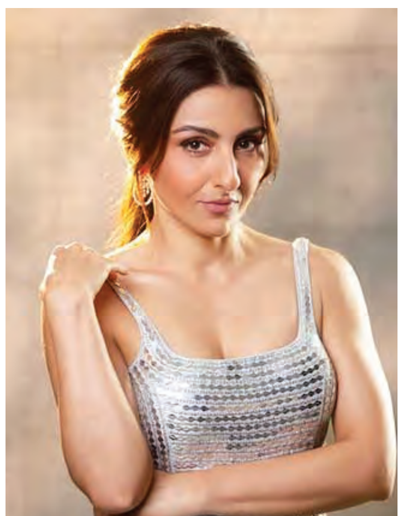

तस्वीरों के दुरुपयोग पर बोली

सोहा ने सोशल मीडिया में तस्वीरों के दुरुपयोग पर भी चर्चा करते हुए कहा, "हम उसकी तस्वीरें इंटरनैट पर साझा नहीं करते क्योंकि उनका गलत अर्थ निकाला जा सकता है और उनसे गलत काम किए जा सकते हैं। मुझे इस बारे में विस्तार से बताने की जरूरत नहीं है कि कितनी घिनौनी हरकतें होती हैं। अब तो छोटे बच्चों के बारे में कुछ भी पोस्ट करने से पहले उनकी भी सहमति होनी चाहिए। भविष्य में मैं उसकी प्राइवेसी के अधिकार का पूरा सम्मान करूंगी, क्योंकि मैंने बड़े होने के दौरान उसकी जिंदगी का बहुत सारा हिस्सा शेयर किया होगा ।

सोहा ने कुणाल खेमू से शादी की है। पूर्व क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की बेटी सोहा ने 'रंग दे बसंती', 'दिल मांगे मोर' जैसी फिल्मों, वहीं कुणाल ने 'कलयुग', 'लूटकेस', 'गोलमाल अगेन' जैसी फिल्मों में काम किया है।

एक्टर नहीं बल्कि कुछ और बनना चाहते थे अमिताभ बच्चन, एग्जाम में हुए फेल तो बदल लिया सपना

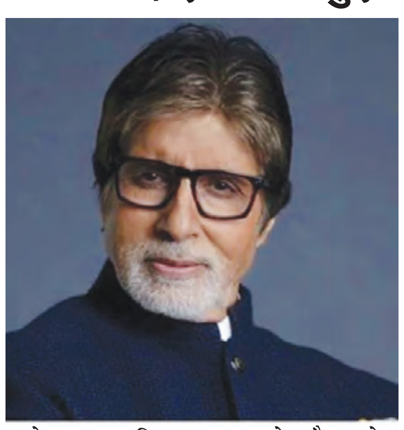

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 में अपनी पढ़ाई की मुश्किलों को याद करते हुए पुरानी बातें कीं और बताया कि वह कभी इंडियन फॉरेन सर्विस में अपना करियर बनाना चाहते थे।

मेगास्टार ने यह किस्सा अपने बचपन के दिनों और ग्रेजुएशन के दौरान के अपने अनुभवों के बारे में बताते हुए शेयर किया। उन्होंने याद किया कि कैसे उनके पिता, मशहूर कवि डॉ. हरिवंश राय बच्चन ने ग्रेजुएशन पूरा करने की अहमियत पर ज़ोर दिया था। "जैसे हमारे जमाने में मेरे बाबूजी बोलते थे कि ग्रेजुएशन करना बहुत जरूरी है और क्या हैं हमने साइंस लिया था और वहीं पहला जो लेक्चर था, उसमें जो स्कूल में, 10 साल में पढ़ा था वो पूरा कवर हो गया और लगा गलती करती सब्जेक्ट लेके और एग्जाम में फेल हो गए फिर वो जो होता है एटीकेटी में 2 पॉइंट से पास हो गए, बताना मत किसी को।

हमारे जमाने में, मेरे पापा मुझसे कहते थे कि ग्रेजुएशन पूरा करना बहुत जरूरी है। मैंने साइंस लिया था और पहले ही लेक्चर में, मैंने स्कूल में 10 साल में जो कुछ भी पढ़ा था, वह सब कवर हो गया था। मुझे लगा कि मैंने सब्जेक्ट चुनकर गलती कर दी और एग्जाम में फेल हो गया। फिर, जिसे हम ATKT कहते थे, उससे मैं सिर्फ़ दो मार्क्स से पास हो गया। अमिताभ बच्चन ने यह भी याद किया कि एक समय था जब उन्होंने सिविल सर्विस देने और फॉरेन सर्विस करने के बारे में सोचा था। हालांकि, उन्होंने माना कि उन्हें इस फील्ड की इतनी जानकारी नहीं थी कि वे इस आइडिया को आगे बढ़ा सकें।

ऐसे बहुत सारे कंटेस्टेंट आते हैं जो बोलते हैं, उन्हें UPSC का एग्जाम देना है। फॉरेन सर्विस एक बहुत ही खूबसूरत जगह होती है और एक बात मैं भी बता दूं कि, एक जमाने में हमारे दिल में भी यही बात जागी थी कि हम IFS करें लेकिन हमें IFS का 'I' भी नहीं आता था इसलिए हमने हार मान ली और और वो छोड़ दिया।" जब उनसे पूछा गया कि वह अपनी प्राइज मनी का इस्तेमाल कैसे करना चाहती हैं, तो प्रगति ने कहा कि वह अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती हैं और IFS ऑफिसर बनने की दिशा में काम करना चाहती हैं। "सर, मैं आगे मेरी पढ़ाई जारी रखना चाहूंगी, मैं IFS बनाना चाहती हूं, इंडियन फॉरेन सर्विस। मतलब मेरी इच्छा है कि मैं IFS बनूं क्योंकि उसमें आपको मैरून पासपोर्ट मिलता है और डिप्लोमैट लिखा होता है, सर।" (सर, मैं अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती हूं और मैं एक IFS ऑफिसर, इंडियन फॉरेन सर्विस बनना चाहती हूं। मेरी हमेशा से यह इच्छा रही है कि मैं एक IFS ऑफिसर बनूं क्योंकि आपको मैरून पासपोर्ट मिलता है और उस पर 'डिप्लोमैट' लिखा होता है) प्रगति की इच्छाओं ने बच्चन को फॉरेन सर्विस के बारे में सोचने और अपने स्टूडेंट के दिनों के संघर्षों की अपनी पुरानी यादें शेयर करने के लिए प्रेरित किया।

खुशी से फूली नहीं समा रही 'अरोब खान'

सोशल मीडिया की दुनिया में कब कौन-सा पुराना गाना अचानक ट्रेंड करने लगे, कहा नहीं जा सकता। अब ऐसा ही कुछ गायिका और मॉडल अरोब खान के चर्चित गाने 'गुच्ची' के साथ हुआ है। पांच साल पहले रिलीज हुआ यह गाना एक बार फिर सोशल मीडिया पर छाया है और इसकी वजह बना है अभिनेता व नेता रवि किशन ।

इस गीत पर उसके एक डांस वीडियो के वायरल होते ही कई सितारों, इन्फ्लुएंसर्स और सोशल मीडिया यूजर्स 'गुच्ची' पर रील्स बनाने लगे ।

गाने की इस दूसरी पारी से अरोब बेहद खुश है। उसने बताया कि उसे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि 5 सा पुराना गाना इस तरह दोबारा वायरल होगा। रिलीज के समय भी 'गुच्ची' ने अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इतने वर्षों बाद नए श्रोताओं तथा दर्शकों के बीच इसकी लोकप्रियता उसके लिए सुखद सरप्राइज है।

रवि किशन के डांस से जुड़े मीम्स ने भी अरोब का खूब मनोरंजन किया । वह खुद सोशल मीडिया पर उसके मीम्स और हैशटैग सर्च करती थी और नई पोस्ट देखकर खुश होती थी ।

अरोब का मानना है कि किसी कलाकार के लिए इससे बड़ी खुशी क्या होगी कि वर्षों पहले बनाया गया गाना नई पीढ़ी तक फिर पहुंच जाए। हालांकि, इस 'वायरलिटी' के साथ उम्मीदों का दबाव भी बढ़ा है।

वह चाहती है कि आने वाले गानों के जरिए दर्शकों को उसकी पर्सनैलिटी का एक अलग ज्यादा भावुक पक्ष देखने को मिले । उसके अनुसार अब कई नए प्रोजैक्ट्स पर काम चल रहा है।

रीमेक और रीक्रिएशन को लेकर भी अब की राय साफ है । वह संगीत में प्रयोग के खिलाफ नहीं है, लेकिन अपने गानों की मूल पहचान से छेड़छाड़ पसंद नहीं करती। अगर उसके गाने किसी फिल्म में इस्तेमाल हों तो उसे खुशी होगी, मगर वह चाहेगी कि उन्हें मूल रूप में ही रखा जाए। उसके लिए प्रयोग के साथ प्रामाणिकता बनाए रखना बेहद जरूरी है। सोशल मीडिया की चमक के साथ ट्रोलिंग भी आती है, लेकिन अरोब नकारात्मक कमैंट्स को ज्यादा तवज्जो नहीं देती।

उसका मानना है कि हर व्यक्ति की पसंद अलग होती है। किसी को इमोशनल गाने पसंद हैं, तो किसी को एनर्जेटिक संगीत । इसलिए वह आलोचना को व्यक्तिगत तौर पर लेने के बजाय सकारात्मक चीजों पर ध्यान देती है । फिलहाल 'गुच्ची' की नई लोकप्रियता का आनंद ले रही अरोब की नजर अपने आगामी संगीत पर है ।

नेपाल में बाढ़, छत्तीसगढ़ भाजपा नेता की बेटी लापता

2 डॉक्टरों से संपर्क टूटा, एक यूके, दूसरी फिनलैंड में डॉक्टर, रायपुर के 5 लोग सुरक्षित

रायपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई बाढ़ में छत्तीसगढ़ के 2 लोग लापता हैं। इनमें अंबिकापुर की डॉ. मीना गुप्ता और बिलासपुर की डॉ. प्रियंका चौधरी शामिल हैं, वहीं बिलासपुर की ब्यूटीशियन मंजू राय चौधरी(65) के सुरक्षित होने की जानकारी मिली है। उनसे संपर्क की कोशिश जारी है। राज्य सरकार तीनों की जानकारी जुटा रही है।

अंबिकापुर के वरिष्ठ भाजपा नेता करता राम गुप्ता की बेटी डॉ. मीना गुप्ता कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गई थीं। बाढ़ के समय वे इमिग्रेशन सेंटर में थीं। उनके साथ यात्रा कर रहे करीब 80 लोगों से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।

बिलासपुर की डॉ. प्रियंका चौधरी से 25 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे उनकी मां की फोन पर बात हुई थी। प्रियंका ने बताया था कि वे चीन एंबेसी के पास इमिग्रेशन की प्रक्रिया के लिए जा रही हैं। इसके कुछ देर बाद बाढ़ की खबर आई और उनसे संपर्क टूट गया।

रायपुर की मोनिका यादव के लापता होने की सूचना के बाद प्रशासन ने उनके परिजनों से संपर्क कर लिया है। संबंधित एजेंसियों से उनकी स्थिति की जानकारी ली जा रही है। प्रशासन के मुताबिक रायपुर के 5 नागरिक सुरक्षित हैं और नेपाल से लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं।

रायपुर के महादेव घाट निवासी मोनिका यादव 22 अगस्त को नेपाल गई थीं। बाढ़ के बाद उनसे संपर्क टूट गया था। अब प्रशासन ने उनके परिजनों से संपर्क कर लिया है और उनकी स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है।

इसी तरह बिलासपुर की 65 वर्षीय मंजू राय चौधरी भी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गई थीं। उनके परिजनों से भी प्रशासन का संपर्क हो गया है। संबंधित एजेंसियों से जानकारी लेकर स्थिति की पुष्टि की जा रही है।

मंजू बिलासपुर से अकेले कलकत्ता गई थीं, जहां से 21 अगस्त को 30 लोगों के दल के साथ नेपाल रवाना हुईं। 25 अगस्त को परिजनों से आखिरी बार बात हुई थी। तीन सितंबर को उनकी वापसी होनी थी।

आपदा के बाद संपर्क टूटने पर परिवार ने प्रशासन से मदद मांगी। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया कि मंजू के सुरक्षित होने की जानकारी मिली है, उनसे संपर्क की कोशिश की जा रही है।

बिलासपुर की डॉ. प्रियंका चौधरी के पिता रमेश चौधरी ने बताया कि 25 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे उनकी बेटी की रोज की तरह मां से फोन पर बात हुई थी। प्रियंका ने बताया था कि वह चीन एंबेसी के पास इमिग्रेशन की प्रक्रिया के लिए जा रही हैं। इसके कुछ देर बाद नेपाल-तिब्बत सीमा पर बाढ़ की खबर आई और प्रियंका से संपर्क टूट गया।

हादसे की खबर के बाद परिवार ने फिनलैंड में रह रहे प्रियंका के पति से भी संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे भी बात नहीं हो सकी। मानसरोवर यात्रा पूरी करने के बाद प्रियंका को काठमांडू से दिल्ली और फिर रक्षाबंधन पर बिलासपुर आना था।

प्रियंका ने स्कूल की पढ़ाई बिलासपुर से की है। इसके बाद राजनांदगांव से बीडीएस, यूके से एमडीएस और फिनलैंड से पीएचडी की। वह करीब 10 साल से फिनलैंड में रह रही हैं।

रायपुर के माना क्षेत्र के दिनेश ओझा, प्रेम सिंह जगत, नारायण सेन, यतेंद्र प्रकाशी और दिनेश सिंह ठाकुर के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है।

पांचों 21 अगस्त को नेपाल गए थे। अब वे नेपाल से रायपुर लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं।

5 मंजिला अस्पताल में आग लगी : वार्डों में धुआं भरा

अफरा-तफरी मची, गोद में बच्चों को लेकर भागे परिजन

बरेली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में बरेली के 5 मंजिला नवोदय हॉस्पिटल में शनिवार सुबह आग लग गई। आग सुबह 10 बजे टॉप फ्लोर पर बने एक कमरे में लगी। कुछ ही देर में आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया।

देखते ही देखते धुआं पूरे अस्पताल में भर गया। जैसे ही फायर अलार्म वजा, अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। वार्डों में भर्ती मरीजों को उनके परिजन जैसे-तैसे बाहर लेकर भागने लगे।

नवजात बच्चों को उनके मां-बाप गोद में लेकर बाहर की ओर दौड़े। वहीं, अस्पताल कर्मी आईसीयू में एडमिट गंभीर मरीजों को स्ट्रेचर पर बाहर निकालकर लाए। जिस वक्त हादसा हुआ, उस वक्त हॉस्पिटल की ओपीडी भी भरी थी। आईसीयू समेत बाकी वार्डों में करीब 100 मरीज और तीमारदार थे। पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर टीम ने अस्पताल में बगल की बिल्डिंग से पानी डाला।

आरक्षण पर एनडीए में घमासान चिराग ने मांझी से इस्तीफा मांगा

कहा– सामाजिक असमानता मिटाना आरक्षण का उद्देश्य मांझी ने समीक्षा और क्रीमीलेयर की बात कही थी

पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में आरक्षण का मुद्दा गरमाता जा रहा है। एनडीए के अंदर दो सहयोगी दलों के बीच इस मुद्दे को लेकर घमासान मचा है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बीच आरक्षण को लेकर मतभेद खुलकर सामने आए हैं।

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने जीतन राम मांझी और उनके बेटे मंत्री संतोष कुमार सुमन के आरक्षण को लेकर दिए गए बयानों पर पलटवार किया है।

चिराग पासवान ने कहा कि अगर जीतन राम मांझी आरक्षण में क्रीमी लेयर का कॉन्सेप्ट लाना चाहते हैं तो पहले अपने पद से इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि आरक्षण को आर्थिक आधार से जोड़ने की कोशिश संविधान की मूल भावना से अलग होगी।

दरअसल, जीतन राम मांझी और उनके बेटे संतोष कुमार सुमन ने कहा था कि आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए और इसका लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए।

चिराग पासवान ने जीतन राम मांझी के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर वह आरक्षण में क्रीमी लेयर का कॉन्सेप्ट लागू करने की बात करते हैं तो उन्हें पहले अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनके बेटे संतोष कुमार सुमन बिहार सरकार में मंत्री हैं और वह भी इस विचार का समर्थन करते हैं तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

चिराग पासवान ने कहा कि यदि संविधान में बदलाव की जरूरत महसूस होती है तो सभी सांसदों को लोकसभा के पटल पर आकर इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। आरक्षण के मुद्दे को सिर्फ आर्थिक स्थिति से जोड़कर नहीं देखा जा सकता है।

चिराग पासवान ने आरक्षण की मूल अवधारणा को लेकर भी अपनी बात स्पष्ट की।

कोरबा में उफनते नाले में डूबी स्कॉर्पियो

कई घरों में घुसा नाले का गंदा पानी, छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिन लगातार बारिश का अलर्ट

रायपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर का दादर नाला उफान पर है। शनिवार सुबह नाला पार कर रही स्कॉर्पियो पानी के तेज बहाव में डूब गई। गाड़ी में सवार तीन दोस्तों ने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आधे घंटे बाद गाड़ी को भी बाहर निकाल लिया गया। बताया जा रहा है कि मना करने के बावजूद वे नाला पार कर रहे थे। घटना के बाद दोनों तरफ आवाजाही बंद कर दी गई है। वहीं, कोरबा जिले में लगातार बारिश के बाद कई वार्डों में पानी भर गया है।

नगर निगम क्षेत्र के आरपी नगर, चिमनी भट्ठा, शारदा विहार, अमरैया पारा, मोती सागर पारा, सीतामणी और मुड़ापार में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। चिमनी भट्ठा में 40 घरों और शारदा विहार अटल आवास में 12 से अधिक घरों में नाले का गंदा पानी घुसा है। मौसम विभाग ने आज कुछ जगहों पर गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना जताई है। मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। अगले दो दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है।

पिछले 24 घंटे में प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रहा। प्रदेश में अब तक मौसमी बारिश सामान्य से 2% कम है।

रायपुर में आज (29 अगस्त) गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। शहर का अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

भीम आर्मी का राजभवन मार्च फ्लॉप, 50 लोग पहुंचे

150 पुलिसकर्मी, सीआरपीएफ-30 थानेदार तैनात, 3 लेयर में बैरिकेडिंग, 70वीं बीपीएससी की जांच की मांग

पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पटना में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी ने आज अधिकार मार्च निकाला। इसमें 50 के करीब कार्यकर्ता नजर आए। ये मार्च फ्लॉप दिखाई दिया। गांधी मैदान से शुरू हुए मार्च को पुलिस ने जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था।

यहां 150 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। 30 थानेदारों को भी लगाया गया था। 3 लेयर में बैरिकेडिंग थी। पहला- बांस की बैरिकेडिंग, दूसरा-पुलिस के जवान, तीसरा-सीआरपीएफ जवान। प्रदेश अध्यक्ष जौहर आजाद के नेतृत्व में यह मार्च निकाला जा रहा था।

प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। पुलिस ने सभी को जेपी गोलंबर पर रोका। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। बैरिकेडिंग तोड़ने की भी कोशिश की गई। हालांकि यहां इनकी संख्या 50 के करीब थी।

प्रदर्शनकारियों से ज्यादा पुलिस वाले नजर आ रहे थे। पुलिस ने सभी को डिटेन कर लिया है।

अधिकार मार्च के पोस्टर में बीपीएससी की 70वीं परीक्षा की व्यापक जांच कराने और बीपीएससी चेयरमैन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इसके अलावा बिहार की सभी भर्तियों में 85 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू करने की भी मांग रखी गई है।

संगठन ने बीएसएससी-2 सीजीएल समेत अन्य परीक्षाओं को रद्द करने और दरोगा की 1799 पदों पर बहाली की न्यायिक जांच कराने की मांग भी पोस्टर के माध्यम से उठाई है।

पटना के जेपी गोलंबर पर भीम आर्मी के कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की संख्या 50 के करीब है। पुलिस सभी से लगातार लौटने की अपील कर रही है।

भीम आर्मी के कार्यकर्ता जेपी गोलंबर पर जुटे हैं। कार्यकर्ताओं की संख्या 50 भी कम है। पुलिस बैरिकेडिंग लगाकर सभी को रोक दिया गया है। यहां 150 से जवान तैनात हैं।

30 थानेदारों को लगाया गया है। पुलिसकर्मी कार्यकर्ताओं से लौटने को कह रहे हैं।

70 करोड़ की एमडी ड्रग्स मामले में आरोपी गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने कोर्ट परिसर से दबोचा, 5 साल से दे रहा था चकमा

इंदौर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। साल 2021 के बहुचर्चित 70 किलो एमडी ड्रग्स के मामले में फरार आरोपी अकरम (40) पिता असलम खान निवासी महाराष्ट्र को क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया। लंबे समय से क्राइम ब्रांच को उसकी तलाश थी। शनिवार को क्राइम ब्रांच ने मामले का खुलासा किया।

दरअसल, 70 किलो एमडी ड्रग्स की डील और 13 लाख 3 हजार 650 रुपए बरामदगी मामले में टीम लंबे समय से अकरम की तलाश में जुटी थी। अकरम के खिलाफ महाराष्ट्र में गंभीर आपराधिक मामले पहले से दर्ज है। वह स्क्रैप का काम करता है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने 6 जनवरी 2021 को मेफेड्रोन (एम.डी.ड्रग्स) की डील के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से कुल 70 किलो एमडी ड्रग्स जिसकी कीमत करीब 70 करोड़ रुपए और 13 लाख 3 हजार 650 रुपए नगदी बरामद की गई थी। मामले में जांच के बाद ओर भी धाराओं का इजाफा किया गया था। दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी की तलाश में थी। मुखबिर से मिली जानकारी पर टीम ने घेराबंदी की और कोर्ट परिसर से अकरम खान को दबोच लिया। अब उससे जानकारी निकाली जा रही है कि मामले में उसकी क्या भूमिका रही, ड्रग्स की सप्लाई नेटवर्क, सप्लायर, लेन-देन सहित अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जा रही है। आरोपी पर पूर्व में थाना मुंबई नाका, महाराष्ट्र में धारा 392,34 भादवि और धारा 3(1),3(2),4 महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट की कार्रवाई हो चुकी है।

बॉम्बे एचसी बोला– एफडीए अधिकारी खुद को भगवान समझते हैं क्या

न नियम पढ़ते– न कानून जानते, कार्रवाई कर देते, 5 रेस्टोरेंट को फूड लाइसेंस वापस मिले

मुंबई, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शनिवार को महाराष्ट्र के फूड डिपार्टमेंट के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा, अधिकारी न तो हमारा आदेश समझते हैं, न ही एक्ट। वे अपने नियम तक नहीं पढ़ते। न ही कानून जानते बस कार्रवाई कर देते हैं।

दरअसल मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। एफडीए ने 21 अगस्त को शुरुआती जांच के बाद क्लब के पांच आउटलेट के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए थे।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने नई रिपोर्ट के आधार पर पांचों रेस्टोरेंट को दोबारा खोलने की अनुमति दी। रिपोर्ट में सामने आया कि ये रेस्टोरेंट अब फूड सेफ्टी नियमों के 88% मानकों का पालन कर रहे हैं।

तुकाराम मुंढे, FDA कमिश्नर

कोर्ट की 2 टिप्पणी, एक सुझाव

खाद्य स्वच्छता सुनिश्चित करना जरूरी है, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई अनुपातिक और उचित होनी चाहिए। प्रतिष्ठानों को सुधार और नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना होना चाहिए, न कि तुरंत बंद करना। अधिकारी ने 'नौसिखिए' की तरह काम किया और उचित कारण बताए, बिना आदेश जारी कर दिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अधिकारी ने फूड सेफ्टी के तहत जरूरी कानूनी विश्लेषण नहीं किया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने एफडीए को एक नीति पर विचार करने का सुझाव भी दिया। कोर्ट ने कहा कि बड़े रेस्टोरेंट की अपनी वेबसाइट होनी चाहिए, जहां लोग हाइजीन, खाने और स्वाद को लेकर अपनी राय साझा कर सकें। एफडीए ने अपनी दलील में कहा था कि रेस्टोरेंट का संचालन मेसर्स शिर्के इन्फ्रास्ट्रक्चर कर रहा था, जबकि लाइसेंस एमसीए के नाम पर थे।

एफडीए ने शनिवार को कोर्ट को बताया कि वह एमसीए को नया नोटिस जारी करेगा और शिर्के इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ उसके कॉन्ट्रैक्ट को लेकर एमसीए का पक्ष सुनेगा।

दो पक्षों में पथराव घरों-दुकानों में तोड़फोड़

बिलासपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। बिलासपुर में शुक्रवार रात दो पक्षों के विवाद के बाद जमकर बवाल हो गया। कथित हिंदू विरोधी टिप्पणी की बात फैलने पर सैकड़ों लोग जुट गए। इसके बाद पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई। कई गाड़ियों, घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचा। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। भीड़ को काबू करने पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। पथराव में तारबाहर टीआई रवि तिवारी का सिर फट गया। एक आरक्षक समेत कई लोग घायल हुए। स्थिति संभालने कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह हेलमेट पहनकर मौके पर पहुंचे। जांजगीर-चांपा, मुंगेली और सीएएफ से अतिरिक्त बल बुलाया गया। तड़के 4 बजे तक थाने और आसपास भीड़ जुटी रही।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल होंगे राहुल गांधी

12 सितंबर को नेहरू स्टेडियम में कार्यक्रम तैयारियों को लेकर इंदौर में कांग्रेस नेताओं की बैठक

इंदौर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश कांग्रेस छात्रों के बीच अपनी सियासी पहुंच मजबूत करने की तैयारी में जुटी है। पार्टी बड़े स्तर पर 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए इंदौर के नेहरू स्टेडियम में 12 सितंबर को कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शामिल होंगे। हालांकि, उनके दौरे, कार्यक्रम की तारीख और स्थल को लेकर अंतिम फैसला अभी होना बाकी है।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निवास पर बैठक हुई। इसमें केबी बायजु, सतनारायण पटेल, शोभा ओझा, विपिन वानखेड़े, चिंटू चौकसे, सदाशिव यादव, संजय कामले, रीना बोरासी सहित अन्य नेता और

पदाधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर इंदौर में बैठक हुई। इसमें संभावित कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा, आयोजन स्थल और छात्रों की भागीदारी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए प्रदेश के दो शहरों इंदौर और जबलपुर के नाम सामने आए थे। इसके लिए इंदौर को चुना गया है, क्योंकि इंदौर प्रदेश का प्रमुख एजुकेशन हब है। शहर में बड़ी संख्या में कॉलेज और विश्वविद्यालय हैं, जिससे कार्यक्रम में बड़ी छात्र भागीदारी जुटाने की संभावना है।

कार्यक्रम के जरिए उठाएंगे छात्रों के मुद्दे

कांग्रेस की योजना इस कार्यक्रम के जरिए छात्रों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की है। साथ ही युवाओं के बीच पार्टी का संदेश पहुंचाने पर भी फोकस रहेगा। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की एआईसीसी पदाधिकारियों के साथ कार्यक्रम को लेकर प्रारंभिक चर्चा हो चुकी है।

अब इंदौर में चल रही बैठकों के बाद आयोजन की तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

एसडीएम की बेटी को एक्सपायर इंजेक्शन लगाया

सीएमओ ने दो फार्मासिस्ट सस्पेंड किए, दवा का गोदाम भी सील कराया

प्रतापगढ़, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ में शुक्रवार को एसडीएम की बेटी को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने का मामला सामने आया था। दो फार्मासिस्ट को उसी दिन शाम तक सस्पेंड कर दिया गया। शनिवार सुबह सीएमओ के निर्देश पर दवा का गोदाम सील करने की कार्रवाई भी की गई।

लालगंज एसडीम वाचस्पति सिंह की 8 साल की बेटी को तेज बुखार था। शुक्रवार दोपहर 3 बजे उसे ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। यहां फार्मासिस्ट ने ग्लूकोज में पैरासिटामोल इंजेक्शन डालकर बच्ची को लगा दिया। एसडीएम के नौकर ने इंजेक्शन की एक्सपायरी डेट देखते ही एसडीएम को बताया था।

एसडीएम ने डॉक्टर समेत अस्पताल के कर्मचारियों को भी फटकार लगाते हुए मामले की शिकायत सीएमओ से की थी। मामला जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर लालगंज क्षेत्र का का है।

लालगंज एसडीएम वाचस्पति सिंह की 8 साल की बेटी श्रेयसी सिंह को शुक्रवार दोपहर 3 बजे करीब तेज बुखार हो गया। एसडीएम ने आरोप लगाते हुए कहा था कि फार्मासिस्ट अरविंद कुमार शुक्ला ने स्टोर से एक्सपायरी पैरासिटामोल इंजेक्शन निकालकर फार्मासिस्ट देव कुमार दुबे को दिया।

देव ने बिना एक्सपायरी डेट की जांच किए यह इंजेक्शन बच्ची को लगा दिया। मेरे कर्मचारी ने एक्सपायरी पैरासिटामोल इंजेक्शन और ग्लूकोज को देखा। इसके बाद उसने तुरंत फार्मासिस्ट से इस बारे में पूछा। इस पर फार्मासिस्ट देव कुमार दुबे ने साफ जवाब नहीं दिया। एसडीएम ने स्टोर प्रभारी अरविंद कुमार शुक्ला पर अपने पद पर लापरवाही बरतने और स्टोर से एक्सपायरी इंजेक्शन जारी करने का आरोप लगाया।

सीएमओ डॉ. ए.एन. प्रसाद ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार को सीएचसी लालगंज और ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में दवाओं के स्टॉक, उनके रखरखाव की गहन जांच की गई।

निरीक्षण के अगले दिन शनिवार सुबह अस्पताल के स्टोर से एक्सपायरी दवाओं को सील कर दिया। इस दौरान स्टोर में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाएं मिलीं।

अस्पताल के स्टोर से बड़ी मात्रा में एक्सपायरी दवाएं मिलने के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। यह जांच का विषय है कि सरकारी अस्पताल में ये दवाएं इतने लंबे समय तक स्टोर में कैसे पड़ी रहीं। स्टॉक की नियमित जांच कौन करता था और एक्सपायरी दवाओं को समय रहते अलग करने की व्यवस्था क्यों नहीं की गई।

सीएमओ डॉ. ए.एन. प्रसाद ने बताया कि बच्ची को एक्सपायरी दवा लगाए जाने के मामले में जांच कमेटी गठित की गई है। लापरवाही बरतने वाले दो फार्मासिस्ट को सस्पेंड किया गया है। इस दौरान दो फार्मासिस्ट उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ), प्रतापगढ़ के कार्यालय से संबद्ध रहेंगे।

एक्टर चंद्रचूड़ की हवेली कब्जाई, चाची समेत 7 पर एफआईआर

भाई बोले– फर्जी वसीयत बनवाकर प्रॉपर्टी हड़पी, अब पुलिस डील करेगी

अलीगढ़, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अलीगढ़ में एक्टर चंद्रचूड़ सिंह की हवेली कब्जाने में उनकी चाची समेत 7 लोगों पर केस दर्ज हुआ है। चंद्रचूड़ के भाई अभिमन्यु सिंह ने इस मामले में रोरावर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने करोड़ों की जमीन और पुरानी हवेली के फर्जी वसीयत तैयार कराने के बाद प्रॉपर्टी पर कब्जा कर लिया।

अभिमन्यु सिंह ने पुलिस को बताया- हमारी जमीनें जलालपुर के आसपास कई गांवों में हैं। पुश्तैनी हवेली भी है, जिस पर चाची गायत्री देवी सिंह ने लोगों के साथ मिलकर कब्जा कर लिया है। इस मामले में सिविल कोर्ट में मुकदमा पहले से था, जिस पर अब क्रिमिनल एक्शन लिया है। अब आगे पुलिस ही डील करेगी।

चंद्रचूड़ सिंह 'माचिस, जोश, क्या कहना' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उनका परिवार अलीगढ़ के पुराने जमींदार परिवारों में गिना जाता है। उनके पिता कैप्टन बलदेव सिंह भारतीय सेना में अधिकारी रहे। वह 1985 में सदर विधानसभा सीट से विधायक बने थे। परिवार की जमीनें जलालपुर और आसपास के कई गांवों में फैली हैं। जमीनों पर छोटे-बड़े विवाद पहले भी होते रहे, लेकिन यह पहली बार मामला खुलकर सामने आया है।

चंद्रचूड़ के चाचा गंगा सिंह लंबे समय से स्वीडन में रहते थे। भाई की मौत के बाद गंगा सिंह जलालपुर हवेली में आकर रहने लगे। अक्टूबर-2025 में गंगा सिंह का निधन हो गया। उसके बाद से ही पुश्तैनी संपत्ति, हवेली और ट्रस्ट से जुड़ी जमीनों पर कब्जे और दावेदारी को लेकर परिवार में तनातनी बढ़ गई।

हमारे दादाजी अलीगढ़ के बहुत बड़े जमींदार थे। साल- 1997 में उनका निधन हुआ था। उनके निधन से ठीक एक दिन पहले एक फर्जी वसीयत तैयार कर ली गई थी। इस बड़े षड्यंत्र में परिवार के कुछ सदस्यों के साथ बाहरी लोग भी शामिल हैं। इस फर्जी वसीयत के जरिए सारी की सारी बेशकीमती जमीनें एक ही परिवार और दो लोगों के नाम ट्रांसफर कर दी गईं।

वसीयत का कोई प्रोबेट भी नहीं कराया गया था। चाचा गंगा सिंह की पत्नी और बेटे ने फर्जी तरीके से हवेली और जमीन पर कब्जा किया। उन लोगों ने बेहद शातिर तरीके से तहसील कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से राजस्व दस्तावेजों में हेर-फेर की। नाम बदलकर सालों तक इन जमीनों को अवैध रूप से बेचा है। मेरा परिवार लंबे समय से मुंबई में रह रहा था। अलीगढ़ से दूर रहने के कारण इस बात की भनक तक नहीं लगी कि पैतृक संपत्तियों को कब्जा कर बेचा जा रहा है। अब धोखाधड़ी की जानकारी पर लीगल टीम को काम पर लगा दिया है।

पैतृक संपत्ति में 1870 में बनी ऐतिहासिक हवेली द जलालपुर एस्टेट भी शामिल है। यह एक हेरिटेज प्रॉपर्टी है। सभी दस्तावेज निकाले गए हैं और उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई है।

न जेपी पावर, न वेदांता और न ही रिलायंस पावर... ये हैं देश की टॉप-5 पावर कंपनियां, तीन पर अदाणी का कब्जा!

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। टॉप पांच बिजली कंपनियाँः भारत में सैकड़ों पावर कंपनियां है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कंपनियों का बोल बाला है।

लेकिन आज हम देश की टॉप 5 पांच पावर कंपनियों की बात करेंगे, जो शेयर बाजार में लिस्टेड है। आपको लग रहा होगा कि भारत की टॉप फाइव पावर कंपनियों में वेदांता पावर, जेपी पावर और रिलायंस पावर जैसी कंपनियों का नाम होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। इन कंपनियों का नाम टॉप 10 और टॉप 15 में भी नहीं।

भारत की टॉप 5 पावर कंपनियां । भारत की शीर्ष पाँच बिजली कंपनियाँ

शेयर बाजार में लिस्टेड भारतीय कंपनियों में सबसे बड़ी पावर कंपनी गौतम अदाणी की है। गौतम अदाणी की अदाणी पावर का मार्केट कैप अन्य पावर कंपनी से सबसे ज्यादा है। अदाणी पावर का मार्केट कैप 410050.46 करोड़ रुपये से है। इस लिस्ट में अगला नाम भारत सरकार की कंपनी का है। यानी पावर सेक्टर में सरकारी कंपनी का भी बोलबाला है। मार्केट कैप के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी पावर कंपनी एनटीपीसी है। इसका मार्केट कैप 320038.47 करोड़ रुपये है। नंबर तीन पर भी सरकारी कंपनी है।

इसका नाम पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड है। पावर ग्रिड का मार्केट कैप 247442.56 करोड़ रुपये है। नंबर चार पर फिर अदाणी की कंपनी है। अदाणी की अदाणी ग्रीन एनर्जी भारत की चौथी सबसे बड़ी पावर कंपनी है। इसका मर्केट कैप 215944.79 करोड़ रुपये है। नंबर 5 पर भी अदाणी की है कंपनी है। भारत की 5वीं सबसे बड़ी पावर कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशन है। इसका मार्केट कैप 193398.02 करोड़ है।

वेदांता पावर, रिलायंस पावर और जेपी पावर का क्या है हाल

भारत की टॉप फाइव पावर कंपनियों के लिस्ट में न तो अनिल अग्रवाल की वेदांता पावर है, न अनिल अंबानी की रिलायंस पावर और न ही अदाणी की नई-नई कंपनी जेपी पावर है।

वेदांता पावर 19वें नंबर पर है। उसका मार्केट कैप 14327.66 करोड़ रुपये है। जेपी पावर 20वें नंबर पर है। जेपी पावर का मार्केट कैप 11527.52 करोड़ रुपये है और रिलायंस पावर 21वें नंबर पर है। उसका मार्केट कैप 9284.81 रुपये पर है।

वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका का कब्जा
डील ने कैसे बढ़ाई चीन की चिंता!

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के साथ एक बड़े ऑयल डील का ऐलान किया है. ट्रंप ने इसे दुनिया की सबसे बड़ी ऑयल डील बताया है. इस समझौते के तहत अमेरिका को वेनेजुएला के करीब 65 अरब बैरल तेल का भंडार पर कंट्रोल मिल गया है. वेनेजुएला के पास दुनिया में सबसे बड़ा तेल भंडार है. बावजूद इसके वेनेजुएला की माली हालत बहुत अच्छी नहीं मानी जाती है. अब अमेरिका से हुई डील के बाद वेनेजुएला को अच्छा-खासा पैसा मिलने की उम्मीद है, जिससे देश की किस्मत पलट सकती है. लेकिन इस डील से सबसे बड़ी झटका चीन को लगा है.

वेनेजुएला के पास कितना तेल?

वेनेजुएला के पास दुनिया में सबसे बड़ा तेल भंडार है. जमीन के नीचे करीब 303 अरब बैरल कच्चा तेल होने का अनुमान है. अमेरिकी एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, यह दुनिया के कुल तेल भंडार का करीब 17% है. एक्सपर्ट मानते हैं कि वेनेजुएला में तेल भंडार की ज्यादातर जगहों की जानकारी पहले से मौजूद है, लेकिन खराब इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण वेनेजुएला दुनिया के कुल तेल उत्पादन में करीब 1% ही योगदान देता है.

कितना पैसा कमाएगा वेनेजुएला

वेनेजुएला के साथ हुई हालिया डील के मुताबिक, अमेरिका को 65 अरब बैरल तेल का भंडार पर कंट्रोल मिल जाएगा. यह वेनेजुएला के कुल तेल भंडार का 5वां हिस्सा यानी करीब 20 प्रतिशत है. इस समझौते में 17 तेल क्षेत्रों को विकसित किया जाएगा. इससे देश के तेल उद्योग में करीब 100 अरब डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है. साथ ही वेनेजुएला को टैक्स के रूप में 209 अरब डॉलर से ज्यादा मिलने का अनुमान है. इस डील से वेनेजुएला में रोजगार समेत अन्य उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा.

अमेरिका को कितना फायदा?

ट्रंप के इस ऐलान का एक बड़ा मकसद अमेरिका में बढ़ती पेट्रोल कीमतों को कम करना भी माना जा रहा है. हालांकि, इस समझौते से अमेरिका को तुरंत सस्ता तेल मिलने की उम्मीद नहीं है. विशेषज्ञों का कहना है कि वेनेजुएला की तेल इंडस्ट्री की हालत खराब है. पुराने बुनियादी ढांचे को ठीक करने और उत्पादन बढ़ाने में कई साल और अरबों डॉलर लग सकते हैं. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका किसी निजी कंपनी के साथ मिलकर वेनेजुएला में एक नई निजी कंपनी बना सकता है. इस कंपनी को तेल क्षेत्रों को विकसित करने का 100 साल का अधिकार दिया जाएगा. नई कंपनी से खरीदा गया तेल अमेरिका के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व को भरने और सैन्य जरूरतों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा.

डील ने कैसे बढ़ाई चीन की चिंता!

वेनेजुएला इस समय हर दिन 10 लाख बैरल से भी कम तेल का उत्पादन करता है. जो दुनिया के कुल उत्पादन का 1% से भी कम है. इन 10 लाख बैरल में से वेनेजुएला केवल करीब आधा तेल ही दूसरे देशों को बेचता है. रॉयटर्स के अनुसार, वेनेजुएला से चीन को तेल की सप्लाई दिसंबर 2025 में औसतन 6 लाख बैरल प्रतिदिन से ज्यादा रही. यह चीन के कुल तेल आयात का करीब 4% था. इस अहम और लगातार मजबूत हो रही ऊर्जा साझेदारी का खत्म होना चीन के लिए रणनीतिक नुकसान हो सकता है. वहीं, इससे अमेरिका को आगे चलकर चीन पर दबाव बनाने का मौका मिल सकता है.

ई20 पेट्रोल पर कल आएगा बड़ा फैसला?
इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पेट्रोल में मिलाए जाने वाले इथेनॉल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 31 अगस्त को अहम सुनवाई होने वाली है। याचिका में केंद्र और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई है कि देश के हर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल में मिले इथेनॉल की सटीक मात्रा की जानकारी अनिवार्य और एक समान तरीके से दी जाए। सुप्रीम कोर्ट की 31 अगस्त की कॉज लिस्ट के मुताबिक, इस मामले की सुनवाई जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ करेगी।

क्या है याचिका में मांग?

नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि पेट्रोल पंप के हर डिस्पेंसिंग नोजल पर साफ और आसानी से दिखाई देने वाला लेबल लगाया जाए। इसमें यह बताया जाए कि बेचे जा रहे पेट्रोल में कितने प्रतिशत इथेनॉल मिला हुआ है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि ग्राहकों को दिए जाने वाले हर फ्यूल बिल पर भी इथेनॉल की मात्रा स्पष्ट रूप से लिखी जाए, ताकि उपभोक्ता को पेट्रोल खरीदते समय इसकी पूरी जानकारी मिल सके। याचिका में केंद्र से एक आधिकारिक और सार्वजनिक रूप से सर्च की जा सकने वाली व्हीकल-कम्पैटिबिलिटी डेटाबेस तैयार करने की मांग भी की गई है।

इसमें वाहन निर्माता, मॉडल, इंजन के प्रकार और निर्माण वर्ष के आधार पर यह जानकारी उपलब्ध हो कि कौन सी गाड़ी किस इथेनॉल ब्लेंड के लिए उपयुक्त है। इससे वाहन मालिकों को यह समझने में मदद मिल सकेगी कि उनकी गाड़ी ई20 या दूसरे इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के साथ कितनी अनुकूल है। इसके अलावा, अनाज और अन्य कृषि उत्पादों के ईंधन उत्पादन की ओर जाने से पशु चारे की उपलब्धता पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का भी अध्ययन करने की मांग की गई है।

डॉक्यूमेंट सार्वजनिक करने की मांग

याचिका में कहा गया है कि ई20 ईंधन के अनिवार्य रोल-आउट का समर्थन करने वाली सभी नीतिगत फाइलों, तकनीकी अध्ययनों, सुरक्षा मानकों और सार्वजनिक परामर्श के रिकॉर्ड को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखा जाए। याचिका में पुराने और ई20 के साथ अनुकूल नहीं होने वाले वाहनों के लिए एक समयबद्ध और पारदर्शी ट्रांजिशन फ्रेमवर्क बनाने की मांग की गई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	सिंह	मे	सिंह---05-12 बजे
चंद्र	मीन	मे	कन्या---07-18 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला---08-22 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक---11-33 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु---13-48 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर---15-52 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ---17-44 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन---19-21 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष---20-57 बजे
			वृष---22-40 बजे
			मिथुन---00-44 बजे
			कर्क---03-00 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि • **432000**
भोग्य कलि वर्ष. • **426873**
कलियुग संवत् • **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् • **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् • **1955885127**
सूर्योदय **06-01**
सूर्यास्त. **18-42**
दिशाशूल • पश्चिम • पान खाकर घर से निकले
मास • भाद्रपद कृष्ण पक्ष रविवार **30 August 2026**
तिथि • द्वितीया **09-37** तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र • उ.भाद्रपद **03-44** रात्रि तक उपरान्त रेवती
योग • शूल **03-45** तक गण्ड
करण • गर **09-37** तक उप वणिज

विशेष: पंचक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 16-57 से 18-30 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-01 - 07-36 अशुभ	शुभ 18-42 - 19-57 शुभ
चंचल 07-36 - 09-10 शुभ	अमृत 19-57 - 21-24 शुभ
लाभ 09-10 - 10-43 शुभ	चंचल 21-24 - 22-50 शुभ
अमृत 10-43 - 12-17 शुभ	रोग 22-50 - 00-17 अशुभ
काल 12-17 - 13-50 अशुभ	काल 00-17 - 01-43 अशुभ
शुभ। 13-50 - 15-24 शुभ	लाभ 01-43 - 03-10 शुभ
रोग 15-24 - 16-57 अशुभ	उत्पात 03-10 - 04-37 अशुभ
उत्पात 16-57 - 18-42 अशुभ	शुभ 04-37 - 06-01- शुभ

तेजी से बदला पेमेंट ट्रेंड, अब कार्ड से ज्यादा यूपीआई पर भरोसा, क्रेडिट-डेबिट कार्ड हुए पीछे

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में डिजिटल पेमेंट का तरीका तेजी से बदल रहा है. दुकानों और कारोबारियों को पैसे देने के लिए लोग अब क्रेडिट और डेबिट कार्ड की तुलना में यूपीआई का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं. इसका असर डिजिटल मर्चेंट पेमेंट मार्केट में साफ दिखाई दे रहा है. यूपीआई की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, जबकि कार्ड से होने वाले पेमेंट का हिस्सा घट रहा है. इक्विरस की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई में दुकानदारों और कारोबारियों को किए गए डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी बढ़कर 77.3% के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई. एक साल पहले जुलाई में यह आंकड़ा 74.9% था. वहीं, जून में यूपीआई की हिस्सेदारी 77.1% रही थी. यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है, जब भारत का डिजिटल मर्चेंट पेमेंट बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है. जुलाई में यह बाजार सालाना आधार पर 19.6% बढ़कर 11.7 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया. यानी डिजिटल पेमेंट का पूरा बाजार बढ़ रहा है और इस बढ़त का बड़ा हिस्सा यूपीआई के खाते में जा रहा है.

क्रेडिट कार्ड की हिस्सेदारी में गिरावट

दूसरी तरफ, क्रेडिट कार्ड की हिस्सेदारी में गिरावट आई है. जुलाई में मर्चेंट पेमेंट में क्रेडिट कार्ड की हिस्सेदारी 17.7% रही. एक साल पहले यह 19.8% थी. पिछले 12 महीनों का औसत भी करीब 19% रहा है. डेबिट कार्ड को इससे भी ज्यादा नुकसान हुआ है. जुलाई में मर्चेंट पेमेंट में डेबिट कार्ड की हिस्सेदारी घटकर 3.2% रह गई, जबकि एक साल पहले यह 3.9% थी. यानी जो खर्च पहले लोग सीधे बैंक खाते या डेबिट कार्ड से करते थे, उसका एक हिस्सा अब यूपीआई पर जा रहा है.

यूपीआई तेजी से आगे बढ़ा

पूरे रिटेल पेमेंट बाजार में भी यूपीआई तेजी से आगे बढ़ा है. केयरएज एनालिटिक्स एंड एडवाइजरी के अनुसार, एफवाई23 में रिटेल पेमेंट ट्रांजैक्शन में यूपीआई की हिस्सेदारी 73.6% थी, जो एफवाई27 की जून तिमाही में बढ़कर 86.8% हो गई. अब यूपीआई के सामने अगली चुनौती इसके सिस्टम को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखने की है. केयरएज के मुताबिक, सरकार कुछ बड़े मर्चेंट पेमेंट पर मामूली एमडीआर यानी पेमेंट शुल्क लगाने की व्यवस्था कर सकती है. हालांकि आम ग्राहकों के यूपीआई पेमेंट और सभी व्यक्ति-से-व्यक्ति पेमेंट मुफ्त रहने की उम्मीद है.

मर्चेंट पेमेंट की हिस्सेदारी 29%

केयरएज के अनुसार, कुल यूपीआई ट्रांजैक्शन वैल्यू में मर्चेंट पेमेंट की हिस्सेदारी 29% है. इनमें 2,000 रुपये से ज्यादा के पेमेंट की हिस्सेदारी 67.2% है. एफवाई26 के आंकड़ों के आधार पर कुल यूपीआई वैल्यू का करीब 19.5% हिस्सा संभावित एमडीआर दायरे में आ सकता है. अगर एमडीआर 0.25% से 0.50% रखा जाता है, तो इससे सालाना 15,000 से 30,000 करोड़ रुपये तक की कमाई का मौका बन सकता है.

ब्लैक मनी बताकर आयकर विभाग ने लगाया 1.84 करोड़ का जुर्माना
आईटीएटी में मिली हार, जानें पूरा मामला

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सिंगापुर में नौकरी के दौरान जुटाए गए पैसों से विदेशी फंड में निवेश करना गुरुग्राम के एक निवासी के लिए तब बड़ी मुसीबत बन गया, जब भारतीय आयकर विभाग ने इसे 'काला धन' घोषित कर दिया।

आयकर विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.84 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगा दिया। हालांकि, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने इस मामले में आयकर विभाग की कार्रवाई को गैर-कानूनी ठहराते हुए करदाता को बड़ी राहत दी है।

क्या है पूरा मामला?

हरियाणा के गुरुग्राम में रहने वाले टैक्सपेयर अमित वर्मा (बदला हुआ नाम) ने सिंगापुर में अपनी नौकरी के दौरान 19 मई 2015 को बर्मुडा-केंद्रित एक ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड में लगभग 3 लाख अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था। इसके बाद, 16 मार्च 2016 को उन्होंने यह निवेश भुनाया जिससे उन्हें 3.14 लाख डॉलर (करीब 3 करोड़ रुपये) प्राप्त हुए।

आईटीएटी में कैसे पलटा मामला?

कमिश्नर (अपील) से राहत न मिलने के बाद अमित ने आईटीएटी दिल्ली का रुख किया। करदाता के वकीलों ने तर्क दिया कि आयकर विभाग ने 1 नवंबर 2018 को ब्लैक मनी एक्ट की धारा 10(1) के तहत जो नोटिस जारी किया था, उसमें केवल मूल्यांकन वर्ष 2016-17 और 2017-18 का उल्लेख था।

नोटिस में एवाई 2019-20 का कोई जिक्र नहीं था। चूंकि विभाग ने एवाई 2019-20 के लिए धारा 10(1) का कोई वैध नोटिस जारी ही नहीं किया था, इसलिए अधिकारी को उस वर्ष के लिए आकलन करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था। आईटीएटी ने धारा 10 के तहत शुरू की गई कार्रवाई, असेसमेंट ऑर्डर और 1.84 करोड़ रुपये के जुर्माने के आदेश को पूरी तरह से रद्द कर दिया।

बाजार की पाठशाला : इन लोगों के लिए 31 अगस्त है आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप नौकरी के साथ कारोबार, पेशे या स्वतंत्र रूप से काम करके कमाई करते हैं, तो आपके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख नजदीक आ गई है।

बिना कर ऑडिट वाली कारोबारी या पेशेवर आय रखने वाले करदाताओं को 31 अगस्त 2026 तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल करना होगा। वहीं, जिन कारोबारियों और पेशेवरों के खातों का कर ऑडिट जरूरी है, उनके लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2026 है। ऐसे करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले यह समझना जरूरी है कि उनकी आय और वित्तीय स्थिति के आधार पर कौन-सा रिटर्न फॉर्म लागू होगा। आयकर विभाग के अनुसार, 31 जुलाई की अंतिम तारीख तक 6.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके थे, जिनमें वेतनभोगी लोगों, पेंशनभोगियों, छात्रों की आय वाले करदाताओं और अलग-अलग स्रोतों से आय प्राप्त करने वाले लोगों के रिटर्न शामिल हैं। इनमें कारोबार (बिजनेस) और पेशे (प्रोफेशन) से आय वाले बड़ी संख्या में करदाता भी शामिल रहे। अब बिना कर ऑडिट वाले कारोबार या पेशे से आय रखने वाले बाकी करदाताओं के लिए 31 अगस्त की तारीख महत्वपूर्ण है।बिजनेस या प्रोफेशन से आय होने पर आम तौर पर आईटीआर-3 या आईटीआर-4 में से किसी एक फॉर्म का इस्तेमाल किया जाता है।

सही फॉर्म का चुनाव करदाता की आय, कारोबार की प्रकृति और कर व्यवस्था पर निर्भर करता है। गलत फॉर्म में रिटर्न दाखिल करने से बाद में कर विभाग की ओर से परेशानी या स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है।आईटीआर-3 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) के लिए होता है, जिनकी आय बिजनेस या प्रोफेशन से होती है और जो अनुमानित कर व्यवस्था का विकल्प नहीं चुनते हैं।

सितंबर में 14 दिन बैंकों में काम नहीं होगा
4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 8 दिन बैंक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अगले महीने यानी सितंबर में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 8 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं।

किस-किस शनिवार को बैंक बंद रहेंगे?

12 सितंबर को महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से देशभर के बैंक बंद रहेंगे।

26 सितंबर को महीने का चौथा शनिवार है, इस दिन भी देश के सभी बैंकों की छुट्टी रहेगी।

रविवार की छुट्टी कब-कब रहेगी?

6 सितंबर
13 सितंबर
20 और 27 सितंबर

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

सितंबर में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं

सितंबर 2026 में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी पर भी बंद रहेगा।

चीनी-नमक ज्यादा तो पैकेट वाले खाने पर दिखेगा लाल निशान! जानें क्या है वजह

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। पैकेट में मिलने वाले खाने-पीने के सामान को लेकर सरकार बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है. अगर किसी पैकेज्ड फूड में चीनी, नमक या सैचुरेटेड फैट तय सीमा से ज्यादा हुआ, तो उसके पैकेट के सामने एक बड़ा लाल चेतावनी निशान लगाया जा सकता है. फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में इस नए लेबलिंग सिस्टम का प्रस्ताव रखा है.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पैकेट के सामने लाल रंग का हेक्सागोन यानी छह कोनों वाला निशान लगाया जाएगा. यह कुछ हद तक 'स्टॉप साइन' जैसा दिखाई देगा. इसका मकसद यह है कि ग्राहक पैकेट खोलने या सामान खरीदने से पहले ही आसानी से समझ सके कि उसमें चीनी, नमक या फैट की मात्रा ज्यादा है.

पैकेट पर लिखी चेतावनी

अगर किसी प्रोडक्ट में इन चीजों की मात्रा तय सीमा से अधिक होती है, तो पैकेट पर बड़े और साफ अक्षरों में ''ज़्यादा शुगर', 'ज़्यादा नमक' या 'ज़्यादा फ़ैट'' लिखा जाएगा. यह जानकारी पैकेट के आगे वाले हिस्से पर प्रमुखता से दिखाई देगी. इसके लिए इस्तेमाल किया जाने वाला फॉन्ट न्यूट्रिशन टेबल में दी गई जानकारी के फॉन्ट से कम से कम एक पॉइंट बड़ा रखना होगा.इस नियम को दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव है. पहले चरण में उन पैकेज्ड फूड पर यह चेतावनी लगाई जाएगी, जिनमें चीनी, नमक या फैट में से कम से कम दो चीजों की मात्रा तय सीमा से ज्यादा होगी. दूसरे चरण में नियम को और सख्त किया जाएगा. इसमें किसी एक चीज की मात्रा तय सीमा से ज्यादा होने पर भी लाल चेतावनी लेबल लगाना जरूरी होगा.

कोर्ट ने उठाया था सवाल

यह पूरा मामला पैकेज्ड फूड और बच्चों की सेहत को लेकर चल रही बहस के बीच सामने आया है. एक एनजीओ '3एस एंड आवर हेल्थ सोसाइटी'' की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों में बढ़ते मोटापे को लेकर चिंता जताई थी. कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया था कि अगर किसी फूड प्रोडक्ट में चीनी, नमक और फैट की मात्रा ज्यादा है, तो इसकी जानकारी पैकेट पर साफ तौर पर क्यों नहीं दी जाती. इसके बाद सरकार ने एफएसएसएआई के जरिए लेबलिंग नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है.

फूड खरीदते समय होगी आसानी

महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने भी खाद्य कंपनियों से सिर्फ नियमों का पालन करने के बजाय ग्राहकों की सेहत को लेकर ज्यादा जिम्मेदारी दिखाने की अपील की है. हालांकि, खाद्य उद्योग से जुड़े कुछ संगठनों और कंपनियों ने प्रस्तावित नियमों के कुछ हिस्सों पर चिंता जताई है. कोका-कोला के साथ नेस्ले और पेप्सिको से जुड़े समूहों ने भी कुछ प्रावधानों पर आपत्ति जताई है.

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वु, वे, वो)
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है ।आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है ।आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी । आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े । घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था ,यह काम इससे कहीं मुश्किल है लेकिन फिर भी इसे असंभव मानकर छोड़ न दें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें ।इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा । आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सीएम ने बैठक में कहा-अध्यक्ष का मोबाइल भी बाहर ले जाओ

निकाय चुनाव में क्यों होने लगी इस घटनाक्रम की चर्चा

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही लगातार जुटी हुई है। टिकट वितरण को लेकर दोनों ही पार्टी में काफी मंथन चल रहा है। इस बीच बीजेपी भी टिकट वितरण के मंथन को लेकर काफी गंभीर है। बीजेपी की बैठक में मोबाइल फोन पर पाबंदी लगाई गई है। इसको लेकर एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया। जब बीजेपी मुख्यालय पर आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष मदन राठौड़ के मोबाइल को भी बैठक से बाहर भिजवा दिया। यह वीडियो अब सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीएम बोले, अध्यक्ष जी का मोबाइल पर ले जाओ

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में भाजपा मुख्यालय पर प्रदेश का अध्यक्ष मदन राठौड़ की मौजूदगी में समिति के सदस्य मौजूद दिखाई दे रहे हैं। यह बैठक नगर निकाय चुनाव में उम्मीदवारों के टिकट वितरण के मंथन को लेकर आयोजित की गई थी। इस बीच सीएम भजनलाल शर्मा इस बैठक में पहुंचते हैं। बैठक में मौजूद भाजपा के नेता उनका स्वागत करते थे। सीएम जब अपनी कुर्सी पर बैठने लगते हैं, तो उन्हें मदन राठौड़ का मोबाइल टेबल पर दिखाई देता है। इस पर सीएम पीएसओ को कहते हैं कि अध्यक्ष जी का भी मोबाइल बाहर ले जाओ। मोबाइल उस समय चार्जिंग में लगा हुआ था। यह वीडियो अब सियासत में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मंथन को लेकर लगातार जुटी हुई है बीजेपी

नगर निकाय चुनाव की तारीख अब नजदीक आती जा रही है। इसको लेकर अभी भी उम्मीदवारों के चयन को लेकर बीजेपी में लगातार मंथन चल रहा है। ताबड़तोड़ मीटिंग का दौर जारी है। बीजेपी की बैठकों में नेता उम्मीदवारों के चयन के लिए काफी मशक्कत करते नजर आ रहे हैं। इन बैठकों में किसी को भी अपने साथ मोबाइल रखने की अनुमति नहीं है। इसकी सीएम के प्रदेश अध्यक्ष के मोबाइल को बाहर भेजना के वीडियो से भी पुष्टि हुई है।

सडक हादसा, पिकअप पलटने से तीन की मौत; दो घायल

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में चैनल नंबर 96 के पास एक पिकअप वाहन अचानक असंतुलित होकर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गोविंदगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। गोविंदगढ़ थाना अधिकारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर पिकअप वाहन के पलटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। बताया गया कि पिकअप में सवार लोग नर्सरी से जुड़े काम करते थे और इसी सिलसिले में यात्रा कर रहे थे।

सोनिया गांधी की पुस्तक विवाद पर शेखावत का कांग्रेस पर पलटवार

लेखक-प्रकाशक के विवाद में भारत सरकार को घसीटने की क्या जरूरत?

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुस्तक के प्रकाशक को लेकर कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कड़ा प्रहार किया है। शेखावत ने दो-टूक कहा कि लेखक और प्रकाशक के बीच के आंतरिक मतभेदों को बेवजह राजनीतिक रंग देने और इसमें भारत सरकार का नाम घसीटने का कोई औचित्य नहीं है।

'राजनीति करने के बजाय दूसरा प्रकाशक ढूंढ लेते' शनिवार को जयपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि किसी भी किताब को लेकर लेखक और पब्लिशर के बीच विचार या व्यावसायिक हितों का अंतरविरोध हो सकता है। प्रकाशक का अपना दृष्टिकोण हो सकता है और लेखक का अपना नजरिया। इसका समाधान तलाशने या किसी अन्य प्रकाशक के पास जाने के बजाय कांग्रेस इस पर गैर-जरूरी राजनीति चमकाने में जुटी है। इसमें केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। राजस्थान में नगर निकाय चुनावों पर बात करते हुए शेखावत ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जयपुर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहाः अगले 10-12 दिनों में जब निकाय चुनाव के परिणाम सामने आएंगे, तब कांग्रेस और उसके नेताओं के दावों की असलियत सामने आ जाएगी।

बोलने की आजादी को बैन करना चाहती है सरकार : गहलोत

पूरी दुनिया में छपेगी सोनिया की किताब,भारत में नहीं; कहा-पैंग्विन ने अंश हटाने को कहा

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोनिया गांधी की किताब के प्रकाशन को लेकर उठे विवाद के बीच केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने केंद्र सरकार पर बोलने की आजादी को बैन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पहले 10 नवंबर को सोनिया गांधी की बुक छपकर आने वाली थी। लेकिन पैग्विन अब इंडिया में यह किताब छापने के लिए तैयार नहीं है? गहलोत ने कहा-कोई न कोई दबाव तो है, चाहे पीएओ का होगा या फिर किसी और का होगा, वो तो वक्त बताएगा।

'अंश हटाने को कहा गया, सोनिया गांधी ने मना कर दिया'

गहलोत के अनुसार पैग्विन ने सोनिया गांधी से पूछा कि हम कुछ अंश हटाना चाहते हैं। लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया। गहलोत ने कहा कि किताब में चीन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को लेकर कुछ टिप्पणियां हो सकती है, इसलिए शायद कुछ लोगों को परेशानी हुई होगी। उन्होंने सवाल किया कि फिर डेमोक्रेसी कहां रही? आप फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन को बैन करना चाहते हो। गहलोत ने इसे संविधान की मूल भावना के खिलाफ बताया।

पूरी दुनिया में किताब छपेगी, इंडिया में नहीं छपेगी

गहलोत ने कहा- राहुल गांधी बार बार यही बात कहते हैं, संविधान बचाओ का मतलब क्या है? आप दबाव बनाकर सोनिया गांधी की किताब से क्यों इस तरह अंश हटवाना चाहते हो? पूरी दुनिया में किताब छपेगी, इंडिया में नहीं छपेगी बस। बता दीजिए आप, बहुत ही गलत तरीके से यह एक्ट हुआ है। वो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। आज चाहे पक्ष हो, विपक्ष हो, आप किसी से सोनिया गांधी के व्यक्तित्व को लेकर बात करेंगे तो इक्के-दुक्के कोई पागल लोग होंगे उनको छोड़ दीजिए, बाकी लोग उनके कृतित्व की तारीफ करते हैं।

आजादी मिलते ही इन्होंने संविधान का विरोध किया था, ये नक्सली सोच वाले

आरएसएस के मुखपत्र में यूपीए सरकार के समय सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली नेशनल एडवाइजरी कमेटी को दिमागी नक्सल बताने पर गहलोत ने कहा- मुझे लगता है वो खुद ही नक्सली सोच वाले लोग होंगे। आजादी मिलते ही इन्होंने संविधान का विरोध किया था। ये संविधान का विरोध करने वाले लोग हैं और उस जमाने में मनुस्मृति की बात करने लग गए थे।

गहलोत ने कहा- सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली एनएसी में कई एक्टिविस्ट थे जिन्होंने क्रांतिकारी काम किए। जिसमें आरटीई, राइट टू एजुकेशन, फूड सिक्योरिटी एक्ट सहित देश में एक के बाद एक जो एक्ट बनाए, वो एनएसी की ही देन थी। देश में शिक्षा का अधिकार मिला हो, सूचना का अधिकार मिला हो, खाद्य सामग्री का अधिकार मिला हो यह सब एनएसी ने बनाए। अधिकार आधारित युग की शुरुआत सोनिया गांधी की अगुवाई वाली एनएसी ने की। उनको ये दिमागी नक्सलियों का अड्डा बता रहे हैं। गहलोत ने कहा- लोग समझते हैं कि किस रूप में सोनिया गांधी ने देश में सोशल सिक्योरिटी के अंदर योगदान दिया है।

जयपुर में ई-चालान के नाम पर 1.40 लाख का ऑनलाइन फ्रॉड

लिंक भेजकर बैंक डिटेल निकाली, फिर मोबाइल हैक कर निकाले रुपए

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में ई-चालान के नाम पर 1.40 लाख रुपए का ऑनलाइन फ्रॉड का मामला सामने आया है। ई-चालान पेमेंट का लिंक भेजकर साइबर ठगों ने बैंक डिटेल का पता किया। इसके बाद मोबाइल हैक कर अकाउंट से रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने झोटवाड़ा थाने में साइबर ठगी का मामला दर्ज करवाया है।

ठगों ने पेमेंट के लिए मोबाइल पर भेजा लिंक

पुलिस ने बताया कि विजय नगर के रहने वाले दीपक कुमार ने आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करवाई है। पीड़ित का कहना है कि पिछले दिनों उसके मोबाइल पर ई-चालान का मैसेज आया था। टैक्स्ट मैसेज के जरिए भेजे ई-चालान का पेमेंट करने के लिए लिंक भी भेजा गया। चालान और उसके पेमेंट को लेकर जानने के लिए लिंक पर क्लिक किया, जिसके बाद पेमेंट के लिए क्रेडिट कार्ड ऑपशन आया। कुछ ही देर में मोबाइल हैक हो गया। साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड संबंधित बैंक डिटेल लेकर अकाउंट से करीब 1.40 लाख रुपए निकाल लिए। कुछ ही सेकेंड में अकाउंट से रुपए निकलने का मैसेज आया, तब ठगी का पता चला। इससे पहले भी साइबर क्रिमिनल्स शिप्राफथ इलाके में ई-चालान के नाम पर 4.67 लाख रुपए की ठगी कर चुके है।

भाई को राखी बांधकर लौट रही बहन की दर्दनाक मौत

बांसवाड़ा, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में रक्षाबंधन की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब भाई को राखी बांधकर घर लौट रही एक महिला की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। मोटागांव थाना क्षेत्र में गनोड़ा-घाटोल मार्ग पर गुंदी वाली रोड के पास शुक्रवार देर शाम बाइक और कार की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार राजकुंवर पत्नी कल्याण सिंह, निवासी परतेलिया, सलूंबर की मौत हो गई। दुर्घटना में उनका बेटा युवराज सिंह और नांगवाला निवासी उनकी भाभी लीना कुंवर पत्नी लक्ष्मण सिंह घायल हो गई।

सीकर में तड़के भीषण अग्निकांड

दो ई-व्हीकल शोरूम में 40 वाहन जलकर खाक; 3.5 करोड़ तक नुकसान का अनुमान

सीकर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर शहर में शनिवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड ने इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा और शोरूम में मौजूद अग्निशमन इंतजामों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

सर्किट हाउस के सामने स्थित भैरोंसिंह शेखावत के बीएस ऑटोमोबाइल और बच्चन मोटर्स के दो शोरूम में सुबह करीब चार बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दोनों शोरूम में खड़े करीब 40 इलेक्ट्रिक वाहन इसकी चपेट में आ गए। शुरुआती अनुमान के मुताबिक हादसे में करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारण और नुकसान का पूरा आकलन जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। बताया जा रहा है कि आग की शुरुआत बीएस ऑटोमोबाइल से हुई, जहां इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक खड़ी थीं। आग ने कुछ ही समय में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद पास स्थित बच्चन मोटर्स तक भी लपटें पहुंच गईं। इस शोरूम में इलेक्ट्रिक ऑटो और ई-रिक्शा रखे हुए थे। बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ उनमें इस्तेमाल होने वाली ज्वलनशील प्लास्टिक और अन्य सामग्री के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। कुछ ही देर में दोनों शोरूम आग की लपटों से घिर गए। आग का असर केवल इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम तक सीमित नहीं रहा। तेज लपटों ने पास स्थित हुंडई के ऑटो पार्ट्स शोरूम को भी अपनी चपेट में ले लिया। यहां रखे स्पेयर पार्ट्स, एयर कंडीशनर और अन्य सामान जलने से नुकसान और बढ़ गया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आसपास के इलाके में भी अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों में भी आग को लेकर दहशत का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही गोकुलपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबसे पहले इलाके की विद्युत आपूर्ति बंद करवाई, ताकि राहत और बचाव कार्य के दौरान किसी तरह का अतिरिक्त खतरा न हो।

आईएएस राजीव सिंह ठाकुर बनेंगे मुख्य सचिव

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान कैडर के एक सीनियर आईएएस को केंद्र सरकार बड़ी जिम्मेदारी देने वाली है। पिछले करीब दस साल से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहे आईएएस राजीव सिंह ठाकुर को मणिपुर का मुख्य सचिव बनाए जाने की तैयारी की जा रही है।

इंटर कैडर डेपुटेशन के प्रस्ताव को सेंट्रल कमेटी ने मंजूरी दे दी है। अब केंद्र सरकार के कार्मिक विभाग के ऑर्डर का इंतजार है। ऑर्डर जारी होते ही राजीव सिंह ठाकुर मणिपुर की ब्यूरोक्रेसी के मुखिया बन जाएंगे।

राहुल मीणा ब्लाइंड मर्डर का खुलासा : लाश बाजरे के खेत में फेंकी, हिस्ट्रीशीटर समेत दो इनामी और महिला गिरफ्तार

दौसा, 29 अगस्त (एजेंसियां)। मंडावर थाना पुलिस ने 15 अगस्त को मिले राहुल उर्फ भानू मीणा के ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए सनसनीखेज साजिश का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने करीब 800 किलोमीटर तक पीछा कर 15-15 हजार रुपये के दो इनामी बदमाशों और एक महिला को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने राहुल की हत्या के बाद उसकी लाश को करीब 3 किलोमीटर दूर बाजरे के खेत में फेंक दिया था, ताकि हत्या का शक एक अन्य व्यक्ति चेतराम मीणा और उसके परिवार पर जाए। पुलिस के मुताबिक, राहुल का दो दिन पहले ही चेतराम से विवाद हुआ था और आरोपियों ने इसी रंजिश का फायदा उठाकर उसे फंसाने की साजिश रची।

बाजरे के खेत में मिली थी लाश, पहचान तक हुई मुश्किल

मृतक राहुल मीणा (30) पुत्र कृपाल मीणा, निवासी खेड़ा कल्याणपुर, अलवर का शव 15 अगस्त को खेड़ली कलां के जंगल में बाजरे के खेत में पड़ा मिला था। शव के पास न तो मोबाइल फोन था और न ही कोई पहचान संबंधी दस्तावेज मिला था। ऐसे में पुलिस के सामने सबसे पहले मृतक की पहचान करना ही चुनौती बन गया था। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को पता चला कि राहुल की हत्या ग्राम किशोरपुर के बैरवा बास में की गई थी। हत्या के बाद आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए शव को करीब 3 किलोमीटर तक घसीटा और उसे चेतराम मीणा के खेत में बाजरे के बीच फेंक दिया। पुलिस जांच के अनुसार, राहुल का हत्या से करीब दो दिन पहले चेतराम मीणा से झगड़ा हुआ था। आरोपियों ने इसी विवाद को अपनी साजिश का आधार बनाया।

उनका मकसद शव को चेतराम के खेत में इस तरह फेंकना था कि पुलिस और लोगों का शक उसके परिवार पर जाए और वास्तविक हत्यारों तक पहुंचना मुश्किल हो। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी दौसा ने आरोपियों पर 15-15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस की जांच में मुख्य आरोपी के रूप में सुरेश उर्फ सुर्रा मीणा का नाम सामने आया।

बीजेपी को बड़ा झटका पूर्व सभापति भाटी ने भाजपा छोड़ कांग्रेस का हाथ थामा

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी नगर निगम चुनाव से ठीक पहले मारवाड़ की सियासत में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। नगर परिषद के पूर्व सभापति, निवर्तमान महापौर के पति और सांसद प्रतिनिधि रह चुके राकेश भाटी ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया है। जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वार रूम में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाटी को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। इस दौरान पाली से कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निंबाड़ा और चुनाव पर्यवेक्षक हेम सिंह शेखावत सहित पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे।

जयपुर में पड़ोसी ने नाबालिग से किया रेप

दो महीने तक बंधक बनाकर रखा, मिलने बुलाकर धोखे से किडनैप किया था

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में पड़ोसी के 16 साल की नाबालिग से रेप करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने नाबालिग को मिलने के बहाने बुलाकर धोखे से किडनैप कर लिया। और पिछले 2 महीने तक बंधक बनाकर रेप किया। मामले में पुलिस ने नाबालिग को ढूंढ निकालने के बाद मेडिकल व बयान दर्ज कर आरोपी पड़ोसी को अरेस्ट किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रविवार को कोर्ट में पेश करेगी।

पड़ोसी ने नाबालिग से किया रेप थानाधिकारी ने बताया कि परिजनों की ओर से आरोपी पड़ोसी के खिलाफ शिकायत दी गई। रिपोर्ट के अनुसार जयपुर की रहने वाली एक नाबालिग से पड़ोसी युवक ने रेप किया। एक ही कॉलोनी में रहने के कारण आरोपी की नाबालिग से बोलचाल थी। आरोप है करीब 2 महीने पहले आरोपी पड़ोसी ने उसे मिलने के बहाने बुलाया और मिलने जाने पर उसे धोखे से किडनैप कर लिया। आरोपी ने नाबालिग को डरा-धमकाकर रेप किया। वह लगातार उसका देहशोषण करता रहा।

नाबालिग को 300 किलोमीटर दूर छिपाकर रखा था

परिजनों की ओर से दर्ज गुमशुदगी के दौरान पुलिस को पीड़िता के नाबालिग होने के प्रमाण मिले। पुलिस की ओर से तुरंत किडनैपिंग का मामला दर्ज कर नाबालिग लड़की की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने जयपुर से करीब 300 किलोमीटर दूर छिपाकर रखा नाबालिग को ढूंढ निकाला। पुलिस की ओर से नाबालिग पीड़िता के बयान दर्ज कर मेडिकल करवाया गया। पुलिस की ओर से रेप का पता चलने पर पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस की ओर से मामले में आरोपी पड़ोसी को अरेस्ट किया।

जोधपुर में प्रेमिका की हत्या कर खेत में गाड़ा शव

'दृश्यम' देखकर रची साजिश; 5 महीने बाद खुला राज

जोधपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के बिलाड़ा क्षेत्र में प्रेमिका की हत्या कर शव खेत में गाड़ने के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपी प्रेमी राजू गिरी ने हत्या की साजिश को अंजाम देने से पहले अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम' के दोनों पार्ट कम से कम 10 बार देखे थे।

फिल्म से आइडिया लेकर उसने शव को ऐसी जगह ठिकाने लगाया कि पुलिस करीब पांच महीने तक उसे तलाश नहीं पाई। आरोपी लगातार पुलिस को अलग-अलग कहानियां बताकर गुमराह करता रहा। पुलिस के अनुसार ब्यावर की रहने वाली लीला देवी और पिचियाक निवासी राजू गिरि के बीच करीब दो साल से प्रेम संबंध था। दोनों की मुलाकात जैतारण के एक होटल में हुई थी। प्रेम प्रसंग के चलते राजू की दिव्यांग पत्नी

उसे छोड़कर पीहर चली गई थी। राजू ने प्रेमिका को पत्नी के गहने तक दे दिए थे।

बाद में लीला की ओर से दो लाख रुपए की मांग किए जाने के बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और राजू ने उसकी हत्या की साजिश रचनी शुरू कर दी। 13 मार्च को राजू के बुलाने पर लीला उससे मिलने पहुंची। राजू उसे बिलाड़ा से करीब 40 किलोमीटर दूर खोखरिया गांव के पास अपने खेत पर ले गया। पुलिस के मुताबिक वहां 14-15 मार्च की रात उसने लीला को शराब पिलाई और लाठी से वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को खेत के किनारे झाड़ियों में डाल दिया। आरोपी को उम्मीद थी कि सुनसान जगह होने के कारण जंगली जानवर शव को नष्ट कर देंगे। करीब एक महीने बाद 11 अप्रैल को लीला के पिता कालूसिंह ने साकेत नगर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने लीला के संपर्क में रहे लोगों से पूछताछ की। राजू ने बताया कि लीला 15 मार्च को उसके पास आई थी, लेकिन उसके बाद चली गई।

मृतका का मोबाइल भी 15 मार्च तक सक्रिय मिला, जिससे शुरुआत में पुलिस को उसकी कहानी पर संदेह नहीं हुआ। इसके बाद 11 अगस्त को लीला के बेटे ने अपहरण और हत्या का मामला दर्ज कराया।

इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर राजू से दोबारा पूछताछ की। इस बार उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया, लेकिन शव के बारे में पुलिस को लगातार गुमराह करता रहा। पहले राजू ने बताया कि उसने शव तालाब में फेंक दिया है। पुलिस ने कई घंटे तक रेस्क्यू किया, लेकिन शव नहीं मिला। इसके बाद उसने कहा कि शव को श्मशान घाट में जलती चिता में जला दिया था। पुलिस ने श्मशान की राख में हड्डियां तक तलाशीं, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

नशीली गोलियां खिलाकर यात्रियों को लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को नशीली गोलियां मिलाकर पानी पिलाने और उनके सामान की चोरी करने वाले दो आरोपियों को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) सिकंदराबाद और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक मोबाइल फोन, 500 रुपये नकद और 10 नशीली गोलियां सहित कुल 35,400 रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाथा प्रसाद उर्फ प्रसाद रेड्डी (39), निवासी गौलीगुड़ा, चमन, हैदराबाद तथा कोरापाटी नरसिंग राव (44), निवासी रसूलपुरा, इंदिरम्मा नगर, सिकंदराबाद के रूप में हुई है। दोनों रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पिछले करीब पांच वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं। उन्हें शराब और अन्य बुरी आदतों की लत थी। रियल एस्टेट कारोबार के कारण दोनों ने कई लोगों से संपर्क बनाए थे। आरोप है कि वे इन संपर्कों का इस्तेमाल लोगों को नशीली गोलियां मिले खाद्य पदार्थ या पेय पदार्थ देकर बेहोश अथवा अचेत अवस्था में पहुंचाने और बाद में उनका कीमती सामान चोरी करने के लिए करते थे। इसी योजना के तहत 17 अगस्त को दोनों सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचे। करीब दोपहर 12 बजे उनके पास नशीली गोलियां मिले पानी से भरी बोतल थी, जिसे उन्होंने अपने बैग में छिपा रखा था। करीब दोपहर 1:30 बजे दोनों साबरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की एस-3 बोगी में सवार हुए। कुछ देर बाद अनिल कुमार के.जी. नामक यात्री उनके सामने वाली बर्थ पर आकर बैठ गए और अपना सामान बर्थ के नीचे रख दिया।

आरोपी प्रसाद ने यात्री से बातचीत शुरू कर धीरे-धीरे उससे परिचय बढ़ाया। इसके बाद उसने यात्री को पानी की बोतल दी। पानी पीने के बाद यात्री को नींद आने लगी और वह सो गया। इसी का फायदा उठाकर प्रसाद ने यात्री का सामान वाला बैग निकालकर नरसिंग राव को दे दिया और उसे रेलवे स्टेशन से बाहर जाकर इंतजार करने के लिए कहा। नरसिंग राव बैग लेकर बाहर चला गया। कुछ देर बाद प्रसाद भी स्टेशन से बाहर निकल गया। पुलिस के मुताबिक, प्रसाद ने बैग से मोबाइल फोन और 5,400 रुपये नकद निकाल लिए, जबकि अन्य सामान को बैग समेत कूड़ेदान में फेंक दिया। मोबाइल फोन को बाद में बेचने के इरादे से अपने पास रख लिया। दोनों ने 5,400 रुपये में से 400 रुपये शराब पीने में खर्च किए और शेष 5,000 रुपये आपस में बराबर बांट लिए। घटना के बाद जीआरपी अधिकारियों ने विशेष टीमें गठित कर रेलवे स्टेशन पर संदिग्धों और आदतन अपराधियों पर निगरानी शुरू की। इसी क्रम में 28 अगस्त को दोनों आरोपी प्लेटफॉर्म नंबर 8 के फुट ओवरब्रिज पर संदिग्ध अवस्था में मिले। जीआरपी और आरपीएफ कर्मचारियों ने उन्हें पकड़कर बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान नशीली गोलियां और ओप्पो मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर सामान जब्त कर लिया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayindia

www.scr.indianrailways.gov.in

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/ टेंडर नोटिस/ 2026-27, दि.27-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः टी-202627-2-042, प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः क्षेत्रीय कार्य-वर्ष 2026-27 हेतु नांदेड डिवीजन की वार्षिक प्रभाग संविदाएः- मलसैलु से अकोट हेतु क्षेत्रीय कार्य (अकोट सहित अकोला पर दम रेलवे का सर्विस बिल्डिंग)। निविदा मूल्य रु.19896998.97, अग्रधन रु.397900.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने।

क्रम संख्याः02, निविदा संख्याः टी-202627-3-043, प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः क्षेत्रीय कार्य-वर्ष 2026-27 हेतु नांदेड डिवीजन की वार्षिक प्रभाग संविदाएः

एडीइएन/पीएयु सेक्शन हेतु क्षेत्रीय कार्य, सर्विस बिल्डिंग& कालोनीज। निविदा मूल्य रु.50478999.82, अग्रधन रु.1009600.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने।

क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः टी-202627-2-042, टी-202627-3-043, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य/क्षेत्रीय रखरखाव कार्य।

उपरोक्त सभी निविदाएं दि.18-09-2026 के 15.00 बजे बंद होगी।

बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन कीजिए। किसी भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड./नांदेड

PUB/614

निविदा सूचना संख्याः 23/2026, दि.28-08-2026
भंडारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी हैं। निविदाकारो से अनुरोध है कि वेबसाइटः www.iऑeps.gov.in देखें & अपने आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को वेबसाइट पर देख सकते हैं। मैन्युअल रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य होंगे।

डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर भी विचार नही किया जायेगा। निविदा की नियत तिथि की बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी प्रस्ताव या आफर्स को आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
LT256166A	डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना& कंट्रोल स्टैंड प्रदान करने पर हैड्रालिक जैक्स की कमीशनींग & 03 टी क्षमता सहित 04 व्हील बैटरी संचालित प्लेटफार्म ट्रक पर पावर पैक युक्त
LT265850	आपूर्ति & आरडीएसओ विनिर्देशन सं. आरडीएसओ/एसपीएन/217/ 2025, वर्शन 3.1 के नुसार, एटोमेटिक फायर अलार्म तथा फायर एस्पायरेशन सिस्टम की स्थापना या एससी डिवीजन के 50 स्टेशनों /स्थानों पर लेटेस्ट या ताजा लागू वर्शन।
46267002	संबंधित 107 एसक्यूएमएम सिल्वर बेयरिंग ग्रूव्ड कापर कान्टैक्ट वायर।
29265012	लाकिंग आरेंजमेन्ट सहित कपलिंग साकेट एसेम्बली
82262704	कोरोनरी इन्ट्रावेस्कुलर लिथोट्रिप्सी कैथेटर, 80 पीएलएस साइजेसः 2.50, 2.75, 3.00, 3.25, 3.50, 3.75 & 4.00 एमएम
43261072A	डिसकनेक्टिंग & एर्थिंग डिवाइस, 8 पोल, 2 वे
56261004	पीवीसी इंसुलेटेड, आर्मोर्ड सिग्नलिंग केबुल (कापर कन्डक्टर) सिक्स / जेडइ 2 कोर X 2.5 स्के.एमएम
91261125	एल्युमिनियम चेकर्ड शीट 2.03X813X2960एमएम

टिप्पणीः निविदा खोलने की नियत तिथियों का विवरणः

क्रम सं.01 दि.10-09-2026, क्रम सं.02 & 03 दि.15-09-2026, क्रम सं.04 दि.17-09-2026, क्रम सं.05 दि.18-09-2026, क्रम सं.06 & 07 दि.21-09-2026, क्रम सं.08 दि.26-10-2026

उपरोक्त निविदाओं के अतिरिक्त रु.50 लाख मूल्य से अधिक की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/ सिकंदराबाद

A711

PUB/615

निविदा नियम शर्तें/ज्यादा जानकारी& निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सीएम ने एसआईआर दावों और आपत्तियों के लिए चार सप्ताह का विस्तार मांगा

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से तेलंगाना में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत दावे और आपत्तियां दर्ज करने की समय सीमा को और चार सप्ताह तक बढ़ाने का आग्रह किया। चुनाव आयोग को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट (एएसडीडी) श्रेणियों के तहत वर्गीकृत मतदाताओं की बड़ी संख्या पर चिंता जताते हुए अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की समय सीमा बढ़ाने का भी अनुरोध किया। रेवंत रेड्डी ने बताया कि 73.39 लाख मतदाता प्रविष्टियों को एएसडीडी श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि जो मतदाता अस्थायी रूप से अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर चले गए हैं, उन्हें भी स्थायी रूप से विस्थापित मतदाताओं की श्रेणी में रखा जा सकता है। इस पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री ने कहा कि मतदाताओं को नोटिस का जवाब देने और अपनी पात्रता साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनजाने में मतदाता सूची से न हट जाए और चुनाव आयोग से आग्रह किया कि वह दावों और आपत्तियों की अवधि को तदनुसार बढ़ाए।

लोकदेवता जाहर वीर श्री गोगाजी जन्मोत्सव 5 को

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार, 5 सितम्बर के पावन अवसर पर प्रतिवर्षानुसार श्री गोगाजी मन्दिर, पेद्दा अम्बरपेट, हयातनगर मण्डल, रंगा रेड्डी जिला में श्री गोगाजी जन्मोत्सव मनाया जायेगा । उक्त जानकारी यहाँ जारीएक प्रेस विज्ञप्ति में फकीरचन्द लालचन्द ताजपुरिया परिवार द्वारा दी गई ।

विज्ञप्ति अनुसार श्री गोगाजी जन्मोत्सव अन्तर्गत शनिवार 5 सितम्बर को प्रातः 5.01 बजे अभिषेक, भक्तजन प्रातः 7 बजे से सम्पूर्ण दिवस गोगाजी के दर्शन लाभ प्राप्त कर सकेंगे। सायं 6 बजे से भण्डारा तथा सायं 6 . 30 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा। अवसर पर बाबा का दरबार, अखण्ड ज्योत, अनुपम शृंगार, अलौकिक दर्शन एवं भजन संकीर्तन मुख्य आकर्षण रहेंगे ।

सिरसिल्ला के बुनकर ने 56 तेलुगु अक्षरों वाली सिल्क साड़ी बनाई

राजन्ना सिरसिल्ला, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टेक्सटाइल टाउन सिरसिल्ला के एक क्रिएटिव बुनकर ने हथकरघा पर सभी 56 तेलुगु अक्षरों वाली एक शानदार हाथ से बुनी सिल्क साड़ी बनाकर अपनी असाधारण कला का प्रदर्शन किया।

नल्ला परंधमुलु के बड़े बेटे नल्ला जगदीश ने तेलुगु अक्षरों वाली यह साड़ी बुनी और अपनी कला में महारत दिखाई। उन्होंने बताया कि इस साड़ी को बनाने में उन्हें 15 दिन लगे, जबकि आम सिल्क साड़ी बुनने में तीन दिन लगते हैं।

जगदीश ने बताया कि उन्होंने सिल्क और अन्य सामग्री जनगाँव के साप्ताहिक बाज़ार से खरीदी थी और अनुमान लगाया कि इस खास साड़ी की कीमत लगभग 15,000 रुपये हो सकती है। बुनकर ने बताया कि 6.30 मीटर लंबी और 1.21 मीटर चौड़ी इस साड़ी का वज़न 650 ग्राम है। उन्होंने बताया कि पल्लू पर दो हिरण और एक पालापिट्टा की तस्वीरें बनी हैं।

उन्होंने कहा कि वह जल्द ही आभार स्वरूप यह साड़ी बासर में देवी सरस्वती को भेंट करेंगे। जगदीश ने कहा कि वह भविष्य में अपने हथकरघा के साथ और प्रयोग करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने याद किया कि कुछ साल पहले उन्होंने बिना सिलाई वाला गाउन बनाया था। उनके पिता, परंधमुलु, चार दशक पहले एक छोटी सी साड़ी बुनकर मशहूर हो गए थे जिसे माचिस की डिब्बी में पैक किया जा सकता था; इस कारनामे ने देश भर के लोगों को हैरान कर दिया था।

वाईएसआर कांग्रेस में 'जगन नंबर-2, सज्जला नंबर-1'

विजय साई रेड्डी का सनसनीखेज आरोप

विजयवाड़ा, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद विजय साई रेड्डी ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी और पार्टी के राज्य समन्वयक सज्जला रामकृष्ण रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए पार्टी के अंदरूनी कामकाज को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। एक खुले पत्र में विजय साई रेड्डी ने दावा किया कि वाईएसआर कांग्रेस में जगन मोहन रेड्डी प्रभावी रूप से 'नंबर-2 नेता' बन गए हैं, जबकि सज्जला रामकृष्ण रेड्डी 'नंबर-1 नेता' के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सज्जला ने जगन की पीठ में छुरा घोंपा है और कानूनी मामलों से सुरक्षा हासिल करने के लिए तेलुगु देशम पार्टी के साथ पर्दे के पीछे से बातचीत करने में माहिर हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें 'गद्दार' कहे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए विजय साई रेड्डी ने कहा कि उनका पिछला रिकॉर्ड जगन के प्रति उनकी निष्ठा साबित करता है।

छोटे सिंचाई संसाधनों के संरक्षण पर मुख्यमंत्री को किसान कल्याण आयोग की रिपोर्ट

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि एवं किसान कल्याण आयोग ने छोटे सिंचाई संसाधनों के विकास और संरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट सौंपी। जुबली हिल्स में हुई इस बैठक में किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष कोदंड रेड्डी तथा सदस्य रामुलु नायक, राम रेड्डी गोपाल रेड्डी, गंगाधर और एम. भवानी रेड्डी मौजूद रहे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में सरकार को छोटे सिंचाई संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और जल उपयोग क्षमता बढ़ाने के संबंध में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आयोग ने जल उपयोग दक्षता बढ़ाने वाली तकनीकी इकाइयों से युक्त एक विशेष लघु सिंचाई प्रणाली को फिर से स्थापित करने की सिफारिश की। साथ ही छोटे और बड़े सिंचाई संसाधनों को आपस में जोड़ने के लिए कमान क्षेत्र आधारित प्रबंधन प्रणालियां स्थापित करने का सुझाव दिया। तालाबों के संरक्षण के लिए विशेष रूप से लघु सिंचाई कानून बनाने की आवश्यकता पर भी आयोग ने जोर दिया।

आयोग ने सरकार से तत्काल तालाबों की पूर्ण टैंक स्तर (एफटीएल) सीमाओं की पहचान करने, अतिक्रमण हटाने तथा तालाबों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। आयोग ने कहा कि तेलंगाना में जल सुरक्षा, कृषि स्थिरीकरण और ग्रामीण आजीविका के विकास के लिए तालाबों का पुनरुद्धार बेहद जरूरी है। तालाबों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत बताते हुए इनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आयोग को फसल विविधीकरण, बागवानी फसलों की खेती को बढ़ावा देने और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने पिछले दो वर्षों के दौरान किसान कल्याण आयोग द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों तथा सरकार को दिए गए सुझावों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आयोग के कार्यों और प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया।

उस्मानिया जनरल अस्पताल में ट्रॉमा केयर पर सीएमई कार्यक्रम आयोजित

घायलों की सहायता करके 'राह-वीर' की भूमिका निभाने की अपील

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरनेशनल ट्रॉमा केयर (आईटीसी) के हैदराबाद चैप्टर ने शनिवार को यहां उस्मानिया जनरल अस्पताल में ट्रॉमा केयर पर एक दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें ट्रॉमा विशेषज्ञ, स्नातकोत्तर छात्र, नर्स और पैरामेडिक्स एक साथ आए। कार्यक्रम में आघात प्रबंधन के लिए एक संरचित, बहुविषयक और समयबद्ध दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सत्रों में प्रारंभिक मूल्यांकन, अस्पताल पहुंचने से पहले की चुनौतियां, क्षति-नियंत्रण पुनर्जीवन और सर्जरी, वायुमार्ग प्रबंधन, श्रोणि और नेत्र संबंधी आघात, साथ ही गहन देखभाल जैसे विषयों को शामिल किया गया। एक प्रमुख आकर्षण सिर में चोट और जांघ की हड्डी में फ्रैक्चर वाले नकली रोगी पर प्राथमिक और माध्यमिक आघात सर्वेक्षणों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन था। आपातकालीन चिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, अस्थि रोग, आघात शल्य चिकित्सा, एनेस्थेसियोलॉजी, क्रिटिकल केयर और नेत्र विज्ञान के विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया। उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजा राव और उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. राकेश सहायी विशिष्ट अतिथि थे। आईटीसी हैदराबाद के उपाध्यक्ष और ईएमआरआई के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. जीवी रमना राव ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की, जबकि आईटीसी हैदराबाद चैप्टर की सचिव डॉ. आशिमा शर्मा ने शैक्षणिक कार्यक्रम का संचालन किया। विशेषज्ञों ने प्रत्यक्षदर्शियों, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, अस्पतालों और विशेषज्ञ टीमों के बीच समन्वय मजबूत करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने नागरिकों से यह भी आग्रह किया कि वे आपातकालीन चिकित्सा सहायता पहुंचने तक घायलों की सहायता करके 'राह-वीर' (नेक इंसान) की भूमिका निभाएं। डॉ. रमना राव ने कहा कि नियमित प्रशिक्षण और सिमुलेशन-आधारित शिक्षण से तैयारी और आघात के परिणामों में सुधार हो सकता है। डॉ. आशिमा शर्मा ने कहा कि आईटीसी हैदराबाद चैप्टर तेलंगाना भर के मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों में संरचित आघात-देखभाल प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बना रहा है। इस शाखा ने तेलंगाना के मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य संस्थानों में व्यापक ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (सीटीएलएस) पाठ्यक्रम आयोजित करने की योजना की भी घोषणा की, जिसमें राज्य की ट्रॉमा-केयर प्रणाली को मजबूत करने पर बहु-विषयक ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

श्रावण महोत्सव के समापन की तैयारियां जोरों पर

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के तत्वावधान में श्रावण महोत्सव के समापन की तैयारिया जोरों पर है। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा प्रतिवर्ष श्रावण महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी श्रावण मास के चार सोमवार को विधिवत पूजा अर्चना रुद्राभिषेक विभिन्न अलंकार से अलंकृत शृंगार व फलहाली प्रसाद की व्यवस्था रखी गई। श्रावण महोत्सव का समापन रविवार 30 अगस्त को प्रातः 10-31 मिनट से रूद्राभिषेक प्रारम्भ होगा। इसी क्रम में 11-45 बजे यज्ञ दोपहर 01-21 मिनट से संगीतमय सुंदरकांड सायं 05-01 मिनट पर महाआरती व भोजन प्रसादी प्रारम्भ होगी। हर सोमवार के भांति समापन कार्यक्रम पर विशेष रूप से वनविहार का शृंगार से शिवालय सजाया जायेगा। आयोजन समिति ने सभी स्वजातीय एवं धर्मप्रेमी भाइयों को सभी अनुष्ठानो पर समय पर उपस्थित रहने की अपील की। आज की बैठक में श्याम सुन्दर उपाध्याय, रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, लक्ष्मीनारायण व्यास, दामोदर तिवारी, जगदिशप्रसाद कोलरीया, जुगल किशोर उपाध्याय, दामोदर तिवारी, विष्णु उपाध्याय, बालकिशन व्यास, शीवल्लभ तिवारी, सुरेश पांडिया, गोतम उपाध्याय, किशोर उपाध्याय, गोपाल कृष्ण तिवारी, कन्हैयालाल व्यास, हरिकिशन ओझा,संदिप जायलवाल, सत्यनारायण तिवारी, विजय पांडिया, सुर्यप्रकाश नागला, रामेश्वरलाल जोशी, दिनेश व्यास एवं अन्य गणमान्य गण उपस्थित थे।

नीम के पेड़ को लेकर झगड़ा जानलेवा बना, दो लोगों की मौत

सूर्यपेट, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को मेल्लाचेरुवु मंडल के एर्रागट्टू थंडा में नीम के पेड़ को लेकर पड़ोस में रहने वाले दो परिवारों के बीच झगड़ा जानलेवा साबित हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और पुलिस का एक सब-इंस्पेक्टर घायल हो गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुखिया सैदा और मंडा वेंकटेश्वरलू के परिवार पड़ोसी थे। वेंकटेश्वरलू के घर के पास ही नीम का एक पेड़ था। विवाद तब शुरू हुआ जब बुखिया सैदा ने पेड़ की एक टहनी काट दी, जिससे दोनों परिवारों के बीच कहासुनी हो गई।

यह बहस आखिरकार मारपीट में बदल गई। झगड़े के दौरान, मंडा वेंकटेश्वरलू पर कथित तौर पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक अन्य व्यक्ति, सैदा, गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

हालात को काबू में करने की कोशिश के दौरान मेल्लाचेरुवु के सब-इंस्पेक्टर नवीन कुमार के सिर में चोट आई। घटना की सूचना मिलने के बाद कोडद के डीएसपी श्रीनिवास रेड्डी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने इलाके में और पुलिसकर्मी तैनात किए ताकि कोई और अप्रिय घटना न हो। पुलिस ने बताया कि झगड़े के सिलसिले में एक परिवार के तीन सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच चल रही है।

एमजीआईटी कार्यशाला में उन्नत सामग्री अनुसंधान पर प्रकाश डाला गया

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमजीआईटी), गांडीपेट में शनिवार को सामग्री लक्षण वर्णन उपकरणों (एक्सआरडी और एसईएम) और डीएफटी के माध्यम से सिमुलेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला एमजीआईटी के भौतिकी और रसायन विज्ञान विभाग द्वारा तेलंगाना विज्ञान अकादमी (टीएएस) के सहयोग से आयोजित की गई थी, जिसमें संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और छात्रों को सामग्री अनुसंधान में उन्नत तकनीकों का पता लगाने के लिए एक साथ लाया गया था। उप-प्रधानाचार्य और विशिष्ट अतिथि प्रो. के. सुधाकर रेड्डी ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ शोध पद्धतियों में बहुमूल्य व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। टीएएस के क्षेत्रीय प्रभारी प्रो. बी.एन. रेड्डी ने उभरती प्रौद्योगिकियों में शोधकर्ताओं और छात्रों के ज्ञान को निरंतर अद्यतन करने की आवश्यकता पर बल दिया। टीएएस के सचिव और मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस. सत्यनारायण ने कहा कि मौलिक अनुसंधान की जड़ें संस्थागत स्तर पर होती हैं और उन्होंने संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान में योगदान देते हुए अपने संस्थानों के भीतर अनुसंधान गतिविधियों को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह कार्यशाला हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और 60 ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया। हैदराबाद स्थित डीएमआरएल के वैज्ञानिक डॉ. आशीष पाठक ने घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफटी) और इसके अनुप्रयोगों पर बात की, जबकि हैदराबाद स्थित एआरसीआई के वैज्ञानिक डॉ. के. सुरेश ने एक्सआरडी का उपयोग करके रीटवेल्ड रिफाइनमेंट पर एक तकनीकी सत्र प्रस्तुत किया। कार्यशाला के अध्यक्ष प्रोफेसर एके सिंह ने वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को आगे बढ़ाने में सामग्रियों और उनके लक्षण वर्णन तकनीकों के बहुविषयक महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

एआईएमआईएम ने एमएलसी रहमत बेग को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निकाला

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने अपने विधान परिषद सदस्य मिर्जा रहमत बेग को शनिवार को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया। पार्टी ने उन्हें विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा देने का निर्देश भी दिया है। एआईएमआईएम के संयुक्त सचिव एस.ए. हुसैन अनवर ने 'एक्स' पर जारी आधिकारिक बयान में इस निर्णय की जानकारी देते हुए रहमत बेग से तेलंगाना विधान परिषद के सभापति को तत्काल अपना इस्तीफा सौंपने को कहा। पार्टी ने अपने बयान में कहा कि मिर्जा रहमत बेग को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया गया है और उन्हें विधान परिषद के सभापति के समक्ष शीघ्र अपना इस्तीफा प्रस्तुत करना होगा। रहमत बेग वर्ष 2023 में हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधान परिषद के लिए निर्वाचित हुए थे। रहमत बेग के खिलाफ हाल ही में अत्तापुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कथित दुर्व्यवहार को लेकर आरोप सामने आए थे। हालांकि, एआईएमआईएम नेतृत्व ने अनुशासनात्मक कार्रवाई के पीछे कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। मौजूदा एमएलसी को अचानक पार्टी से निष्कासित किए जाने के फैसले ने राज्य के राजनीतिक हलकों में व्यापक चर्चा छेड़ दी है।

शिवसेना ने रहमत बेग मामले में ओवैसी से जवाब मांगा

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर में एमआईएम के एमएलसी मिर्जा रहमत बेग से जुड़े विवाद को लेकर शिवसेना तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सिंहकारू शिवाजी ने एमआईएम प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी से स्पष्टीकरण की मांग की है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर नाबालिग लड़की से कथित यौन उत्पीड़न को लेकर चल रही खबरों की सच्चाई जनता के सामने लाना ओवैसी की जिम्मेदारी है। शिवाजी ने सवाल किया कि रहमत बेग को पार्टी से तत्काल निलंबित व बर्खास्त करने तथा विधान परिषद से इस्तीफा देने का निर्देश इतनी जल्दबाजी में क्यों दिया गया। उन्होंने मामले में शामिल अन्य लोगों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। शिवाजी ने कहा कि सच्चाई सामने आने तक शिवसेना इस मुद्दे को उठाती रहेगी।

धोखाधड़ी के मामले में अर्जुन शर्मा गिरफ़्तार

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लालागुडा पुलिस ने अर्जुन शर्मा (27) को गिरफ़्तार किया है, जो शहर में दर्ज वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। साथ ही, पुलिस ने अमेरिका के मैरीलैंड में दो साल पहले दर्ज कथित हत्या के मामले में उसके खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट पर भी कार्रवाई की। चेन्नई के रहने वाले और आगरा में रह रहे अर्जुन शर्मा को लालागुडा पुलिस की एक विशेष टीम ने गिरफ़्तार किया। पुलिस ने बताया कि तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी जुटाने के बाद उसका पता आगरा में लगाया गया। यह मामला 27 वर्षीय निकिता गोडिशाला की कथित हत्या से जुड़ा है, जो 2022 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गई थीं। पुलिस के अनुसार, सहकर्मी रहे निकिता और अर्जुन 2024 तक मैरीलैंड के हेलथोरप में एक साथ रहते थे। पुलिस का आरोप है कि अर्जुन और उसकी मां, रचना शर्मा ने वित्तीय कठिनाइयों का बहाना बनाकर निकिता और उसके परिवार से बड़ी रकम उधार ली थी, लेकिन पैसे वापस करने का उनका कोई इरादा नहीं था। पुलिस ने यह भी आरोप लगाया कि बाद में अर्जुन ने निकिता को मैरीलैंड के कोलंबिया में अपने अपार्टमेंट में बुलाया और कहा कि वह वित्तीय विवाद को सुलझाना चाहता है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नीरज चोपड़ा एशियन गेम्स से बाहर

सोशल मीडिया पर लिखा-शेष सत्र में नहीं लूंगा हिस्सा; खुद बताई वजह

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई खेलों से पहले भारत की पदक उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारत से स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शेष सत्र से हटने का फैसला लिया है। इसका मतलब यह है कि वह अगले महीने होने वाले डायमंड लीग फाइनल्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। वहीं, अगले महीने एशियाई खेल भी होने हैं जिसमें नीरज से स्वर्ण पदक लाने की उम्मीद थी। शेष सत्र से हटने का मतलब है कि नीरज एशियाड से भी बाहर हो गए हैं।

ज्यूरिख डायमंड लीग में नहीं लिया था हिस्सा

नीरज ने ही डायमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया था, लेकिन अब उन्होंने बताया है कि वह शेष सत्र का हिस्सा नहीं होंगे। नीरज ने हाल ही में डायमंड लीग के ज्यूरिख चरण में भी हिस्सा नहीं लिया था। इसके बावजूद वह फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने में सफल रहे थे। नीरज के नाम के आगे 'Q' दर्ज हो गया था, लेकिन इसके अगले ही दिन उन्होंने पूरे सीजन से बाहर होने की घोषणा कर दी।

लुसाने में किया था सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नीरज ने इस सीजन डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरणों में खेलते हुए कुल 12 अंक हासिल किए थे। डायमंड लीग का इस साल का फाइनल मुकाबला चार और पांच सितंबर को ब्रुसेल्स में खेला जाना है। हाल ही में लुसाने में हुए डायमंड लीग में नीरज 88.05 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे और वे मात्र नौ सेंटीमीटर के अंतर से शीर्ष स्थान से चूक गए थे। वह हालांकि, खिताब अपने नाम नहीं कर सके थे। नीरज की आखिरी खिताबी जीत जुलाई 2025 में बंगलूरू में आयोजित नीरज चोपड़ा क्लासिक में आई थी।

लुसाने से पहले नीरज ने 2026 में केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था, दोहा डायमंड लीग में चौथे स्थान पर रहे थे और राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन दोनों ही स्पर्धाओं में वे 86 मीटर का आंकड़ा नहीं छू सके थे। नीरज ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा, काफी मेहनत के बाद मुझे आखिरकार वह लय मिल रही थी जिसकी मुझे तलाश थी। मैंने लुसाने में सीजन का अपना सबसे अच्छा थ्रो किया था। लेकिन दुर्भाग्य से, उसके कुछ ही समय बाद ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने चोट लग गई। डॉक्टर और टीम से बातचीत के बाद हमने तय किया है कि मैं मौजूदा सीजन में आगे हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने लिखा, यह निराशाजनक है, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे लग रहा था कि मैं अपनी लय पाने के करीब हूं। लेकिन जैसा कि कहा जाता है, रुकावटें सफर का हिस्सा होती हैं। अब मेरा ध्यान पूरी तरह से ठीक होने और और भी मजबूती के साथ वापसी करने पर है। आप सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।

एशियाड में पदक जीतने के थे प्रबल दावेदार

नौ महीने के लंबे ब्रेक के बाद जून में दोहा डायमंड लीग के जरिए वापसी करते हुए नीरज ने 85.69 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था, जिसकी बदौलत उन्होंने चौथा स्थान प्राप्त किया था। डायमंड लीग में नीरज का रिकॉर्ड शानदार रहा है, जिसमें उनके नाम पांच मीट जीत और एक फाइनल खिताब शामिल है। उन्होंने 2022 में ज्यूरिख में हुए फाइनल में 88.44 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया था और डायमंड लीग चैंपियन ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज ने हाल ही में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक अपने नाम किया था। वह आइची-नगोया में 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतने के प्रबल दावेदार थे।

47 की उम्र में डेब्यू, 51 में 5 विकेट

> महिला क्रिकेटर ने 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। जोआन हिक्स को क्रिकेट करियर शुरू करने में लगभग आधी सदी लग गई। उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया। चार साल बाद 51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की इस क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया। वह 90 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाली सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी बन गईं।

ग्रीस की महिला टीम के खिलाफ दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर हिक्स ने तीसरी बार टी20 इंटरनेशनल में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 10 रन देकर पांच विकेट लेकर करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया। हिक्स घातक गेंदबाजी के कारण ग्रीस 15 ओवर में 52 रन सिमट गई। आइल ऑफ मैन ने पावरप्ले में नौ विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

बर्ट आयरनमोंगर का रिकॉर्ड तोड़ा

51 साल और 173 दिन की उम्र में, हिक्स इंटरनेशनल क्रिकेट (पुरुष या महिला) में 50 साल की उम्र के बाद पांच विकेट लेने वाले पहले बॉलर बन गईं। हिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर का 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गईं।

आयरनमोंगर ने दोनों पारियों में झटके थे 5 विकेट

लेफ्ट आर्म स्पिनर आयरनमोंगर ने 1932 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 49 साल और 314 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इत्तेफाक से, उन्होंने दोनों पारियों में पांच विकेट लिए थे। पहली पारी में 6 रन देकर पांच विकेट और दूसरी पारी में 18 रन देकर छह विकेट झटके। प्रोटियाज टीम एक पारी से हारी थी। वह ऑस्ट्रेलिया के 153 रन के जवाब में 36 और 45 रन पर आउट हो गई थी।

हिक्स ने 49 साल की उम्र में पांच विकेट लिए थे

14 टेस्ट खेलने के बाद आयरनमोंगर ने 1933 में 50 साल और 327 दिन की उम्र में दूसरे सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर के तौर पर अपना करियर खत्म किया। कुल मिलाकर उन्होंने चार टेस्ट मैच खेले। 2024 में छह दिनों के अंदर हिक्स ने ग्रीस और माल्टा के खिलाफ दो बार पांच विकेट लिए। इससे वह 49 साल और 168 दिन की उम्र में पांच विकेट लेने वाली सबसे उम्रदराज महिला बन गई थीं।

क्या लगातार तीसरी बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम कर सकेंगी सबालेंका? खराब फॉर्म बन सकती है बाधा

न्यूयॉर्क, 29 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी अरिना सबालेंका हाल की खराब फॉर्म के बावजूद रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सबालेंका पिछले कुछ टूर्नामेंटों में चौथे दौर से आगे भी नहीं बढ़ पाई हैं जिसे देखते हुए वह सेरेना विलियम्स (2012-14) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए शायद ही तैयार दिखती हैं। लेकिन सबालेंका चिंतित नहीं लग रही हैं। वह तो विद्रोही लग रही हैं।

हाल के दिनों में कैसा रहा सबालेंका का प्रदर्शन

जो लोग यह जानना चाहते थे कि उनके खेल में क्या खराबी है, उनके जवाब में सबालेंका ने कहा, 'शायद लोगों में ही कुछ खराबी है।' सबालेंका ने साल की अच्छी शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में एलेना रायबाकिना से हारने के बाद उन्होंने इंडियन वेल्स और मियामी में लगातार दो हार्ड कोर्ट खिताब जीते। विंबलडन में चौथे दौर में नाओमी ओसाका से हारने के बावजूद माना जा रहा था कि वह जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौट आएंगी, क्योंकि हार्ड कोर्ट उनकी पसंदीदा सतह रही है।

लेकिन सबालेंका टोरंटो में चौथे दौर में एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से हार गई और सिनसिनाटी में सारा बेजलेक ने उन्हें दोनों सेटों में बढ़त का फायदा नहीं उठाने दिया। सबालेंका ने कहा, वह दौर मेरे लिए अच्छा नहीं था। मैं अपना बचाव नहीं करना चाहती, लेकिन जाहिर है कि मैं उस दौर के बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं कई चीजों से जूझ रही थी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। ये कड़े सबक मुझे और भी ज्यादा मजबूत बनाएंगे और मैं और कड़ी मेहनत करूंगी। वापसी करना बस समय की बात है।सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यूएस ओपन 2024 में फाइनल में जेसिका पेगुला को हराकर पहली बार खिताब जीता था। पिछले साल उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था।

कप्तानी जाने पर पहली बार सूर्यकुमार बोले

डेढ़ महीने सोचता रहा ऐसा कैसे हुआ; लगा था ओलिंपिक और अगले टी-20 वर्ल्डकप में कप्तान रहूंगा

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पूर्व टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली बार कप्तानी छिनने पर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं करीब डेढ़ महीने तक घर बैठकर सोचता रहा कि ऐसा कैसे हो सकता है।' पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल पर सूर्यकुमार ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि वे 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक और अगले टी-20 वर्ल्ड कप तक टीम की कप्तानी करेंगे। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी से हटा दिया और श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया। यहां तक आयरलैंड और इंग्लैंड की टीम में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया। सिलेक्टर्स ने उनके खराब फॉर्म को इसकी वजह बताया।

खुद को सिलेक्टर्स की जगह रखकर सोचा

सूर्यकुमार ने बताया कि टीम से बाहर किए जाने पर खुद को सिलेक्टर्स की जगह रखकर सोचा। समझने की कोशिश की कि वे उनसे आगे बढ़कर भविष्य के लिए नई टीम क्यों बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा- 'जब मेरा नाम टीम में नहीं था, तब मैं मुस्कुराया। मैच के दौरान जब भी दबाव की स्थिति आई, मैंने खुद को शांत रखने की कोशिश की। मैंने सोचा नहीं था कि ऐसा होगा।' सूर्या ने खुद को मिले मौकों के लिए शुक्रिया भी कहा।

सूर्या बोले- फोन पर सिलेक्टर्स ने कहा आप टीम में नहीं होंगे

सूर्या ने कहा कि टीम के ऐलान से तीन दिन पहले सिलेक्शन कमेटी ने मुझसे बात की थी। मुझे बताया गया था, 'इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में मेरा नाम नहीं होगा।' अब आगे बढ़ने का समय है। मैंने रिएक्ट नहीं किया, क्योंकि इसमें मेरी गलती नहीं थी।' इस पर सूर्या ने सिलेक्टर्स से कहा- 'जो फैसला लिया गया, वह निश्चित ही टीम के लिए बेहतर होगा। आपने फैसला लिया और मुझे बता दिया। कोई समस्या नहीं है। मैं खेलता रहूंगा। जब आपको लगे कि सही समय है, तब बुला लीजिए।'

वर्ल्ड कप जिताने के बाद भी सूर्यकुमार बाहर

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने इसी साल 8 मार्च को टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। इस जीत के साथ भारत अपने टाइटल को डिफेंड करने और लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने वाला दुनिया का पहला देश बना। सूर्या टी-20 में भारत के सफल कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने 52 टी-20 मैच खेले। इसमें 42 जीते , 8 हारे और दो मैचों का नतीजा नहीं निकला।

राष्ट्रीय खेल दिवस : उपराष्ट्रपति से लेकर पीएम मोदी ने दी खेल दिवस की बधाई

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। हॉकी दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने देशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई दी है और मेजर ध्यानचंद को याद किया है। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रीय खेल दिवस पर सभी को बधाई। मेजर ध्यानचंद की हमेशा रहने वाली विरासत का सम्मान करते हुए, हम पक्के इरादे, अनुशासन और बेहतरीन काम की भावना का जश्न मनाते हैं, जो भारत की खेल संस्कृति को दिखाता है।

'हमें कोई नहीं रोक पाएगा'

एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक पर शूटर आशी चौकसे की नजर

भोपाल, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय राइफल शूटर आशी चौकसे ने साल 2018 में अचानक प्रतिस्पर्धी शूटिंग शुरू की थी। अब 24 वर्षीय आशी अपने दूसरे एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अब तक एशियन गेम्स में एक कांस्य और दो रजत पदक जीते हैं।

अब उनका बड़ा लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है। आशी ने 2022 एशियन गेम्स (जो 2023 में हुए थे) में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत, महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में रजत और महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्हें लगता है कि यहां मुकाबला करने से जापान में होने वाले अगले इवेंट के लिए उनकी समझ और आत्मविश्वास बेहतर हुआ है। अपने पहले और दूसरे एशियन गेम्स के सफर के अंतर पर बात करते हुए आशी ने कहा, एशियन गेम्स ओलंपिक के बाद सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट टूर्नामेंट में से एक है और मैं वहां पहले भी मुकाबला कर चुकी हूं। मैंने उस मंच पर परफॉर्म किया है, इसलिए मुझे पता है कि इसके लिए क्या चाहिए। तीन पदक जीतने के बाद, अब मुझे इस लेवल पर मुकाबला करने का अच्छा अनुभव है। इसी वजह से इस बार मैं जापान एक क्लियर सोच और लक्ष्य के साथ जा रही हूं कि मुझे इस प्रतियोगिता में क्या हासिल करना है।

भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने जीता बुडापेस्ट ओपन का खिताब

फाइनल में बालाज फरकास को दी मात

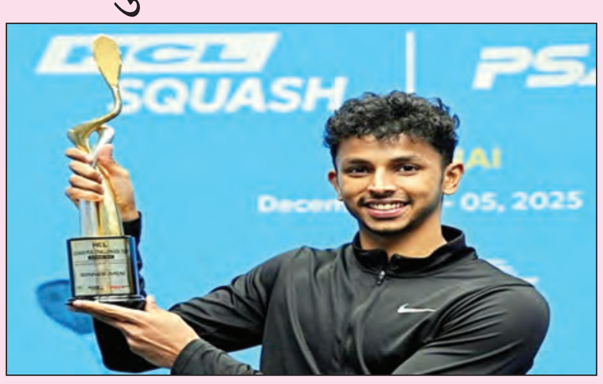

बुडापेस्ट, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में बालाज फरकास को हराकर हंगरी की राजधानी में खेले गए बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के रूप में अपना पहला पीएसए कॉपर-लेवल का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने 43,500 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट के फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी फरकास को 11-4, 11-2, 11-3 से हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता।

तीसरी बार आमने-सामने थे दोनों खिलाड़ी

यह दोनों खिलाड़ी तीसरी बार आमने-सामने थे। सेंथिलकुमार ने 2024 में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पिछला मुकाबला जीता था। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में हमवतन वीर चोटरानी को (9-11, 11-8, 11-7, 1-11, 12-10) से हराया था। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मलयेशिया के ईन यो को पराजित किया था।

वैभव सूर्यवंशी बोले-ईशान भैया नहीं जानते मैं विकेट-टेकर हूं

दलीप ट्रॉफी में तीन ओवर में 2 विकेट लिए थे, बल्लेबाजी में फेल रहे

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ-ईस्ट जोन के खिलाफ 2 विकेट लेने वाले वैभव सूर्यवंशी ने एक किस्सा शेयर किया है। वैभव ने कहा- 'विकेट नहीं गिर रहे थे, इसलिए ईशान भैया ने मुझे 2-3 ओवर गेंदबाजी करने के लिए कहा। उनको लगा कि मुझे गेंद देना जोखिम है। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि मैं विकेट लेने वाला गेंदबाज हूं।'

ईस्ट जोन के उप-कप्तान वैभव ने 3 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिए। हालांकि बतौर बल्लेबाज वे पहली पारी में सिर्फ 8 रन बना सके। ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम टॉप-4 में साउथ जोन के खिलाफ 30 अगस्त से खेलेगी।

वैभव बोले- मैं 5 विकेट भी ले लूं, तो भी तीन ओवर ही देंगे

वैभव ने बीसीसीआई डोमेस्टिक की ओर से शेयर किए गए वीडियो में कहा कि हर बल्लेबाज को गेंदबाजी करना पसंद होता है। मुझे पता था कि अगर मैं पांच विकेट भी लूंगा तो भी मुझे तीन ओवर की ही बॉलिंग मिलेगी। इसलिए मेरी कोशिश रही कि जितनी अच्छी हो सके उतनी अच्छी बॉलिंग करूं। उन्होंने बताया- 'मैं बार-बार गेंद को एक ही जगह पर डालने की कोशिश कर रहा था। इसमें बहुत मजा आ रहा था। पिछले मैच में मैंने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था, इसलिए गेंदबाजी में योगदान देकर बहुत अच्छा लगा।'

वैभव के लिए रेड बॉल में साबित करने का मौका आईपीएल से टी-20 क्रिकेट में पहचान बना चुके वैभव को अभी रेड-बॉल में खुद को साबित करना है। दलीप ट्रॉफी टेस्ट उनके लिए एक मौका है। उन्होंने आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें भारत की टी-20 टीम में जगह मिली।

राजस्थान रॉयल्स के कैंप में रेड बॉल की तैयारी की जिम्बाब्वे से लौटने के बाद वैभव ने राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में दो हफ्ते रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी की। यह कैंप विक्रम राठौर की निगरानी में हुआ। इसमें तकनीक, फिटनेस, वर्कलोड, रिकवरी और परफॉर्मेंस का एनालिसिस किया गया। उनके पुराने कोच मनीष ओझा ने भी तैयारी में मदद की। वैभव के लिए स्पिन खेलने और उछाल के खिलाफ बैकफुट पर खेलने की खास तैयारी कराई गई। अलग-अलग तरह की पिचों पर अभ्यास कराया गया।

वॉन ने पाकिस्तान को दोयम दर्जे की टीम बताया

इनका खेल काउंटी के सेकेंड डिवीजन जैसा, लॉर्ड्स में 110 रन पर सिमटा था पाक

लॉर्ड्स, 29 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में पाकिस्तान की पहली पारी 110 रन पर सिमट गई। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने पाकिस्तान के बैटिंग लाइन-अप की तुलना इंग्लिश काउंटी की सेकेंड डिवीजन टीम से कर दी। उन्होंने कहा-'इंग्लिश बॉलर अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

लेकिन क्या पाकिस्तान की बल्लेबाजी सेकेंड डिविजन की काउंटी क्रिकेट जैसी है? किसी भी लेवल पर यह इंटरनेशनल टेस्ट मैच की बल्लेबाजी लाइनअप नहीं दिखती।' लॉर्ड्स में इंग्लैंड के 290 रन के जवाब में पाकिस्तान पहली पारी सिर्फ 37.2 ओवर तक चली। वापसी कर रहे कप्तान बाबर आजम भी सिर्फ 8 रन ही बना सके। सिर्फ 2 बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। पाकिस्तान पहली पारी में 180 रन से पिछड़ गया है।

वॉन बोले-गेंदबाजों को पता है कि उन्हें विकेट मिलेगा

वॉन ने कहा- 'पूरी ईमानदारी से कहूंगा कि इंग्लैंड के गेंदबाजों को बिल्कुल भी चुनौती नहीं मिल रही। लंबे समय में यह पाकिस्तान की शायद सबसे आसान बैटिंग लाइन-अप है, जिसके खिलाफ गेंदबाजी करना आसान हो।' उन्होंने कहा- सभी बॉलर चाहते होंगे कि उन्हें बॉल मिले, क्योंकि उन्हें पता है कि यहां विकेट मिलेंगे। ये बल्लेबाज उनके आंकड़े खराब नहीं करेंगे। यह ऐसा है कि सभी गेंदबाज आगे आकर कह रहे हैं- चलो, चलो, किसे विकेट चाहिए?' पाकिस्तन ने 5 रन पर पहला विकेट गंवाया। इसके बाद लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे और टीम एक भी फिफ्टी रन की पार्टनरशिप नहीं कर पाई। ओपनर अजान अवैस ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। इमाम-उल-हक चोट की वजह से बैटिंग के लिए नहीं उतरे। उन्हें रिटायर्ड आउट दिया गया। इंग्लैंड के लिए तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने 4 और जोफ्रा आर्चर ने 3 विकेट लिए। जोश टंग को 2 विकेट मिला। लॉर्ड्स का यह टेस्ट पहले दिन से विवादों में है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट्स से कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू ना दिखाए।

भूमि विवादों को सुलझाने में भू भारती पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने लाभार्थियों को पट्टादार पासबुक वितरित किया

नालगोंडा, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार भू भारती पहल के माध्यम से राज्य भर में लंबे समय से चले आ रहे भूमि विवादों का स्थायी समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ शनिवार को सूर्यापेट जिले के नुतंकल में नुतंकल और मदिरला मंडल के लाभार्थियों को पट्टादार पासबुक के वितरण में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने नौ स्थानीय गांवों में दशकों पुराने भूमि विवादों के समाधान को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। मंत्री ने टिप्पणी करते हुए कहा, भूमि का स्वामित्व एक किसान को पूर्ण कानूनी अधिकार प्रदान करता है, ठीक उसी तरह जैसे एक इंदिराम्मा घर एक गरीब परिवार को गरिमा और आत्मसम्मान लौटाता है। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा आवास योजना के तहत, राज्य सरकार पात्र परिवारों को घर निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है – जो देश में एक अभूतपूर्व कल्याणकारी कदम है। प्रशासन के संकल्प की पुष्टि करते हुए, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय निधि आवंटन की परवाह किए बिना यह योजना निर्बाध रूप से जारी रहेगी, और उन्होंने "झोपड़ी-मुक्त तेलंगाना" के निर्माण के सरकार के मूल दृष्टिकोण को दोहराया। विरासत में मिले कर्ज के बोझ के बावजूद व्यापक प्रशासनिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने 20,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफी, चल रही रायथु भरोसा जमा योजना, महिलाओं के लिए मुफ्त बस परिवहन और रियायती दरों पर उत्तम चावल वितरण सहित प्रमुख कल्याणकारी पहलों पर जोर दिया। कार्यक्रम में सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, विधायक मंडुला सैमुअल, जिला कलेक्टर तेजस नंदलाल पवार और अन्य ने भाग लिया।

1.13 करोड़ रुपये के तांबे के तार की चोरी के मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा

संगारेड्डी, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुनिपल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा है, जिस पर हैदराबाद के भोलकपुर से मुंबई ले जाए जा रहे 1.13 करोड़ रुपये कीमत के तांबे के तार की चोरी का आरोप है। मोहम्मद फयाज़ुद्दीन एक मालवाहक गाड़ी में तांबे के तार ले जा रहा था, तभी शोएब और शेख साबिर शरीफ के नेतृत्व वाले एक गिरोह ने उसे चाकू दिखाकर धमकाया और गाड़ी लेकर भाग गए। यह घटना तब हुई जब ड्राइवर ने मुनिपल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले बुधेरा फ्लाईओवर के पास एक सड़क किनारे होटल में रात का खाना खाने के लिए गाड़ी रोकी। हालांकि, पुलिस ने जीपीएस ट्रैकिंग का इस्तेमाल करके गाड़ी का पता लगा लिया। उन्हें लॉरी से चोरी हुए 171 बैगों में से 123 बैग मिले। पूछताछ के दौरान, पुलिस ने तांबा बरामद किया और शरीफ को पकड़ा, जबकि मुख्य आरोपी सोहेल और उसकी मदद करने वाले आठ अन्य लोग फरार हैं।

खैरताबाद आवास के लकी ड्रॉ के दौरान प्रोटोकॉल विवाद छिड़ा

कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर चले गए विधायक दानम नागेंद्र

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को खैरताबाद में दो शयनकक्ष वाले घरों के आवंटन के लिए आयोजित लकी ड्रॉ के दौरान प्रोटोकॉल को लेकर विवाद खड़ा हो गया, जिसमें खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र में गृहलक्ष्मी लाभार्थियों के चयन के लिए लकी ड्रॉ का आयोजन हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित कोमरम भीम आदिवासी भवन में किया गया। नागेंद्र को कार्यक्रम में शामिल होना था और लाभार्थी चयन प्रक्रिया में भाग लेना था। हालांकि, बताया जाता है कि विधायक के पहुंचने से पहले ही अधिकारियों ने लकी ड्रॉ शुरू कर दिया, जिससे वे नाराज हो गए। निर्वाचित प्रतिनिधि का इंतजार किए बिना लॉटरी शुरू करने पर अधिकारियों से सवाल करते हुए नागेंद्र ने चेतावनी दी कि प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के आचरण पर गंभीर असंतोष व्यक्त करते हुए वे कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर चले गए। इसी बीच, हैदराबाद के कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी क्षेत्र में इंदिराम्मा हाउसिंग फ्लैटों के आवंटन के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा बहुचर्चित लकी ड्रॉ चल रहा है। पहले चरण के अंतर्गत, चार विधानसभा क्षेत्रों में लाभार्थियों का चयन पारदर्शी लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। आवंटन प्रक्रिया चार दिनों में पूरी होने वाली है।

नेपाल में बाढ़ के दौरान लापता हुई हैदराबाद की महिला सुहासिनी रेड्डी कंदीमल्ला सुरक्षित मिलीं

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की रहने वाली सुहासिनी रेड्डी कंदीमल्ला, जिनके नेपाल में बाढ़ के बाद लापता होने की खबर थी, सुरक्षित हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उनके परिवार के सदस्यों ने शनिवार को यह जानकारी दी। परिवार के अनुसार, सुहासिनी ने खुद फोन पर उनसे संपर्क किया और बात की, जिससे उन्हें काफी राहत मिली क्योंकि पहले उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था।

परिवार ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि अभी उनका इलाज एक अस्पताल में चल रहा है। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया चैनलों को बताया कि सुहासिनी की सटीक लोकेशन, उस अस्पताल का नाम जहां उनका इलाज हो रहा है, या उनकी मौजूदा सेहत के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उनके भाई अभी भारत लौट रहे हैं और उम्मीद है कि वे रविवार या सोमवार को नेपाल जाएंगे। परिवार ने कहा कि वे उस अस्पताल का पता लगाने की कोशिश करेंगे जहां सुहासिनी का इलाज चल रहा है और उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे।

इस बीच, परिवार उनकी लोकेशन और सेहत के बारे में तेलंगाना के अधिकारियों और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि आधिकारिक पुष्टि मिलते ही मीडिया के साथ और जानकारी साझा की जाएगी।

मॉरीशस के मंत्री ने निवेश के लिए मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की

तेलंगाना और मॉरीशस के बीच सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मॉरीशस के लोक सेवा और प्रशासनिक सुधार मंत्री लुचमनन पेठिया ने शनिवार को यहां सचिवालय में सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने सार्वजनिक प्रशासन, पर्यटन, आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं (आईटीईएस), उभरती प्रौद्योगिकियों, कौशल विकास और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेलंगाना और मॉरीशस के बीच सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पेठिया ने कहा कि मॉरीशस तेलंगाना को एक विश्वसनीय साझेदार मानता है और क्षमता निर्माण तथा आधुनिक प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सहयोग करने में रुचि व्यक्त की। उन्होंने प्रशिक्षण और ज्ञान साझाकरण पहलों के माध्यम से मॉरीशस सरकार के कर्मचारियों की क्षमताओं को बढ़ाने में तेलंगाना का समर्थन मांगा।

मॉरीशस के मंत्री ने तेलंगाना में एमसीआरएचआरडी, यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और अन्य शैक्षिक एवं कौशल विकास संस्थानों के साथ मिलकर काम करने में अपनी सरकार की रुचि भी व्यक्त की। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना मॉरीशस को सभी क्षेत्रों में सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और ज्ञान के आदान-प्रदान को महत्व देती है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां तेलंगाना ने विशेषज्ञता हासिल की है। उन्होंने पेठिया को राज्य सरकार द्वारा 7 और 8 दिसंबर को आयोजित होने वाले तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2026 में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। लोक सेवा सचिव देवेंद्र गोपाल, अटल बिहारी वाजपेयी लोक सेवा एवं नवाचार संस्थान (एआईपीएसआई) के बोर्ड अध्यक्ष डॉ. निकोलस रागोदू, एआईपीएसआई रजिस्ट्रार डॉ. रमेश दुर्बरी, विदेश मंत्रालय शाखा सचिवालय प्रमुख माधव आर. सल्फुले, उद्योग विभाग के विशेष सचिव कृष्णा आदित्य और सूचना एवं संचार एवं संचार संयुक्त सचिव अनुदीप दुरिशेट्टी सहित अन्य लोग बैठक में उपस्थित थे।

धर्मगिरि में समय पर वर्षा के लिए पांच दिवसीय वरुण यज्ञ की तैयारी

तिरुमला, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला में धर्मगिरि वेद विज्ञान पीठम 30 अगस्त से 3 सितंबर तक वरुण यज्ञ, पर्जन्य शांति और करेरी इष्ट यज्ञ सहित वैदिक अनुष्ठानों की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए तैयार है, जिसमें अच्छी बारिश और मानवता के कल्याण के लिए दिव्य आशीर्वाद मांगा जाएगा। पांच दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ 30 अगस्त को शाम 6.30 बजे अंकुरार्पणम से होगा, जिसके बाद शाम 7 बजे से 8 बजे तक गणपति पूजा, पुण्यहवाचन और ऋत्विक वरण समारोह आयोजित किए जाएंगे। 31 अगस्त से 3 सितंबर तक सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक वरुण यज्ञ, करीरी इष्टी और पर्जन्य शांति होम किए जाएंगे, जिसमें वेदों का पाठ, रामायण के सुंदरकांड, विराटपर्व और ऋष्यश्रृंग ध्यान और पारायण सत्र शामिल होंगे। शाम 6 बजे से 8 बजे तक के कार्यक्रमों में सात वैदिक शाखाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्वानों द्वारा अग्निहोत्र अनुष्ठानम और वेद पारायणम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके साथ ही, गोगर्भम बांध पर वरुण और पर्जन्य मंत्र अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। अनुष्ठान 3 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर के बीच धर्मगिरि वेद विज्ञान पीठम में पूर्णाहुति के साथ समाप्त होगा।

AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

RIKAB GUNJ, HYDERABAD

2nd & 3rd Floor, D.No. 21-1-974, Opp. to High Court, Ghansi Bazar, Hyderabad-500 002. E-mail : ceo@agrohabank.com

AUDITED ABRIDGED BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2026

As on 31-03-2025	CAPITAL & LIABILITIES	As on 31-03-2026	As on 31-03-2025	ASSETS	As on 31-03-2026
44,842,700.00	Share Capital	43,566,700.00	35,888,365.99	Cash in hand & Balance with SBI (CRR)	26,148,606.39
88,070,636.64	Reserve Fund	94,790,799.78	126,025,508.80	Balances with other Banks	147,288,014.30
8,695,696.00	Provisions and Contingencies	8,558,388.00	18,000,000.00	Money at call and short notice	20,500,000.00
865,424,926.28	Deposits	906,193,510.78	263,638,336.00	Investments	263,822,510.00
-	Borrowings	-	577,947,276.64	Loans & Advances	603,762,109.78
20,664,976.00	Overdue Int. Reserve & Chgs	26,118,922.00	20,664,976.00	Interest Receivable on NPA A/c	26,118,922.00
1,135,795.00	Contingent Fund	4,206,236.11	1,135,795.00	Contingent Fund	4,206,236.11
25,778,364.92	Other Liabilities:	21,068,332.81	5,751,357.28	Furniture & Fixtures	4,775,588.10
52,172.96	Deferred Tax Liability	12,852.96	-	-	-
7,280,508.14	Profit After Tax	5,387,064.15	12,894,160.23	Other Assets	13,280,819.91
1,061,945,775.94	**TOTAL**	**1,109,902,806.59**	**1,061,945,775.94**	**TOTAL**	**1,109,902,806.59**

AUDITED ABRIDGED PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR 2025-26

As on 31-03-2025	EXPENDITURE	As on 31-03-2026	As on 31-03-2025	INCOME	As on 31-03-2026
66,260.178.18	Interest paid on Deposits, Borrowings	74,845,180.47	94,643,838.33	Interest and Discount	103,429,161.17
9,737,923.00	Salaries Allowances	11,042,588.00	343,693.05	Comm, Exch & brok	381,707.16
11,007,065.59	Other Expenditure	10,927,268.59	471,500.00	Profit on Sale of Securities	595,000.00
2,724,933.00	Income Tax Paid	1,851,135.00	3,410,493.53	Other Receipts:	2,586,090.88
858.00	Deferred Tax	-39,320.00	-	-	-
1,858,059.00	Provisions and Contingencies	2,978,043.00	-	-	-
7,280,508.14	Profit After Tax	5,387,064.15	-	-	-
98,869,524.91	**TOTAL**	**106,991,959.21**	**98,869,524.91**	**TOTAL**	**106,991,959.21**

ABRIDGED AUDITOR'S REPORT

1. We have audited the attached Balance Sheet of AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LIMITED, D.no.21-1-974, 2nd Floor, Opp High Court, Ghansi Bazar, Rikabgunj, Hyderabad as at 31st March, 2026 and also the Profit and Loss Account for the year ended on that date annexed thereto. These financial statements are the responsibility of the Bank's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.
2. We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards require that the plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.
3. On the basis of the audit indicated above and as required by the Banking Regulation Act, 1949, to the extent it is applicable to co-operative banks, we report that.

a. The Balance Sheet and Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with the provisions of section 29 of the Banking Regulation Act, 1949, as applicable to co-operative banks vide section 56 (z l) of the said Act.
b. We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
c. The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the competence of the Bank.
d. In our opinion, proper books of accounts as required by law have been kept by the Bank so far as it appears from our examination of those books.
e. The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.
f. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this Report are, in our opinion, in compliance with the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India; subject to Note No.10 of Schedule-18: Notes to Accounts.
g. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to our, the said accounts read with the Principal Accounting Policies and Notes on Accounts particularly.
Give a true and fair view
(i) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Bank as at 31st March, 2026 and
(ii) In the case of the Profit and Loss Account, of the profit of the Bank for the year ended on that date.

Date : 17.06.2026
Place : Hyderabad

As per our Report of even date
ANANT RAO & MALLIK
Chartered Accountants (FRN:006266S)
Sd./- V. ANANT RAO PARTNER (MNO.022644)
UDIN : 26022644UEJOEP7081

Sd./- NANDKISHOR BAHETI, CHIEF EXECUTIVE OFFICER | Sd./- RAJESH KUMAR AGARWAL, PIC MEMBER | Sd./- VIJAY GUPTA, PIC MEMBER | Sd./- SRI K. SHRIRAM, (DY. Reg. Co-Op Societies) PIC CHAIRMAN

मूसा रामबाग में बने नए पुल का उद्घाटन शीघ्र, आयुक्त ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने शनिवार को मूसा रामबाग में मूसी नदी पर नवनिर्मित पुल का निरीक्षण किया, जिसका उद्घाटन शीघ्र ही होने वाला है। यातायात संपर्क को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इस पुल का निर्माण लगभग 52.00 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। 400 मीटर की कुल लंबाई और 14.5 मीटर की चौड़ाई वाले इस पुल को मूसी नदी के पार वाहनों की सुगम और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। पैदल यात्रियों की सुरक्षित और सुविधाजनक आवाजाही के लिए पुल पर 3.5 मीटर चौड़े फुटपाथ भी बनाए गए हैं। आयुक्त ने पुल, उसके सहायक मार्गों और संबद्ध अवसंरचना का निरीक्षण किया और यातायात के लिए सुविधा खोलने हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उद्घाटन से पहले सड़क मार्ग, सुरक्षा उपाय, प्रकाश व्यवस्था, पैदल यात्री सुविधाएं और अन्य अंतिम कार्य सहित सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार पूर्ण किए जाएं। नए पुल से अंबरपेट और मूसा रामबाग के बीच यातायात संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होने, यात्रा समय कम होने और मौजूदा मार्गों पर भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को उचित समन्वय सुनिश्चित करने और सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया ताकि पुल को जनता के लिए सुचारू और सुरक्षित रूप से खोला जा सके।

भाजपा प्रमुख ने अल्पसंख्यक राजनीति को लेकर कांग्रेस और बीआरएस पर निशाना साधा

रहमत बेग पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों पर निष्पक्ष जांच की मांग

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस राजनीतिक लाभ के लिए अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीति अपना रहे हैं, जबकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यकों के कल्याण और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। भाजपा के महबूबनगर जिला पार्टी कार्यालय में राज्य अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास और किसी का तुष्टीकरण नहीं, सभी के लिए न्याय के सिद्धांत का पालन करती है। उन्होंने दावा किया कि अल्पसंख्यक देश की कुल जनसंख्या का लगभग 12-15 प्रतिशत हैं, जबकि पीएम मुद्रा, जन धन और उज्ज्वला जैसी कई केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों में उनकी हिस्सेदारी काफी अधिक है। उन्होंने देश भर में अल्पसंख्यक छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्तियों पर भी प्रकाश डाला। राव ने कांग्रेस पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि बीआरएस ने भी मुसलमानों के प्रति तुष्टीकरण की नीति अपनाई है। तेलंगाना मुक्ति संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने कहा कि स्वामी रामानंद तीर्थ, पीवी नरसिम्हा राव, वंदेमातरम रामचंद्र राव और शोएबुल्लाह खान जैसे व्यक्तित्वों ने देशभक्ति के झंडे तले निज़ाम के शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। भाजपा नेता ने एमआईएम एमएलसी मिर्जा रहमत बेग पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की कड़ी कानूनी कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस और बीआरएस की चुप्पी पर सवाल उठाया और दोनों पार्टियों से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की। राव ने आरोप लगाया कि एमएलसी को पार्टी से निलंबित करना मात्र अपर्याप्त था और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए आरोपों और पिछली घटनाओं की व्यापक जांच की मांग की। स्थानीय सांसद डीके अरुणा भी बैठक में उपस्थित थीं, जहां पार्टी नेताओं ने संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और भविष्य की कार्य योजनाओं पर चर्चा की।

गाड़ी की पूजा के दौरान हादसा

68 साल के बुज़ुर्ग की मौत

हैदराबाद, 29 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स के श्री पेद्दम्मा तल्ली मंदिर में गाड़ी की पूजा के दौरान गलती से एक कार की टक्कर लगने से 68 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। जुबली हिल्स पुलिस के अनुसार, पश्चिम गोदावरी जिले के चेरुकुवाड़ा के रहने वाले तुम्मलापल्ली रामचंद्र राव अपनी पत्नी के साथ मेडिकल जांच के लिए मियापुर में अपनी बेटी के घर आए थे।

गुरुवार दोपहर, उनके पोते लक्ष्मीशेट्टी रामडुगु साई कुमार, जिन्होंने हाल ही में एक नई कार खरीदी थी, परिवार के सदस्यों के साथ गाड़ी की पूजा करने मंदिर गए और रामचंद्र राव भी उनके साथ गए।

पूजा के दौरान, पुजारी ने कथित तौर पर साई कुमार से कार को थोड़ा आगे बढ़ाने के लिए कहा। जैसे ही उन्होंने ऐसा करने की कोशिश की, गाड़ी अचानक आगे बढ़ गई और रामचंद्र राव को टक्कर मार दी, जो उसके सामने खड़े थे।

इस घटना में रामचंद्र राव गंभीर रूप से घायल हो गए और परिवार के सदस्य उन्हें अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
E-mail: info@agrasenbank.bank.in Website: www.agrasenbank.bank.in

अग्रसेन बैंक Estd.1998

(T.A. No. 1439)

NOTICE TO SHARE HOLDERS FOR SPECIAL GENERAL BODY MEETING

Notice is hereby given to the Share Holders of the Bank that a Special General Body Meeting will be held on 6th September, 2026 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500004, TG at 11.30 am to transact the following items of the Agenda:

1. To accept, consent & approve the amalgamation of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd., with The Agrasen Co-operative Urban Bank Ltd., in accordance with Section 44A read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949, TCS Act 1964 and the Scheme of Amalgamation to be sanctioned by the Reserve Bank of India.
2. To accept, consent & approve the Scheme of Amalgamation.
3. To empower & authorize the Board to create, issue & allot such number of equity shares of The Agrasen Co-operative Urban Bank Ltd. to the members of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd in the Swap ratio of 1:1 and/ or in accordance with the Scheme to be sanctioned by the Reserve Bank of India.
4. To empower & authorize the Board to make modification & alteration to the Scheme of Amalgamation including those as may be required or suggested by The Reserve Bank of India.

By order of the Board of Directors
Sd/-
C. V. Rao
General Manager / CEO

Place : Hyderabad
Date : 14-08-2026

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.